कोयलांचल संवाद

हिंदी दैनिक

रांची व धनबाद से एक साथ प्रकाशित

रांची, बुधवार, 30 जुलाई, 2025 वर्ष : 13 अंक : 71 मूल्य : 3 रुपए

www.koylanchalsamvad.com

YouTube Subscribe

Koylanchal samvad news

विधानसभा से पास बिल को राष्ट्रपति-राज्यपाल की मंजूरी कब तक... | एसआईआर मे गृह एवं विधि मंत्रालय, के हस्तक्षेप से चुनाव ... | एपल पहली बार चीन में रिटेल स्टोर बंद करेगाः वहां कंपनी...

लोकसभा में अमित शाह ने कहा-

पहलगाम हमले के 3 आतंकी ढेरः तीन महीने ट्रैक किया, फिर मारा

आतंकियों के पाकिस्तानी होने के 3 सबूत भी बताए

नई दिल्लीः केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मंगलवार को लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर 1 घंटा 14 मिनट बोले। उन्होंने भाषण की शुरुआत में पहलगाम हमले के आतंकियों के मारे जाने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिन आतंकियों ने बायसरन घाटी में हमारे 26 पर्यटकों को मारा, उन्हें 28 जुलाई को ऑपरेशन महादेव में ढेर कर दिया गया। इन आतंकियों के नाम सुलेमान, अफगान और जिब्रान हैं। ये तीनों आतंकी पहलगाम हमले में शामिल थे, उन्होंने सदन में इसके सबूत भी दिए। शाह ने बताया कि आतंकियों की मदद करने वाले 2 आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया गया है।

शाह सीजफायर और ट्रम्प पर कुछ नहीं बोले : शाह ने अपने भाषण में नेहरू, इंदिरा, आतंकवाद, सोनिया, चिदंबरम, अटलजी, मनमोहन सिंह, चीन, कश्मीर, आर्टिकल 370 का जिक्र किया। लेकिन अमेरिका, सीजफायर और ट्रम्प पर कुछ नहीं बोले। ऑपरेशन सिंदूर से ऑपरेशन महादेव कैसे चलाया, इसकी जानकारी दी।

अमित शाह को अखिलेश ने टोका, विपक्ष ने 10 बार हंगामा कियाः शाह की स्पीच के दौरान ऐसे कई मौके आए जब उन्हें विपक्ष के नेताओं ने टोका। 10 बार से ज्यादा हंगामा और नारेबाजी की। लोकसभा में केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू कर पहलगाम में आतंकी भेजने वालों के आकाओं को मिट्टी में मिलाने का काम किया था। अब सेना ने उन आतंकियों का ऑपरेशन महादेव के तहत खात्मा कर दिया। इस पर सपा सांसद अखिलेश यादव ने गृह मंत्री को बीच में टोकते हुए कहा कि आका तो पाकिस.तान है, जिसके जवाब में शाह ने कहा कि आपकी पाकिस्तान से बात होती है क्या।

मोदी बोले- दुनिया के किसी नेता ने जंग नहीं रुकवाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर बहस में हिस्सा लिया। एक घंटा 40 मिनट की स्पीच में ट्रम्प का नाम लिए बिना कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया में किसी भी देश ने भारत को अपनी सुरक्षा में कार्रवाई करने से रोका नहीं है। उन्होंने बताया, 'दुनिया के किसी भी नेता ने भारत से पाकिस्तान के खिलाफ एक्शन रोकने को नहीं कहा था। पाकिस्तान के DGMO ने भारत के DGMO से हमला रोकने की गुहार लगाई थी, क्योंकि वो हमारा हमला नहीं झेल पा रहा था।' बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प अब तक 26 बार कह चुके हैं कि भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर उन्होंने कराया।

लोकसभा में प्रियंका बोलीं- लोग सरकार भरोसे कश्मीर गएःसरकार ने उन्हें भगवान भरोसे छोड़ा

अखिलेश बोले- सरकार बताए, पाकिस्तान के पीछे कौन

नई दिल्लीः लोकसभा में मंगलवार को ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा- लोग सरकार के भरोसे पहलगाम गए थे, लेकिन सरकार ने उन्हें भगवान भरोसे छोड़ दिया। उन्होंने कहा- पहलगाम में जब लोगों को मारा जा रहा था, तब वहां एक भी सुरक्षाकर्मी नहीं दिखा। प्रधानमंत्री ऑपरेशन सिंदूर का श्रेय लेने आगे आ जाते हैं, जिम्मेदारी लेने क्यों नहीं आते। प्रियंका से पहले सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने केंद्र से सवाल किया- सरकार बताए कि पाकिस्तान के पीछे कौन सा देश है। हमें चीन से उतना ही खतरा है, जितना आतंकवाद से हैं। जिन एयरक्राफ्ट को नींबू-मिर्च लगाकर पूजा, वे कितने उड़े थे? लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की शुरुआत करते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने बताया कि जिन आतंकियों ने पहलगाम में बायसरन घाटी में 26 पर्यटकों को मारा था, ऑपरेशन महादेव में सोमवार को उन्हें ढेर कर दिया गया। उन्होंने कहा कि आतंकियों के नाम सुलेमान, फैजल अफगान और जिब्रान हैं। सुलेमान लश्कर का कमांडर था। इसके ढेरों सबूत हैं। अफगान और जिब्रान A श्रेणी के आतंकी थे। आतंकियों की मदद करने वाले 2 आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया है।

संसद में उठा भाषा को लेकर विवाद

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे जब सदन को संबोधित कर रहे थे, तभी तमिलनाडु के सांसदों ने उनके अंग्रेजी में बोलने को अनुरोध किया। कहा कि उनका ट्रांसलेटर में टेक्निकल एरर है। इस पर जवाब देते हुए दुबे ने कहा- बेहतर होता अगर आप (कर्नाटक सांसद) मुझे तमिल या बंगाली में बोलने के लिए कहते। अंग्रेजी एक विदेशी भाषा है और इस पर आपका जोर आपकी मानसिकता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि किसी ने आधे घंटे तक बंगाली में बात की, फिर भी तमिलनाडु के सांसदों ने कोई आपत्ति नहीं जताई। आपको सिर्फ हिंदी से दिक्कत है। कांग्रेस और उसके सहयोगियों को उत्तर भारतीय या हिंदी पसंद नहीं है। अगर आप अंग्रेजी को बढ़ावा देते रहे, तो हम इंग्लैंड बन जाएंगे।

राज्यसभा में नड्डा बोले– खड़गे ने मानसिक संतुलन खोयाःखड़गे नाराज हुए, तो नड्डा ने माफी मांगी; कमेंट रिकॉर्ड से हटाया गया

नई दिल्लीः राज्यसभा में चर्चा के दौरान विपक्ष की ओर से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बहस की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के लिए कौन जिम्मेदार है, वह कुर्सी खाली करें। अगर कोई जिम्मेदार नहीं है तो पीएम जवाब दें। इस पर जेपी नड्डा ने कहा, 'उन्होंने (खड़गे) प्रधानमंत्री पर टिप्पणी की है, उनकी तकलीफ समझ सकता हूं। 11 साल से उनको वहां बैठाए रखा है।' उन्होंने कहा कि वह (मोदी) दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। पार्टी और देश के लिए गौरव का विषय है, लेकिन आप पार्टी से इतने जुड़ गए हैं कि देश गौण हो जाता है और मेंटल बैलेंस खोकर इस तरीके से बात कर रहे। इस पर विपक्ष ने जोरदार हंगामा शुरू कर दिया। खड़गे नाराज हो गए। उन्होंने कहा कि उनके मंत्री मेंटल बैलेंस खोकर बोलते हैं। उन्होंने (जेपी नड्डा) मुझे मेंटल कहा है, तो मैं इसे छोड़ने वाला नहीं हूं। इसके बाद जेपी नड्डा ने कहा कि अगर आपकी भावनाओं को ठेस पहुंची है, तो मैं इसके लिए आपसे माफी भी मांगता हूं। इससे पहले राज्यसभा में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बहस की शुरुआत की।

देवघर में बस-ट्रक की टक्कर में छह की मौत, बिहार, छग व यूपी के 2 दर्जन से अधिक घायल

झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने किया मुआवजा का ऐलान, घायलों का मुफ्त इलाज

देवघरः श्रावणी मेला के बीच देवघर में मंगलवार को एक बड़ा हादसा हो गया. श्रद्धालुओं से भरी बस की एक ट्रक से आमने-सामने की टक्कर हो गयी. इसमें बिहार, झारखंड, के 6 लोगों की मौत हो गयी. बिहार, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ के दो दर्जन से अधिक लोग घायल हुए हैं. सभी की उम्र 50 साल से कम है. दुर्घटना में देवघर के ड्राइवर सुभाष तुरी (30) समेत 4 लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी. सदर अस्पताल में 1 श्रद्धालु की मौत हुई, तो 1 अन्य की मौत एम्स देवघर में हुई. श्रद्धालु देवघर में बाबा बैद्यनाथ को जलार्पण करने के बाद बासुकिनाथ की ओर जा रहे थे. इसी समय बस की ट्रक से टक्कर हो गयी.

गंभीर रूप से घायल 9 लोगों को एम्स रेफर किया

इस तरह कुल 6 लोगों की मौत हो गयी. गंभीर हालत में 9 लोगों को एम्स देवघर रेफर कर दिया गया. 2 लोगों का सदर अस्पताल देवघर में इलाज चल रहा है. इससे पहले 17 लोगों का सदर अस्पताल के ओपीडी में इलाज किया गया. मृतकों में 5 बिहार के और एक देवघर का रहने वाला था. मृतकों में 3 पुरुष और 3 महिला शामिल हैं.

34 लोग हुए हैं दुर्घटना में घायल

दुर्घटना में मरने वाले और घायलों की कुल संख्या 34 है. इसमें 25 लोग बिहार के हैं. बिहार के पश्चिमी चंपारण, गयाजी और पटना के सबसे अधिक लोग हैं. घायलों में उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ के भी लोग हैं. छत्तीसगढ़ 4 और उत्तर प्रदेश के 2 लोग शामिल हैं.

4 लोगों की घटनास्थल पर ही हो गयी मौत

▪ समदा देवी, तारेगना, पटना, बिहार ▪ सुमन कुमारी, सोनरा, गयाजी, बिहार ▪ दुर्गावती देवी, मकराजी, पश्चिमी चंपारण, बिहार ▪ सुभाष तुरी, चकरामा, मोहनपुर, देवघर

सदर अस्पताल में दम तोड़ाः शिवराज उर्फ पियूष, खाजमा, वैशाली, बिहार, **एक व्यक्ति की एम्स देवघर में हुई मौतः** देवकी प्रसाद, तारेगना, पटना, बिहार

पीएम मोदी, राज्यपाल और सीएम ने दुख जताया

पीएम मोदी ने हादसे पर दुख जताते हुए X पर लिखा- 'झारखंड के देवघर में हुई सड़क दुर्घटना अत्यंत दुखद है। इसमें जिन श्रद्धालुओं को अपनी जान गंवानी पड़ी है, उनके परिजनों के प्रति मेरी गहरी शोक-संवेदनाएं। ईश्वर उन्हें इस पीड़ा को सहने की शक्ति दे। इसके साथ ही मैं सभी घायलों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं।'

राज्यपाल, संतोष कुमार गंगवारः बस दुर्घटना में कई श्रद्धालुओं के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है।

सीएम, हेमंत सोरेनः श्रद्धालुओं की मृत्यु की सूचना मिली है। जिला प्रशासन द्वारा राहत और बचाव कार्य के साथ घायलों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराया जा रहा है।

नेता प्रतिपक्ष,बाबूलाल मरांडीः सड़क हादसे में 18 कांवरियों के मृत्यु की दुखद घटना से मन अत्यंत व्यथित है।

मृतकों के परिजनों को 1 लाख रुपये मुआवजा, घायलों को 20 हजार और मुफ्त इलाज का ऐलान

देवघर जिले के मोहनपुर प्रखंड स्थित जमुनिया के पास हुए भीषण सड़क हादसे में चालक समेत 6 श्रद्धालुओं की मौत हो गयी है. घटना पर दुःख जताते हुए राज्य के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने मृतक के परिवार को 1-1 लाख रुपये मुआवजा देने का ऐलान किया है. साथ ही मंदिर प्रबंधन कल्याण कोष से घायलों को 20-20 हजार रुपये मुआवजा देने की घोषणा की गयी है.

घायलों का मुफ्त इलाज

स्वास्थ्य मंत्री ने मुआवजा देने की घोषणा करने के साथ ही कहा कि सभी घायलों का मुफ्त इलाज कराया जा रहा है. सभी तरह के जांच, दवा और इलाज की मुफ्त व्यवस्था करायी जा रही है. घायलों को उनके घर भेजने की व्यवस्था भी जिला प्रशासन करेगी.

हादसे की होगी जांच- उपायुक्त

देवघर उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा ने घटना के संबंध में कहा कि कमेटी का गठन आकर हादसे की जांच की जायेगी. अगर जांच में कोई गड़बड़ी मिलेगी, तो उस अनुरूप कार्रवाई होगी. साथ ही उन्होंने कहा मेला क्षेत्र में चलने वाली सभी बस सहित अन्य गाड़ियों और उसके चालकों की भी जांच कराई जायेगी. ताकि भविष्य में आगे कभी इस तरह की घटना दोबारा न घटे.

1 अगस्त से मानसून सत्र, तकरार को पक्ष-विपक्ष तैयार

रांचीः झारखंड विधानसभा का मानसून सत्र 1 अगस्त से प्रारंभ हो रहा है. यह सत्र 7 अगस्त तक चलेगा, जिसमें कुल पांच कार्य दिवस होंगे. इधर पक्ष-विपक्ष दोनों ने सत्र को लेकर अपनी कमर कस ली है. पक्ष-विपक्ष के बीच विभिन्न मुद्दों पर तकरार संभव है. खासकर राज्य में कानून व्यवस्था और भ्रष्टाचार पर विपक्ष सरकार को घेरेगा. इसके अलावा मंईयां सम्मान योजना की खामियां और रोजगार के मुद्दे भी सदन में गूंजेंगे. सरकार के सभी मंत्रियों को अपने-अपने विभाग की उपलब्धियों के साथ सत्र में पहुंचने का निर्देश दिया गया है. साथ ही तथ्य परक जवाब देने की तैयारी करने को भी कहा गया है. इधर मॉनसून सत्र की तैयारी को लेकर स्पीकर रवींद्र नाथ महतो ने 31 जुलाई को पक्ष-विपक्ष के नेताओं की बैठक बुलायी है. इस बैठक में स्पीकर सत्र के सुचारू संचालन के लिए पक्ष-विपक्ष के सदस्यों से सहयोग मांगेंगे.

मानसून सत्र का शेड्यूल

1 अगस्त 2025: राज्यपाल की सहमति प्राप्त विधेयक सदन के पटल पर रखे जायेंगे. और दिवंगत विभूतियों को याद किया जायेगा. **4 अगस्त 2025:** वित्तीय वर्ष 2025-26 का पहला अनुपूरक बजट पेश किया जायेगा.

5 अगस्त 2025: प्रश्नकाल, अनुपूरक बजट पर चर्चा.

6 अगस्त 2025: प्रश्नकाल, राजकीय विधेयक

7 अगस्त 2025: प्रश्नकाल, राजकीय विधेयक, गैर सरकारी संकल्प

कांग्रेस भवन में लगा जनता दरबार, मंत्री दीपिका पांडे सिंह के समक्ष जेएसएससी सफल छात्र सहित कई ने लगाई गुहार

रांचीः कांग्रेस केंद्रीय नेतृत्व के निर्देश पर एक बार फिर मासिक जनता दरबार लगाया गया. ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने इस दौरान लोगों की समस्याओं को सुना तथा उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देती दिखीं. कांग्रेस भवन में आयोजित इस जनता दरबार में मंत्री दीपिका पांडे सिंह के समक्ष लगभग 52 लोगों ने अपनी समस्याओं को रखा. इसमें प्रमुख रूप से सड़क निर्माण, नियुक्ति, मंईयां सम्मान योजना, जमीन संबंधी, अबुआ आवास, विभिन्न थानों से संबंधित मामले, आधार केंद्र में अवैध रूप से बहाली, स्थानांतरण, सेना बहाली, हजारीबाग में पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय के. बी. सहाय की क्षतिग्रस्त प्रतिमा के निर्माण तथा अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग से संबंधित आवेदन आए.

अधिकारियों को निर्देश दिए

फरियादियों की परेशानी को सुनने के बाद इसके समाधान की कोशिश करती मंत्री दिखीं. कई मामलों में अधिकारियों को फोन पर ही मंत्री द्वारा निर्देश दिए गए. जनता दरबार के दौरान दीपिका पांडे सिंह ने मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कहा कि जनता दरबार में सिर्फ सुनवाई नहीं होती बल्कि कार्रवाई भी होती है. उन्होंने बताया कि पिछले जनता दरबार में एक मामला आया था जिसमें हिंदपीढ़ी की इरम परवीन नामक महिला की तीन माह की बच्ची को पति द्वारा कश्मीर ले जाने का मामला आया था जिस पर रांची पुलिस से संज्ञान लेने का निर्देश दिया गया था, इस पर कार्रवाई करते हुए रांची पुलिस ने महिला को उसकी बच्ची को वापस दिलाया था. उन्होंने कहा कि जनता दरबार में कई मामले ऐसे आते हैं जिनका तत्काल निपटारा हो जाता है, कई मामले ऐसे भी होते हैं जो लंबी प्रक्रिया वाले होते हैं. उसकी त्वरित प्रक्रिया हेतु निर्देशित किया जाता है और उनकी निगरानी भी की जाती है.

जेएसएससी लैब टेक्नीशियन अभ्यर्थियों ने लगाई गुहार

जनता दरबार में जेएसएससी लैब टेक्निशियन अभ्यर्थी भी नियुक्ति के लिए गुहार लगाते देखे गए. उन्होंने मंत्री से शिकायत की है कि सभी प्रक्रियाएं पूरी होने के बावजूद नियुक्ति पत्र नहीं दिए जा रहे हैं. अभ्यर्थी उत्तम कुमार ने ईटीवी भारत से अपनी कठिनाई साझा करते हुए कहा कि सफल होने के बाद सभी प्रक्रिया पूरी हुए दो महीने हो चुके हैं, इसके बावजूद अब तक नियुक्ति पत्र नहीं मिला है.

उच्च शिक्षा में क्रांतिकारी बदलाव आएगा

इस मौके पर मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने कहा कि आज कई छात्रों के मामले ऐसे आए जिसमें जेएसएससी द्वारा ली गई अलग-अलग परीक्षाओं में अभ्यर्थी सफल हो गए लेकिन उनके प्रमाण पत्र का सत्यापन नहीं किया जा सका है. इस संबंध में निर्देशित किया जाएगा और यह जल्द हो, इसकी कोशिश की जाएगी.

1 अगस्त से बदल जाएंगे यूपीआई के कई नियम, बैलेंस चेक में लगेगी लिमिट

यूपीआई आधारित फाइनेंशियल ऐप्स का इस्तेमाल करने वाले यूजर्स के लिए 1 अगस्त 2025 से कुछ बड़े बदलाव होने जा रहे हैं। यूपीआई प्लेटफॉर्म्स को मैनेज करने वाली संस्था नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने सिस्टम को और बेहतर बनाने के लिए कुछ नए नियम लागू किए हैं। इनका मकसद डिजिटल पेमेंट्स को और तेज और सुचारू करना है, ताकि यूजर्स को किसी तरह की दिक्कत न हो। एनपीसीआई के मुताबिक, सिस्टम पर गैर-जरूरी ट्रैफिक को कम करने के लिए ये कदम उठाए गए हैं, जो कई बार ट्रांजैक्शन की स्पीड को प्रभावित करता है। एनपीसीआई ने पाया कि यूजर्स बार-बार बैलेंस चेक करने या लिंक्ड बैंक अकाउंट्स की जानकारी लेने जैसे नॉन-फाइनेंशियल रिक्वेस्ट्स के कारण सिस्टम पर दबाव बढ़ रहा है। इसे कम करने के लिए अब एक यूजर किसी भी यूपीआई ऐप पर दिन में अधिकतम 50 बार अपना बैंक बैलेंस चेक कर सकेगा। साथ ही, हर सफल ट्रांजैक्शन के बाद बैंक को अकाउंट में मौजूद बैलेंस को दिखाना अनिवार्य होगा, ताकि यूजर्स को बार-बार चेक करने की जरूरत न पड़े।

रांची में प्रतिबंधित मांस की हो रही है खुलेआम बिक्री, हाईकोर्ट ने डीजीपी से कार्रवाई के बाबत मांगा शपथ पत्र

रांचीः रांची निवासी श्यामानंद पांडेय द्वारा दायर की गयी जनहित याचिका पर सुनवाई हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. कोर्ट ने राज्य के डीजीपी को प्रतिबंधित मांस की बिक्री के विरुद्ध उठाए गए कदमों की जानकारी देने के संबंध में शपथ पत्र दायर करने का निर्देश दिया है. हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की खंडपीठ में इस मामले की सुनवाई हुई. प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता शुभम कटारुका ने बहस की. उन्होंने अपनी बहस में अदालत को यह बताया कि रांची एसएसपी की ओर से जो शपथपत्र दिया गया है. शपथपत्र में सिर्फ यह जानकारी दी गई है कि गौ तस्करी के मामले में कितनी प्राथमिकी दर्ज की गई है और क्या-क्या कार्रवाई की गई है. लेकिन अभी भी शहर में अवैध रूप से प्रतिबंधित मांस की बिक्री हो रही है. हाईकोर्ट अब इस जनहित याचिका पर चार सप्ताह बाद सुनवाई करेगा.

संक्षिप्त खबरें...

विधायक अमित कुमार यादव को फेयर प्राइस डीलर्स एसोसिएशन ने सौंपा मांग पत्र

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा विधायक अमित कुमार यादव को फेयर प्राइस डीलर्स एसोसिएशन ने अपनी मांगों को लेकर मांग पत्र सौंपा। एसोसिएशन के प्रखंड अध्यक्ष जागेश्वर यादव के नेतृत्व में डीलरों ने विधायक से मिलकर अपनी समस्याओं को रखा। जिसमें कहा कि राज्य के 25269 जनवितरण विक्रेताओं को वर्षों से कमीशन का भुगतान नहीं किया गया है।बताया की राज्य में गरीबी रेखा के लाभार्थियों के बीच प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना और झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना चलाने वाले जनवितरण विक्रेता भुखमरी के कगार पर आ गये हैं।हमलोगों को वर्ष 2025 जनवरी से लेकर अगस्त तक का कमिशन भुगतान नहीं किया गया है। कोरोना अवधि के कहीं तीन माह कहीं सात माह तक का कमीशन अभी तक नहीं दिया गया।सितंबर 2023, दिसंबर 2024 का भी राशि का अबतक नहीं मिला है। एसोसिएशन की मांगों में केंद्र और राज्य के खाद्यानों का समय पर वितरण करवाना, सर्वर इन्टरनेट के आभाव में ई केवाईसी करने का प्रशासनिक दबाव बनाना, लाइसेंस रद्द करने की धमकी देना, किसी किसी जिले में आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए झोंक देना, किसानों का डाटा तैयार करने में भी इन्हें जिम्मेदारी सौंपने को बंद करवाने को लेकर वर्तमान सत्र में हमारी मांगों को सरकार के समक्ष रखने की अपील किया।मौके पर डीलर राहुल कुमार गुप्ता, महेश्वर प्रसाद, सहदेव यादव, बालेश्वर रविदास इचाक, नंदलाल तिवारी, अनुप कुमार समेत अन्य कई लोग उपस्थित थे।

बड़कागाँव मुख्य चौक में गिरा बिजली का तार, टली बड़ी घटना

बड़कागांव(हज़ारीबाग)। बड़कागांव मुख्य चौक में सिन्हा पुस्तक भंडार , बादम बस स्टैंड के पास दिन के लगभग 1:00 बजे बिजली सप्लाई हो रही एल टी नंगा तार अचानक गिर गया। बिजली का तार गिरते ही जोरदार स्पार्किंग के साथ आग निकलने लगी। जिससे आसपास अफरा-तफरी मच गई. उक्त घटना दीपक खैनी फुट पाथ दुकान में बैठने वाली जगह पर हुई जिसमें बैठने वाली जगह बोरा स्पार्किंग के कारण जल गया. गलीमत थी कि घटना के समय दीपक थोड़ी देर के लिए अपनी गद्दी के सामने ही थोड़ी देर के लिए खड़ा था अन्यथा बड़ी दुर्घटना हो सकती थी. और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जिस स्थान पर तार गिरा वह स्थान भीड़ भाड़ वाला क्षेत्र है और उस स्थान पर बादम जाने वाली बस खड़ी होती है अगर वहां आज कोई बस खड़ी होती तो ,पूरे बस में करंट आ जाता और बहुत बड़ी घटना हो सकती थी. लेकिन ऊपर वाले का शुक्र है की तार किसी को नहीं छु सका. आज कि इस घटना से बिजली विभाग की लापरवाही , लचर व्यवस्था प्रदर्शित होती है। जर्जर तार के कारण कहीं भी कोई भी तार गिर सकता है और किसी की भी जान जा सकती है. बिजली विभाग राम भरोसे चल रहा है.

चार तल्ला मकान से गिर कर मजदूर हुआ घायल

बड़कागांव(हज़ारीबाग)। बड़कागांव हजारीबाग रोड स्थित एनटीपीसी कार्यालय के पास निर्माण हो रहे चार तल्ला मकान से मजदूर गिर कर घायल हो जाने का मामला सामने आया है। मामले को लेकर दिनेश साव ने बताया कि अभी उसकी हालत ठीक है इलाज के लिए हजारीबाग ले जाया गया है ,चिंता की कोई बात नहीं है कमर के पास थोड़ी चोट लगी हुई है।

आजाद जागृति छात्र संघ ने बुढ़वा महादेव मंदिर परिसर में चलाया स्वच्छता अभियान

बड़कागांव(हज़ारीबाग)।महुदी पहाड़ स्थित बुढ़वा महादेव का मंदिर में तीसरी सोमवारी के दिन श्रद्धालुओं की भारी संख्या में भीड़ देखी गई । जिसे लेकर आजाद जागृति छात्र संघ ने 29 जुलाई मंगलवार को बुढ़वा महादेव मंदिर परिसर में सफाई अभियान चलाया। प्रत्येक सोमवारी को भारी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं जिसके कारण स्वच्छता पर विशेष असर पड़ रहा है। दूसरे दिन मंगलवार को आजाद जागृति छात्र संघ के द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया । मौके पर बड़कागांव उप प्रमुख वचन देव कुमार भी सफाई अभियान में भाग लिए, और लोगों का हौसला बढ़ाया । वहीं संघ के सदस्यों ने मंदिर प्रांगण में प्रबंधन समिति से शौचालय एवं कूड़ेदान की मांग की है।सफाई अभियान कार्यक्रम में मुख्य रूप से उप प्रमुख वचन देव कुमार टीम के अध्यक्ष भादेश्वर प्रसाद मेहता, सचिव विनोद प्रसाद, कोषाध्यक्ष पुरुषोत्तम कुमार, सदस्य-शिबू सोनी, श्रवण सोनी, भुगेश्वर प्रसाद, कुंज बिहारी कुमार, अनुज कुमार, संजीवन कुमार,नितिन राज, जितेंद्र कुमार,निलेश कुमार, पवन कुमार,मिथिलेश सोनी, कुंदन कुमार, प्रवेश कुमार,पिंटू गुप्ता, इंग्लिश सोनी, वअन्य उपस्थित थे।

पेयजल एवं स्वचछता विभाग के निर्देशानुसार जल सहिया संघ की हुई बैठक

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड मुख्यालय के सभागार में पेयजल एवं स्वचछता विभाग के निंदेशानुसार जल सहिया संघ की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता संघ की प्रखंड अध्यक्ष रेखा देवी ने किया। बैठक का मुख्य उद्देशय स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 के अंतर्गत नागरिको को अधिक से अधिक सिटिजन फिडबैक करवाना है। रेखा देवी ने कहा बरसात के मौसम में सभी लोगों को स्वचछता पर ध्यान देना चाहिए ताकि बीमारीयों से बचाव हो और लोग स्वस्थ रहें।ब्लॉक कॉडिनेटर मुकेश कुमार ने सभी दीदी से फीडबैक कराने का आग्रह किया।इस अभियान में प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों कि जलसहियों ने भाग लेकर अपने मोबाईल फोन के माध्यम से फीडबैक दर्ज कराया।बैठक में जलसहिया दीदी ने निर्णय लिया कि अपने अपने पंचायतों कि रैंकिंग को बेहतर करने के लिए अधिक से अधिक लोगो का फिडबैक प्रत्येक जलसहिया को कराना है. इस अवसर पर बैठक में सुनैयना देवी, सोमा कुमारी गुप्ता, दुलारी कुमारी, सुनीता देवी, अजमेरी खातुन, संगीता शर्मा, कौशल्या देवी, बबीता देवी, अनीसा हेम्ब्रम,मोनीका देवी, पिंकी देवी,सोनीका कुमारी,ललीता देवी,मंजु देवी समेत अन्य कई जलसहिया मौजूद रही।

देवघर में सड़क हादसा, ट्रक ने कार को मारी टक्कर, 6 कांवरिया घायल

देवघरः देवघर में मंगलवार को एक और सड़क हादसा हुआ. शहर के बसुआडीह चौक पर ट्रक व कार में टक्कर हो गई. इस हादसे में कार पर सवार छह कांवरिया घायल हो गए. सभी उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के रहने वाले हैं. मिली जानकारी के अनुसार, देवरिया से 6 लोग कार से पूजा करने बाबाधाम आए थे. देवघर पहुंचकर सभी ने बाबाधाम में पूजा-अर्चना की. फिर वे कार से ही

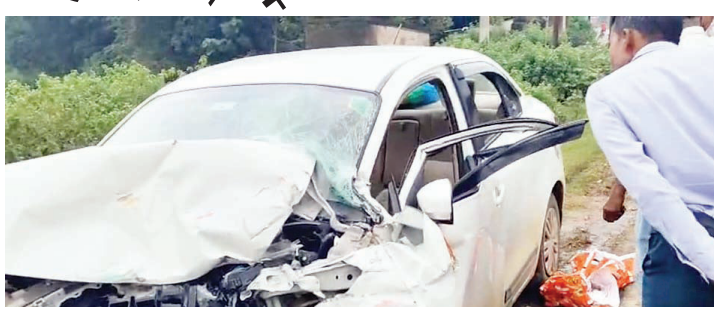

बासुकीनाथ धाम गए. वहां पूजा करने के बाद वे देवरिया के लिए रवाना हो गए. जैसे ही उनकी कार देवघर शहर के बसुआडीह चौक पहुंची, सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक से टकरा गई. गनीमत थी कि इस हादसे में किसी की जान नहीं गई. ट्रक की टक्कर में कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया. समय रहते एयर बैग खुल जाने से कार चालक और आगे बैठे श्रद्धालुओं को ही गंभीर चोटें आईं. कार में सवार अन्य श्रद्धालुओं को मामूली चोटें आईं हैं. स्थानीय लोगों ने घायल 6 श्रद्धालुओं को पास के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया. जहां सभी का इलाज चल रहा है. जसीडीह थाना पुलिस मामले की जांच में जुट गई है. कार पर देवरिया जिले के अजय पटेल, प्रदीप यादव, उपेंद्र प्रताप सिंह, मनोज पटेल, प्रदीप राय और संदीप सवार थे.

नागपंचमी के मौके पर कधवन बक्स बाबा धाम पर लगा भव्य वार्षिक मेला, श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

संवाददाता विश्रामपुर (पलामू) : विश्रामपुर प्रखंड अंतर्गत कधवन गांव स्थित बक्स बाबा धाम परिसर में नागपंचमी के दिन भव्य वार्षिक मेला लगा। मेला में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। अहले सुबह से ही पूजा अर्चना का दौर शुरू हो गया था। जो सारा दिन चलता रहा। मंदिर का परिक्रमा कर श्रद्धालु नाग बाबा को दूध व लावा का भोग लगवाते रहे। बक्स बाबा और लक्ष्मणिया फुआ के जयकारे से पूरा धाम परिसर गुंजमान रहा। आयोजन कमिटी द्वारा धाम परिसर में भजन कीर्तन और भंडारा के अलावा कई तरह के धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया था। आपको बताते चले कि कधवन का बक्स बाबा धाम स्थानीय लोगो के आस्था के प्रतीक है। बक्स बाबा धाम में नाग बाब का मंदिर है। मान्यता है कि किसी भी

विषैले जीव-जंतु के काटने के बाद यहां आकर पूजा-अर्चना करने से व्यक्ति ठीक हो जाता है। यहां प्रत्येक वर्ष नागपंचमी के अवसर पर वार्षिक मेला लगता है। इस मेला में दूर-दूर से श्रद्धालु आते है। नाग पंचमी के दिन आस-पास के दर्जनों गांव के लोग नमक का सेवन नही करते। नाग पंचमी के दिन लोग सिर्फ मीठा भोजन व फल खाते है। सबसे बड़ी बात यह है कि बक्स बाबा को मानने वालो में हिन्दू ही नही आस-पास गांव के मुस्लिम समुदाय के लोग भी शामिल है। नाग बाबा पर सिर्फ दूध व लावा चढ़ाया जाता है। जिनकी मन्नत पूरी होती है वे मंदिर परिसर में भगवा झंडा लगाते है। बक्स बाबा धाम के पुजारी ने बताया कि जो भी व्यक्ति सच्चे मन से नाग बाबा की पूजा कर मनोकामना मांगता है वह अवश्य पूर्ण होता है।

बरकट्ठा से बाबा नगरी देवघर के लिए कांवरियों का जत्था हुआ रवाना

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बाबा नगरी देवघर के लिए बरकट्ठा से कांवरियों का जत्था मंगलवार को रवाना हुआ। नवयुवकों के जत्थे में करीब 40 मोटरसाइकिल पर सवार श्रद्धालु बरकट्ठा में विभिन्न मंदिरों में पूजा अर्चना कर निकलें।जत्था सुल्तानगंज से जल उठाकर बाबा धाम देवघर, बासुकीनाथ, त्रिकुट, तपोवन, नौलाखा मंदिर का दर्शन कर वापस लौटेंगे।श्रद्धालुओं का जत्था अजय मोदी के नेतृत्व में बाबा नगरी गए।जिसमें अनील कुमार वर्णवाल, बिनोद वर्णवाल रामचंद्र ठाकुर, दीपक ठाकुर, संदीप कुमार, जागेश्वर रंजक, रोहन कुमार, सतीश मोदी, सुमन ठाकुर, मुकेश ठाकुर, संदीप मोदी, धानेश्वर राम, राजेश साव, गणेश नायक, लक्ष्मण तुरी, मनोज पासवान, निर्मल साव, संजय मोदी, विनय मोदी, मनीष मोदी, मोहन पंडित समेत अन्य कई लोग शामिल हैं।

माओवादी जोनल कमांडर मनोहर गंझू के घर पुलिस ने चिपकाया इश्तेहार

लातेहारः लातेहार पुलिस ने भाकपा माओवादी जोनल कमांडर मनोहर गंझू के घर पर मंगलवार को इश्तेहार चिपकाया. पुलिस ने उस पर दस लाख रुपए का इनाम घोषित किया है. मनोहर गंझू (पिता विलास्पति गंझू) बालूमाथ थाना क्षेत्र के टेमराबर, बसिया गांव का रहने वाला है. बालूमाथ थाना पुलिस ने टेमराबर, बसिया पहुंचकर उसके घर पर कोर्ट से जारी इश्तेहार चिपकाया. थाना प्रभारी अमरेंद्र कुमार ने बताया कि मनोहर गंझू बालूमाथ थाना के कांड संख्या 108/ 24 का अभियुक्त है. अगर उसने न्यायालय द्वारा दिए गए समय के भीतर सरेंडर नहीं किया, तो उसके घर की कुर्की-जब्ती की जाएगी. इस कांड में माओवादी जोनल कमांडर पर हत्या करने का आरोप है.

उपायुक्त के जनता दरबार में सुनी गईं आमजनों की समस्याएं,मौके पर दिए गए समाधान के निर्देश

हज़ारीबाग। हज़ारीबाग जिला समाहरणालय परिसर में उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में आयोजित जनता दरबार में बड़ी संख्या में ग्रामीण अपनी समस्याएं लेकर उपस्थित हुए। उपायुक्त ने सभी की बातों को गंभीरतापूर्वक सुना तथा संबंधित पदाधिकारियों को तत्काल मामले के निष्पादन के निर्देश दिए। कई गंभीर मामलों में उपायुक्त ने दूरभाष के माध्यम से अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए।जनता दरबार के दौरान प्राप्त शिकायतों में पेंशन स्वीकृति, राशन कार्ड में त्रुटि,आवास, पंजी 2 में छेड़छाड़,सड़क निर्माण, विद्युत आपूर्ति,भूमि विवाद, पारिवारिक

विवाद, नौकरी, मुआवजा एवं चिकित्सा सुविधा से संबंधित मामले प्रमुख रूप से सामने आए। उपायुक्त ने सभी मामलों को संवेदनशीलता से सुनते हुए संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को निर्धारित समयसीमा के भीतर समाधान सुनिश्चित करने को कहा।इस मौके पर उपायुक्त ने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य आम जनता की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान करना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करें।

एसीबी ने रोजगार सेवक को घूस लेते रंगे हाथ किया गिरफ्तार

लातेहारः एसीबी पलामू की टीम ने लातेहार जिले में बड़ी कारवाई की है. एसीबी ने जिले के मनिका प्रखंड की बरवैया पंचायत के रोजगार सेवक चंदन कुमार को पांच हजार रुपए घूस लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है. गिरफ्तारी के बाद एसीबी की टीम उसे पलामू ले जाकर आगे की कार्रवाई में जुट गई है.

पीसीसी रोड बन कर तैयार लेकिन मिट्टी प्लिंथ नहीं होने से हो रही है दुर्घटनाएं

बड़कागांव(हज़ारीबाग)। बड़कागांव प्रखंड के डाड़ीकलां पंचायत के डाड़ीकलां मोड़ से चेपाखुर्द तक पीसीसी पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य किया गया। जिसका शिलान्यास बड़कागांव विधायक रोशनलाल चौधरी ने बीते 5 मई को किया। लेकिन विभागीय अभियंताओं और संवेदकों की मिलीभगत से इस योजना का मजाक उड़ रहा है। डाड़ीकलां मोड़ में झारखंड सरकार ग्रामीण कार्य विभाग, प्रमंडल हजारीबाग, प्रखंड बड़कागांव डाड़ी मोड से मंझली डाड़ी तक पथ सुदृढ़ीकरण का बोर्ड लगाया गया है। जिसमें साफ लिखा हुआ है कि डाड़ी मोड़ से मंझली डाड़ी के लिए स्वीकृत है। लेकिन वास्तव में सड़क का निर्माण कहीं और कराया गया है। विभाग की इस मनमानी से स्थानीय ग्रामीण हैरान हैं। सड़क का सुदृढ़ीकरण डाड़ी कलां मोड़ से चेपाखुर्द तक कराई गई है। हैरानी की बात यह है कि डाड़ी कलां से मंझली डाड़ी को जोड़ने के लिए कोई सड़क है ही नहीं जिसका शिला पट्ट में उल्लेख है। अब सवाल यह है की इस सड़क से किसको फायदा होने वाला है जबकि डाड़ी कलां पंचायत के मंझली डाड़ी एवं उपरैली डाड़ी एनटीपीसी के पंकरी बरवाडीह कोल् खनन परियोजना के कारण विस्थापित हो चुका है वहीं बचे हुए गांव को भी पूर्ण रूप से विस्थापित होना है। वहीं इस पीसीसी पथ का सुदृढ़ीकरण दो महिना पहले किया गया है लेकिन अभी तक पीसीसी

के बगल में मिट्टी प्लिंथ अभी तक नहीं किया गया है। जिसके कारण आने-जाने में ग्रामीणों को परेशानी झेलना पड़ रहा है ,दुर्घटनाएं हो रही हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पीसीसी के बगल में मिट्टी जल्द से जल्द भरा जाए ताकि परेशानी नहीं हो और दुर्घटना होने से रोका जा सके।

कुख्यात वाहन चोर 'मिरिंडा' गिरफ्तार, दो बाइक बरामद

धनबादः धनबाद के बैंकमोड़ थाना क्षेत्र स्थित हारमोनी हाइट्स अपार्टमेंट के पास से चोरी हुई बाइक के मामले में पुलिस को सफलता हाथ लगी है. डीएसपी (विधि-व्यवस्था) के नेतृत्व में पुलिस की विशेष टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर कुख्यात वाहन चोर अभिषेक कुमार शर्मा उर्फ मिरिंडा को गिरफ्तार किया है. यह जानकारी डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर नौशाद आलम ने मंगलवार को प्रेसवार्ता में दी. अभिषेक शक्ति मंदिर के पास सीता निवास का रहने वाला है. पूछताछ में उसने अपना अपराध स्वीकार किया है. उसकी निशानदेही पर पुलिस न

सिर्फ चोरी हुई होंडा शाइन बाइक, बल्कि एक और बाइक (पैशन प्रो) भी बरामद की है, जो 25 जुलाई को शक्ति मंदिर के पास से चोरी हुई थी. गांधीनगर निवासी आकाश महतो ने 26 जुलाई को चोरी गई अपनी बाइक के संबंध में धनसार थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी. पुलिस की जांच में यह बात सामने आई कि अभिषेक उर्फ मिरिंडा पर पहले से ही धनसार, बैंकमोड़ और रेल थाना में चोरी सहित कुल आठ आपराधिक मामले दर्ज हैं. पुलिस उससे गिरोह के बारे में गहन पूछताछ कर रही है.

कोलेबिरा विधायक को क्यूआर कोड भेज साइबर ठगी का प्रयास

सिमडेगाः साइबर ठगों ने कोलेबिरा के कांग्रेस विधायक नमन विक्सल कोंगाड़ी को झांसे में लेकर ठगी का प्रयास किया है. ठगों ने कोलेबिरा विधानसभा क्षेत्र के एक मरीज (जो जिंदा है) की मृत्यु की झूठी खबर फैलाकर उसका शव लाने के नाम पर विधायक कोंगाड़ी के मोबाइल

पर क्यूआर कोड भेज कर ठगी का प्रयास किया. विधायक के मोबाइल पर भेजे मैसेज में ठगों ने कहा कि रांची के अस्पताल में भर्ती उक्त मरीज की मौत हो गई है. उसका शव लाने के लिए क्यूआर कोड भेजकर आर्थिक मदद मांगी. जबकि उक्त मरीज जिंदा है. विधायक कोंगड़ी ने क्षेत्र के लोगों से अपील की है कि डिजिटल लेनदेन में छानबीन कर ही भुगतान करें. ऐसे मामलों में हमेशा सतर्क रहें.

ट्रांसफार्मर एवं 11000 वोल्ट तार को साईड करवाने को लेकर उपायुक्त को दिया आवेदन

बड़कागांव(हज़ारीबाग)। बड़कागांव प्रखंड के सिरमा पंचायत अंतर्गत ग्राम छवनिया में लगे हुए ट्रांसफार्मर एवं 11000 वोल्ट तार को हटाने को लेकर हजारीबाग उपायुक्त को आवेदन दिया गया है।आवेदन के द्वारा लिखकर अपील करते हुए उपायुक्त को जानकारी दी गई है की अंजुमन कमेटी छवनिया के द्वारा ग्राम स्तर पर 22 अगस्त 2022 को बैठक कर निर्णय लिया गया की ट्रांसफार्मर एवं 11000 वोल्ट बिजली के तार को हटाकर 100 मीटर पीछे करवानी है।मामले को लेकर विद्युत कार्यपालक अभियंता हजारीबाग एवं सहायक अभियंता को 25 अगस्त 2022 आवेदन दिया गया था।करीब 3 वर्ष पूर्ण होने को चला पर इसमें किसी भी तरह का कोई कार्य अब तक नहीं हो पाया।सिर्फ और सिर्फ बिजली विभाग के अधिकारियों के द्वारा आश्वासन ही मिलता रहा। आगे बताया गया है कि जिस स्थान में ट्रांसफार्मर है उसके नजदीक में कई लोगों के घर का छत के ऊपर से 11000 वोल्ट का तार गुजरा है।तीन लोगों की घटनास्थल पर हो चुकी है मौत ग्राम सदर मोहम्मद अफवान ने बताया कि आवेदन के माध्यम से यह भी कहा गया है कि ग्राम छवनिया में 11000 वोल्ट के तार की वजह से बारह रवि अव्वल त्योहार के जुलूस के मौके पर तीन लोगों की मौत घटनास्थल पर ही हो चुकी है।और 6 लोग घायल भी हुए थे। इसकी जानकारी बिजली विभाग के सभी

अधिकारी को है।जिस समय यह घटना हुई थी।उस समय सभी अधिकारी ने वादा किया था कि गांव में जितने भी घर के सामने 11000 वोल्ट बिजली का तार है।सभी को हटाकर साइड में किया जाएगा।लेकिन अब तक इस पर कोई भी कार्रवाई नहीं हुई।जिसे पूरे गांव के लोग डरे हुए हैं।मामले को लेकर उपायुक्त हजारीबाग से जान माल के नुकसान नहीं होने से पहले इस बिजली के ट्रांसफार्मर एवं 11000 वोल्ट बिजली के तार को लगभग 100 मीटर की दूरी खाली जमीन पर लगवाने की अपील की गई है।ताकि गांव के लोग सुरक्षित महसूस कर सके।मांग करने वालों में मुख्य रूप से सदर मोहम्मद अफवान,पूर्व सदर मो. अमानत ,सेक्रेटरी मो. निजाम, मो. मनोव्वर , मो. नौशाद , मो. अरमान, मो. महताब,मो. सऊद ,मो. जमरूद्दीन ,मो. यूनुस,मो. हकीम,मो. मिंटू, मो. जमीर,मो. नसरुल ,मो. वजाहत,मो. छोटे ,मो. तौहीद एवं मो. लाल मोहम्मद सहित सभी ग्रामीणों ने मांग किया है।

झारखण्ड सरकार
जिला मत्स्य कार्यालय, खूँटी

लाईफ जैकेट एवं जलाशय मछुआरों को आई काई योजना से संबंधित सूचना

झारखण्ड सरकार, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (मत्स्य प्रभाग) के राज्यादेश संख्या–11रा(वि0), दिनांक–04.07.2025(मत्स्य प्रसार, अनुसंधान एवं प्रशिक्षण योजना, वित्तीय वर्ष 2025–26) द्वारा जिला–खूँटी के केज मत्स्य पालकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एक लाईफ जैकेट प्रति लाभुक अनुदान पर उपलब्ध कराये जाने तथा जलाशय में मत्स्य शिकारमाही करने वाले मछुआरों (बिरसा मत्स्य किसान) को आईडेन्टिटी कार्ड उपलब्ध कराये जाने का भौतिक लक्ष्य प्राप्त है। योजनाओं हेतु आवेदन प्रपत्र/आवेदन का प्रारूप जिला मत्स्य कार्यालय, खूँटी से निःशुल्क प्राप्त किया जा सकता है। सभी वांछित कागजातों के साथ प्राप्त आवेदन ही चयन प्रकिया में सम्मिलित किये जायेंगे। दिनांक– **18.08.2025** तक कार्यालय अवधि में जिला मत्स्य कार्यालय, खूँटी में विहित प्रपत्र में आवेदन जमा करना होगा। आवश्यकतानुसार Blockchain Platform में ऑनलाईन आवेदन भी करना होगा। योजना की विस्तृत जानकारी जिला मत्स्य कार्यालय, खूँटी से प्राप्त की जा सकती है।

योजना/अनुदान की विवरणी निम्नलिखित हैः–

क०	योजना का नाम	इकाई	लक्ष्य	राज्य सरकार का अनुदान	लाभुक अंशदान	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7
1	केज मत्स्य पालकों को लाईफ जैकेट	संख्या में	20	इकाई लागत मो० 2420/– रु० प्रति लाईफ जैकेट का 75 प्रतिशत अर्थात् 1815/– रु० मात्र प्रति लाईफ जैकेट	लागत की शेष 25 प्रतिशत राशि अर्थात् मो० 605/– रु० मात्र प्रति लाईफ जैकेट	वैसे केज लाभुक जिनके द्वारा वर्त्तमान में मछली पालन किया जा रहा है तथा अंशदान लगाने की लिखित सहमति देते हैं योजना के लिए आवेदन कर सकते हैं। लाभुक को विगत वर्षों का केज में मछली उत्पादन का ऑकड़ा आवेदन के साथ संलग्न करना होगा।
2	जलाशय स्तरीय मछुआरों (बिरसा मत्स्य किसान) के लिए आईडेन्टिटी कार्ड (डेटा सहित)	संख्या में	20	पूर्ण अनुदान	Nil	जलाशय स्तरीय मछुआरों को अपना डेटा विहित प्रपत्र में उपलब्ध कराना होगा।

लाभुकों का चयन जिला स्तरीय सुरक्षित जमा निर्धारण समिति द्वारा किया जाएगा। सामग्री क्रय का भौतिक सत्यापन कराना होगा एवं GST अभिश्रव कार्यालय में प्रस्तुत करने पर अनुदान की राशि लाभुक के बैंक खाता में डी०बी०टी० के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा।

जिला मत्स्य पदाधिकारी
खूँटी

PR 358461 Fish(25-26)#D

संक्षिप्त खबरें

श्री श्री यूनिवर्सिटी के साथ डिएडिवि का समझौता

संवाददाता रांचीः ओड़िशा के कटकस्थित श्री श्री यूनिवर्सिटी ने भविष्य के लिए तैयार शिक्षा को बढ़ावा देने और अकादमिक-उद्योग समन्वय को मजबूत करने के लिए डिएडिवि इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (जर्मन अकादमी ऑफ डिजिटल एजुकेशन) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयु) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस सहयोग को चिह्नित करने के लिए हाल हि में "इंजीनियरिंग उत्कृष्टता की खोज" शीर्षक एक सेमिनार आयोजन किया गया, जिसमें बि.टैक्, बि.एससी, बिसिए और एमसिए स्ट्रीम्स के 120 से अधिक विद्यार्थीओं ने भाग लिया। अपने उद्घाटन भाषण में, इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय के डीन प्रो. (डॉ.) रबिनारायण सतपथी ने 5जि. आईओटी, हाइड्रोजन टेक्नोलॉजी और सौर ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में वैश्विक उद्योग की आवश्यकताओं के साथ शैक्षणिक ज्ञान को जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। डिएडिवि के प्रबंध निदेशक अमित दास ने बताया कि यह साझेदारी छात्रों को मांग में रहने वाले कौशलों और अंतरराष्ट्रीय करियर की राहों, विशेष रूप से जर्मनी में उच्च शिक्षा के अवसरों से जोड़ने का कार्य करेगी।

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी मेमोरियल अवार्ड 2025 से सम्मानित हुए चन्द्रेश बजाज

संवाददाता रांचीः शाकंबरी बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड, रांची के निदेशक पवन बजाज के पुत्र चन्द्रेश बजाज को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी मेमोरियल अवार्ड 2025 से मुंबई के प्रतिष्ठित ताज होटल में सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व केंद्रीय मंत्री तथा वर्तमान सांसद नारायण राणे तथा बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद ने प्रदान किया। यह प्रतिष्ठित सम्मान बिहार और झारखंड में शाकंबरी ग्रुप द्वारा रियल एस्टेट क्षेत्र में किए गए विश्वसनीय और उल्लेखनीय कार्य तथा उत्कृष्ट शुद्ध शाकाहारी भोजन उपलब्ध कराने वाली रमादा होटल की रांची शाखा के सफल संचालन के लिए दिया गया। गौरतलब है कि रमादा की विश्वभर में 9000 से अधिक शाखाएं हैं, परंतु रांची स्थित रमादा होटल, जिसे पवन बजाज ने स्थापित किया है, झारखंड का पहला पूर्णतः शाकाहारी रमादा होटल है, जो अपनी गुणवत्ता, स्वाद और सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध है।

हेमंत सरकार ने किया राज्यपाल के अधिकारों पर प्रहार :सुदेश महतो, केंद्रीय अध्यक्ष आजसू

रांचीः आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो ने कहा है कि हेमंत सरकार की प्राथमिकता शिक्षा में गुणात्मक सुधार करने की नहीं है, बल्कि राजनीतिक स्वार्थ के लिए राज्यपाल के अधिकारों पर प्रहार करना है। यह लोकतांत्रिक परंपराओं और संविधान की मूल भावना का अपमान है। सुदेश ने यह बातें मंगलवार को पार्टी कार्यालय में आजसू छात्र संघ की ओर से आयोजित मिलन समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार ने युवाओं और छात्रों को ठगा है। राज्य में बेरोजगारी चरम पर है, नौकरियां सिर्फ कागजों पर हैं। सरकार की प्राथमिकता शराब की दुकानों का समय तय करना रह गया है। उन्होंने कहा कि कुलपति का चयन अब सरकार करेगी, जो युवाओं के अधिकारों पर कुठाराघात है। इससे पूर्व जनजातीय सलाहकार परिषद के मामले में भी राज्यपाल के अधिकारों की कटौती की गई है, जबकि लोकतांत्रिक व्यवस्था में संविधान ने राज्यपाल को कुछ मामलों में विशेषाधिकार प्रदान किया है। सुदेश ने कहा कि राज्य में स्थानीय नीति और नियोजन नीति के नाम पर झूठे वादों से जनता को गुमराह किया गया। भर्ती प्रक्रिया हो या नियुक्ति कैलेंडर, हर मोर्चे पर यह सरकार पूरी तरह विफल साबित हुई है। तीन महीने में कोई राशि नहीं खर्च नहीं की गई है और न ही योजनाओं पर कोई अमल किया जा रहा है। वहीं कार्यक्रम में झारखंड छात्र मोर्चा के प्रताप सिंह के नेतृत्व में रांची, बोकारो, देवघर, चतरा और गिरिडीह जिलों से कई छात्रों ने आजसू की सदस्यता ली। मौके पर पार्टी के दीपक महतो, संजय मेहता, बसंत महतो, कुमुद वर्मा, परवाज खान, ऋतुराज शाहदेव, ओम वर्मा, ज्योत्सना केरकेट्टा सहित अन्य उपस्थित थे।

श्री कृष्ण बीतक कथाः गुरु शिष्य का आध्यात्म संगम

संवाददाता रांचीः श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट के तत्वाधान में संत शिरोमणि स्वामी सदानंद जी महाराज के सानिध्य में श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर पुंदाग रांची मे आयोजित पांच दिवसीय संगीतमय श्री कृष्ण बीतक कथा के तीसरे दिन का आयोजन अत्यंत श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध कथा वाचिका विदुषी साध्वी मीणा महाराज एवं विदुषी पूर्णा महाराज ने भक्तों को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। तीसरे दिन की कथा मे विदुषी साध्वी मीणा महाराज ने कही की देवचन्द्र महाराज को श्री कृष्ण जी दर्शन देकर कहा था कि "देवचन्द्र जी सब देवन के देव और सम्पूर्ण इष्टों के इष्ट हैं।" यह सुनकर स्वामी हरिदास जी देवचन्द्र जी के पैरों पर गिर पड़े और स्वामी जी के मन में देवचन्द्र जी के प्रति पूज्य भाव जाग्रत हुआ।उनका राधिका जी के प्रति अटूट वात्सल्य प्रेम था। सौभाग्यवश इस ब्रह्माण्ड में भी आप गुरु हुए और शिक्षा-दीक्षा से देवचन्द्र जी को सन्तुष्ट किया। इसी पुण्य प्रताप के कारण बालमुकुन्द जी ने आपको साक्षात् दर्शन देकर कहा- तू सेवक याको जाने, जो तू याको नाहिं पहचानें। तू लाग चरण जा वाकें, तू हो सेवक जाये ताके।

देवघर में कावड़ियों की मौत अत्यंत दुखदः आरजेडी

राष्ट्रीय जनता दल

संवाददाता रांचीः झारखंड प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के मुख्य प्रवक्ता डॉ मनोज कुमार ने कहा कि झारखण्ड के देवघर जिले में कावड़िया से भरे बस में टक्कर हो जाने से 18 कावड़ियों की मौत हो गई जो अत्यंत दुखद, हृदय विदारक और मर्माहत करने वाली घटना है जो असहनीय घटना है राष्ट्रीय जनता दल परिवार सभी के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करती है। भोलेनाथ से प्रार्थना है कि सभी आत्माओं को शांति प्रदान करें और मृत परिवार को दुख सहन करने कि शक्ति प्रदान करें तथा घायल कावड़ियों के लिए प्रार्थना है कि वह जल्द से जल्द ठीक हों। झारखण्ड प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के मुख्य प्रवक्ता डॉ मनोज कुमार ने राज्य सरकार से मांग करती है कि इस हादसे में हताहत हुए परिवार को उचित मुआवजा मिलें और घायलों को समुचित और उचित इलाज करने कि व्यवस्था झारखण्ड सरकार करें।

राष्ट्रपति के दौरे को लेकर झारखंड पुलिस अलर्ट

रांची की यातायात व्यवस्था में होगा बदलाव

रांचीः राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 31 जुलाई से दो दिवसीय दौरे पर झारखंड आ रही हैं। इस दौरान वे देवघर और धनबाद में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होंगी। राष्ट्रपति के दौरे को देखते हुए झारखंड पुलिस की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। राष्ट्रपति के दौरे को लेकर रांची, धनबाद और देवघर जिले की पुलिस अलर्ट पर है। इन तीनों जिलों में सुरक्षा के व्यापक बंदोबस्त किए जा रहे हैं। सुरक्षाबलों की तैनाती की जा रही है। राष्ट्रपति के दौरे को लेकर रांची पुलिस ने भी ट्रैफिक व्यवस्था में व्यापक बदलाव किए हैं।

यातायात व्यवस्था में बदलाव

31 जुलाई को रांची में इस प्रकार रहेगी यातायात व्यवस्था

- सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक पूरे शहर में भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।
- शाम 3 बजे से रात 8 बजे तक शहर में छोटे मालवाहक वाहनों पर भी रोक रहेगी।
- शाम 4 बजे से 7 बजे तक, कांके, रातु, काठीटांड, कटहल मोड़ जाने वाले वाहन मेन रोड,लालपुर रोड,कांटाटोली फ्लाई ओवर, बुटी मोड़ होते हुए रिंग रोड से अपने गंतव्य तक जा सकेंगे।
- कांके रोड, रातु रोड, कटहल मोड़,काठीटांड की ओर से आने वाले वाहन भी कांके रिंग रोड, बोडेया रोड, बुटी मोड़, कांटाटोली फ्लाई ओवर होते हुए शहर में प्रवेश कर सकेंगे।
- शाम चार बजे से सात बजे तक एयरपोर्ट रोड, हिनू चौक, बिरसा चौक, अरगोड़ा चौक, सहजानंद चौक, बाईपास रोड (किशोरगंज चौक), न्यू मार्केट चौक, हॉटलिप्स चौक, और राजभवन मोड़ तक की सड़कों का कम से कम उपयोग करें।
- अरगोड़ा चौक से हॉटलिप्स चौक तक ऑटो और टोटो प्रतिबंधित रहेंगे।
- आवश्यकतानुसार अन्य मार्गों को भी थोड़े समय के लिए डायवर्ट या रोका जा सकता है।

एक अगस्त को रांची में ऐसी रहेगी यातायात व्यवस्था

- सुबह 6 बजे से रात 9 बजे तक शहर में भारी वाहनों का प्रवेश और परिचालन वर्जित रहेगा।
- सुबह सात बजे से 11 बजे तक शहर में छोटे मालवाहक वाहनों पर प्रतिबंध रहेगा।
- कांके रोड, रातु रोड, कटहल मोड़, काठीटांड की ओर से आने वाले वाहन भी कांके रिंग रोड, बोडेया रोड, बुटी मोड़, कांटाटोली फ्लाई ओवर होते हुए शहर में प्रवेश कर सकेंगे।
- शाम चार बजे से रात सात बजे तक एयरपोर्ट रोड, हिनू चौक, बिरसा चौक, अरगोड़ा चौक, सहजानंद चौक, बाईपास रोड (किशोरगंज चौक), न्यू मार्केट चौक, हॉटलिप्स चौक और राजभवन मोड़ तक की सड़कों का कम से कम उपयोग करने की सलाह दी गयी है।
- अरगोड़ा चौक से हॉटलिप्स चौक तक ऑटो और टोटो प्रतिबंधित रहेंगे।
- आवश्यकतानुसार अन्य मार्गों को भी थोड़े समय के लिए डायवर्ट या रोका जा सकता है।

एयरपोर्ट जाने वालों के लिए विशेष निर्देश

- 31 जुलाई को जिन यात्रियों की फ्लाइट शाम में 5 बजे से 6:30 बजे के बीच है, उन्हें शाम 4:30 बजे तक एयरपोर्ट पहुंचने की सलाह दी गयी है।
- 1 अगस्त को जिनकी फ्लाइट 8 से 10 बजे के बीच है, वे सुबह 7:30 बजे तक एयरपोर्ट पहुंच जाएं।
- देवघर एम्स और धनबाद आईआईटी-आईएसएम के दीक्षांत समारोह में होंगी शामिल
- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के यात्रा कार्यक्रम के अनुसार, वे 31 जुलाई को रांची आयेंगी। रांची के राजभवन में राष्ट्रपति रात्रि विश्राम करेंगी।
- इसके बाद एक अगस्त को देवघर एम्स के पहले दीक्षांत समारोह में शिरकत करेंगी। इसके अलावा धनबाद में 99 साल पुराने आईआईटी इंडियन स्कूल ऑफ माइंस (आईएसएम) के 45वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगी।

आदित्य विक्रम जयसवाल नई दिल्ली में सांसद डॉ शशि थरूर से किया मुलाकात

संवाददाता रांचीः आदित्य विक्रम जयसवाल नई दिल्ली में सांसद डॉ शशि थरूर के द्वारा मानसून सेशन के दौरान उनके आवास पर आयोजित हाई प्रोफाइल मैंगो एवं चाट पार्टी में शामिल हुए। इस मौके पर कई विशिष्ट अतिथिगण, सांसद, डिप्लोमेट, ब्यूरोक्रेट्स, पत्रकार बंधु तथा कई नेतागण मौजूद थे।

आदित्य विक्रम जयसवाल ने बताया कि माननीय सांसद डॉ शशि थरूर जी से मिलकर हमेशा राजनीति के क्षेत्र में कुछ नया सीखने को मिलता है। उनके द्वारा आयोजित इस हाई प्रोफाइल मैंगो व चाट पार्टी में शामिल होना गौरवपूर्ण और आत्मीय था। जहाँ पार्टी में कई माननीय सांसद, महुआ मोइत्रा, असदुद्दीन ओवैसी, प्रियंका चतुर्वेदी, आरपीएन सिंह, राजीव शुक्ला, मीडिया से राजीव सरदेसाई, बरखा दत्त, पूर्व मंत्री

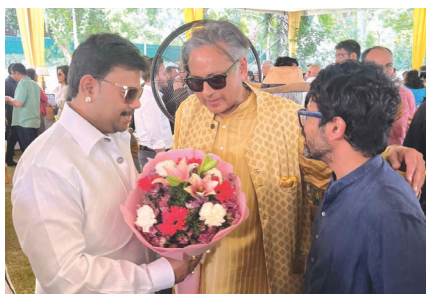

शहनवाज हुसैन, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी एवं कई नेतागण, डिप्लोमेट एवं ब्यूरोक्रेट्स से बाते कर व मिलकर बहुत कुछ सीखने को भी मिला एवं उनका साथ प्रेरणादायी था।

त्राहिमाम महाधरनाः वैश्य मोर्चा के पदाधिकारी दिल्ली रवाना

संवाददाता रांचीः 31 जुलाई को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर होने वाले त्राहिमाम महाधरना में शामिल होने के लिए रांची एवं बरकाकाना स्टेशन से झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा के पदाधिकारी और सदस्य नई दिल्ली के लिए आज रवाना होने गये हैं. कुछ पदाधिकारी कल जायेंगे. आज रांची स्टेशन से कार्यकारी अध्यक्ष हीरानाथ साहु, वरीय उपाध्यक्ष अश्विनी कुमार साहु, उप प्रधान महासचिव उपेन्द्र प्रसाद, केंद्रीय महासचिव दिलीप प्रसाद, महिला मोर्चा की अध्यक्ष रेणू देवी, युवा मोर्चा के अध्यक्ष हलधर साहु, कार्यकारी अध्यक्ष मनोज चौधरी आदि के नेतृत्व में करीब पचास लोग दिल्ली गये हैं. जबकि बरकाकाना स्टेशन से केंद्रीय उपाध्यक्ष

लक्ष्मण साहु, उप प्रधान महासचिव अशोक गुप्ता, केंद्रीय महासचिव शिव प्रसाद साहु, मुख्य प्रवक्ता बीरेन्द्र कुमार, केंद्रीय सदस्य मुकेशलाल सिंदूरिया एवं भुनेश्वर साव के नेतृत्व में बीस लोग दिल्ली रवाना हुए हैं.

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों को लेकर उपायुक्त ने अधिकारियों को दिया निर्देश

रांचीः मोरहाबादी मैदान में स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर मंगलवार को उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री की अध्यक्षता में बैठक हुई। समाहरणालय ब्लॉक– ए स्थित उपायुक्त सभागार में आयोजित बैठक के दौरान उपायुक्त ने मोरहाबादी मैदान में स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारी और सफल संचलान को लेकर संबंधित पदाधिकारियों को कई निर्देश दिया। उपायुक्त ने कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल-एक को आगंतुकों के लिए मैदान के दायीं और बायीं ओर वाटरप्रूफ पंडाल, गैलरी और कुर्सी की व्यवस्था, मैदान समतलीकरण और बैरिकेटिंग, स्टेज एवं साउंड बॉक्स के लिए टॉवर निर्माण की व्यवस्था को कहा। जिला नजारत उपसमाहर्त्ता को मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम, आयोजन स्थल के मुख्य मंच और अतिथियों के बैठने की व्यवस्था से संबंधित तैयारी करने का निर्देश दिया। वहीं कार्यपालक अभियंता विद्युत कार्य प्रमंडल को विद्युत व्यवस्था और साउंड प्रूफ जेनरेटर की व्यवस्था करने को कहा। कार्यक्रम स्थल में पेयजल आपूर्ति, वीआईपी टॉयलेट की व्यवस्था, परेड पूर्वाभ्यास में भाग लेने वाले कैडेटों के लिए मोरहाबादी मैदान में अस्थायी शौचालय की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निदेश कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग वितरण प्रमण्डल गोंदा को उपायुक्त ने दिया। मोरहाबादी की ओर जानेवाली सड़कों की मरम्मती और साफ सफाई, चिकित्सा मेडिकल कैंप और अग्निशमन की व्यवस्था को लेकर भी उपायुक्त ने पूरी तैयारी करने का निर्देश दिया।

बैठक में एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा, उपविकास आयुक्त सौरभ कुमार भुवानिया, अपर जिला दंडाधिकारी (विधि व्यवस्था) राजेश्वरनाथ आलोक, अनुमंडल पदाधिकारी सदर, उत्कर्ष कुमार, ग्रामीण एसपी, सिटी एसपी, सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

108 एंबुलेंस कर्मियों का राजभवन मार्च

किया नंग-धड़ंग प्रदर्शन

रांचीः झारखंड की आपात चिकित्सा व्यवस्था को संचालित करने वाले 108 एंबुलेंस कर्मियों का आंदोलन मंगलवार से और तेज हो गया है. राजधानी रांची में सैकड़ों एंबुलेंस चालकों और तकनीकी कर्मचारियों ने मंगलवार को राजभवन के समक्ष नंग-धड़ंग प्रदर्शन किया और उचित मानदेय, स्थायी बहाली और सरकारी कर्मचारी जैसी सुविधाएं देने की मांग दोहराई. हड़ताल का आज दूसरा दिन था और इसका असर सदर अस्पताल समेत राजधानी के कई सरकारी अस्पतालों में साफ देखा गया. आपातकालीन सेवा में देरी से मरीजों को खुद साधन जुटाकर अस्पताल पहुंचना पड़ा. प्रदर्शनकारी कर्मचारियों ने बताया कि 108 एंबुलेंस सेवा का संचालन

फिलहाल एक निजी संस्था कर रही है. इनका आरोप है कि एजेंसी हर साल बदलती है लेकिन शोषण की तस्वीर नहीं बदलती. एक एंबुलेंस चालक ने कहा कि हमसे 12-12 घंटे काम लिया जाता है लेकिन वेतन तय नहीं, कोई पीएफ नहीं, कोई बीमा भी नहीं है. छुट्टी मांगों तो प्रताड़ना, सवाल करो तो धमकी तक दी जाती है. कर्मियों ने कहा कि वे राज्य के दूरदराज क्षेत्रों में दिन-रात सेवा दे रहे हैं लेकिन उन्हें किसी भी तरह की सरकारी सुविधा नहीं मिल रही है.

झारखंड आवास बोर्ड की बैठक में 38 प्रस्तावों पर लगी मुहर

अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई का निर्णय

रांचीः झारखंड राज्य आवास बोर्ड अपनी जमीन को चिन्हित करने के लिए ड्रोन का सहारा लेगा. ड्रोन के माध्यम से अतिक्रमित जमीन को चिन्हित कर आवास बोर्ड ने कार्रवाई करने का निर्णय लिया है. आवास बोर्ड की मंगलवार 29 जुलाई को हुई बैठक में 38 प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की गई है.

आवास बोर्ड के अध्यक्ष संजय लाल पासवान की अध्यक्षता में हुई बैठक में नवनियुक्त एमडी सूरज कुमार सहित कई पदाधिकारी मौजूद थे. बोर्ड की बैठक में लिए गए निर्णय की जानकारी देते हुए अध्यक्ष संजय लाल पासवान ने कहा कि आवासीय परिसर में व्यावसायिक कार्य करने वाले वैसे लोगों के विरुद्ध कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया है, जो नियमों का उल्लंघन कर बोर्ड की

जमीन और फ्लैट में अवैध रूप से व्यावसायिक कार्य कर रहे हैं. ऐसे लोगों पर आवास बोर्ड ने सख्त कार्रवाई करने का निर्णय लिया है. ऐसे लोगों को अखबार में इश्तेहार निकालकर जवाब दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का मौका दिया जाएगा तत्पश्चात बोर्ड निर्णय लेगा.

हरमू में बनेगा आवास बोर्ड का गेस्ट हाउसः झारखंड राज्य आवास बोर्ड रांची के हरमू में गेस्ट हाउस का निर्माण कराएगा. 24 कमरों के इस गेस्ट हाउस में आम लोगों के लिए रियायती दर पर ठहरने की सुविधा होगी. आवास बोर्ड ने इसके लिए एच 25 को चिन्हित किया है. अध्यक्ष संजय लाल पासवान ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि गेस्ट हाउस संचालित करने का निर्णय बैठक में लिया गया है. इसके पश्चात प्रक्रिया की शुरुआत हो गई है. अगले एक महीने के अंदर यह पूर्ण रूप ले लेगा.

उन्होंने कहा कि बैठक में सहजानंद चौक के समीप निगम पार्क में एक सामुदायिक भवन बनाने का भी निर्णय लिया गया है. इसके अलावे पुराना विधानसभा के नजदीक आवास बोर्ड के भूखंड के आवंटन की प्रक्रिया जल्द शुरू करने के लिए नगर निगम से नक्शा पास होने की प्रतीक्षा की जा रही है. उम्मीद यह है कि सितंबर में आवंटन की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी.

हाई स्पीड बाइक से लैस हुई रांची पुलिस, तेज होगी गश्त

रांचीः राजधानी में गली-मोहल्ले और शहर के अन्य इलाके जहां पुलिस के बड़े वाहन नहीं जा सकते हैं, वैसे ही इलाकों में गश्त के लिए 100 हाई स्पीड बाइक उपलब्ध कराई गई है. पुलिस मुख्यालय के द्वारा रांची पुलिस को सभी बाइक उपलब्ध करायी गई है.

100 में से 80 बाइक पहुंची पुलिस लाइनः रांची पुलिस को हाई स्पीड बाइक से लैस किया जा रहा है. पुलिस मुख्यालय के द्वारा रांची पुलिस को 100 बाइक उपलब्ध कराई जा रही है, जिसमें से 80 बाइक रांची पुलिस लाइन पहुंच चुकी हैं. डीआईजी सह एसएसपी रांची चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि बाइक पेट्रोलिंग क्राइम को रोकने में एक बेहतरीन साधन है. इसे देखते हुए झारखंड पुलिस मुख्यालय के द्वारा रांची पुलिस के

लिए 80 हाई स्पीड बाइक उपलब्ध करवा दिए गए हैं. जबकि 20 बाइक इसी महीने रांची पुलिस को मिल जाएंगे. इन बाइक का प्रयोग ट्रैफिक, टाइगर मोबाइल के साथ-साथ हाई कोर्ट की सुरक्षा में की जाएगी.

गश्त और अपराधियों का पीछा करने में सहायकः राजधानी रांची में लूट की वारदात हो या फिर चेन स्नेचिंग की, इस तरह की वारदातों में अपराधी बाइक का प्रयोग करते हैं. अपराध को अंजाम देने के बाद अपराधी संकरी गलियों का प्रयोग करते हुए फरार होने की कोशिश करते हैं. ऐसे में रांची पुलिस को मिले हाई स्पीड बाइक अपराधियों का पीछा करने और उन तक

पहुंचने में बेहद सहायक सिद्ध होंगे.

डीआईजी सह रांची एसएसपी ने बताया कि सभी बाइक 150 सीसी की है, जिससे अपराधियों का पीछा करना आसान होगा. रांची एसएसपी ने बताया कि पुलिसिंग के लिए बाइक एक बेहतर विकल्प है, क्योंकि कई ऐसे इलाके होते हैं, जहां फोर व्हीलर के साथ जाना संभव नहीं होता है. ऐसे में ये बाइक उन इलाकों तक पहुंचेगी.

पुरानी हो चुकी थी बाइकः राजधानी रांची में टाइगर जवानों के लिए बाइक और महिला जवानों के लिए स्कूटी का इस्तेमाल होता आया है. महिलाओं की सुरक्षा के लिए शक्ति कमांडो स्कूटी पर गस्त करती हैं. क्योंकि स्कूटी अभी भी बेहतर कंडीशन में है, इसलिए गश्त करने में महिला पुलिसकर्मियों को किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं होती है.

लेकिन दूसरी तरफ जिन बाइक का इस्तेमाल गश्त के लिए टाइगर जवान करते आए हैं, वह काफी पुराने हो चुके हैं. ऐसे में अब रांची पुलिस के पास 100 हाई स्पीड बाइक है, जिनका इस्तेमाल टाइगर जवान के साथ-साथ ट्रैफिक और थानों के जवान भी करेंगे.

कांवड़ यात्रियों की बस दुर्घटना पर मंत्री दीपिका पाण्डेय ने जताया शोक

रांचीः मंत्री दीपिका पाण्डेय सिंह ने देवघर जिले में कांवड़ियों की बस और ट्रक के बीच हुई भीषण सड़क दुर्घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मंगलवार को जारी अपने शोक संदेश में कहा कि यह हृदयविदारक घटना अत्यंत दुखद है। मंत्री ने कहा कि इस भीषण दुर्घटना में कांवड़ यात्रा पर निकले श्रद्धालुओं की जान जाना अत्यंत पीड़ादायक है। ईश्वर मृतकों की आत्मा को शांति प्रदान करें और उनके परिजनों को इस असहनीय दुःख को सहने की शक्ति दें। उन्होंने कहा कि वे घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हैं। मंत्री ने प्रशासन से यथाशीघ्र राहत और बचाव कार्य सुनिश्चित करने और घायलों को समुचित उपचार उपलब्ध कराने की अपील की है।

संक्षिप्त खबरें...

सड़क सुरक्षा को लेकर चौपारण थाना में चला सघन वाहन जांच अभियान

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चौपारण(हजारीबाग) जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर मंगलवार को चौपारण थाना गेट के समीप सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान दोपहिया और चारपहिया वाहनों की बारीकी से जांच की गई।जांच के क्रम में कई बाइक सवार बिना हेलमेट एवं ड्राइविंग लाइसेंस के पाए गए। ऐसे चालकों को पुलिस ने कड़ी फटकार लगाते हुए सख्त हिदायत दी और भविष्य में नियमों का पालन करने की चेतावनी देकर वाहन छोड़ दिया गया। वहीं, चारपहिया वाहनों की जांच के दौरान सीट बेल्ट की अनिवार्यता पर जोर दिया गया। नियम उल्लंघन करने वालों पर ऑनलाइन चालान की कार्रवाई भी की गई।थाना प्रभारी अनुपम प्रकाश ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सभी मोटरसाइकिल चालकों को हेलमेट पहनना अनिवार्य है। साथ ही वाहन चलाते समय ड्राइविंग लाइसेंस, रजिस्ट्रेशन की प्रति और अन्य जरूरी दस्तावेज अपने साथ रखें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि नाबालिग बच्चों को वाहन चलाने की अनुमति न दें और शराब के प्रभाव में किसी भी स्थिति में वाहन न चलाएं।थाना प्रभारी ने चेतावनी दी कि यातायात नियमों की अनदेखी करने वालों के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मछली मारने के दौरान गहरे पानी में डूबने से एक व्यक्ति की हुई मौत

हज़ारीबाग। हज़ारीबाग जिला अंतर्गत इचाक थाना क्षेत्र के लोटवा डैम में मछली मारने के दौरान गहरे पानी में डूबने से निर्मल भुइयां (उम्र करीब 45 वर्ष) पिता बालकी भुइयां की मौत हो गई। मृतक युवक पदमा प्रखंड के सूरजपुर गांव का था। सूचना पाकर इचाक थाना प्रभारी संतोष कुमार पुलिस बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे इसके बाद थाना प्रभारी ने मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दिया।सूचना पाकर परिजन घटना स्थल पहुंचे एवं थाना प्रभारी संतोष कुमार ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल हजारीबाग भेज दिया गया है।

मयूरहंड थाना में थाना दिवस का हुआ आयोजन

कोयलांचल संवाद संवाददाता

मयूरहंड (चतरा) चतरा पुलिस अधीक्षक सुमित अग्रवाल के निर्देशानुसार मयूरहंड थाना में मंगलवार को थाना दिवस का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता चतरा पुलिस अधीक्षक सुमित अग्रवाल ने की। इस अवसर पर थाने में कुल 12 आवेदन आए। थाने में दिए गए सभी आवेदनों का निष्पादन किया गया आवेदन मंझौली मयूरहंड, पथरा सरगांव, हड़ाही, बेलखोरी, मंधनिया, मेहशा, धनगावां समेत अन्य गांवों से फरियादी अपनी फरियाद लेकर थाना परिसर में उपस्थित हुए। चतरा पुलिस अधीक्षक की देखरेख में थाना परिसर में उपस्थित फरियादियों की समस्याओं का समाधान हुआ। पुलिस आरक्षी अधीक्षक ने फरियादियों की समस्याओं का निराकरण करते हुए पुलिस पदाधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिया कि वे आम जनता की शिकायतों को गंभीरता से लें और उनका समयबद्ध निष्पादन करें। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ताओं को इधर-उधर भटकना न पड़े और उन्हें न्याय मिले इसी उद्देश्य को लेकर थाना दिवस का आयोजन किया गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि लापरवाही बरतने वाले पुलिस पदाधिकारी और कर्मचारी बख्शे नहीं जाएंगे। चतरा आरक्षी अधीक्षक ने कहा कि लोगों की समस्याओं का निपटारा प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए। मौके पर डीएसपी अमिता लकड़ा, अंचल के बड़ा बाबू जयप्रकाश सिंह समेत अन्य ग्रामीण मौजूद थे

आधार में नाम जुड़वाने के नाम पर ठगी का आरोप

फिंगर प्रिंट मशीन की मदद से विधवा के अकाउंट से निकाल लिए 46 हजार रूपये

कोयलांचल संवाद संवाददाता

हंटरगंज(चतरा) सावधान यदि आप भी आधार कार्ड बनवाते हैं या सुधरवाते हैं तो सावधान हो जाएं। इन दिनों हंटरगंज बाजार में कुछ सीएससी संचालकों द्वारा धडल्ले से आधार सुधारने और बनाने का कार्य किया जा रहा है। जिसमें ठगी का शिकार गरीब भोले भाले लोग हो रहे हैं।ताजा मामला चतरा जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र के हंटरगंज बाजार का है। जहां एक विधवा महिला अपने बच्चे को आधार कार्ड में नाम जुड़वाने के नाम सीएससी संचालक के पास गई।

जहां संचालक द्वारा फिंगर प्रिंट लेकर विधवा महिला से 46 हजार रुपये ट्रांसफर किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। यह आरोप विधवा महिला ने खुद लगाई है और एसपी से दोषीयों के खिलाफ कारवाई की मांग की है। थाना क्षेत्र के डाहा निवासी पुचू कुमारी विधवा महिला ने बताया कि 19 मई को अपने दो वर्षीय पुत्र अंकुश कुमार का हंटरगंज के एक सीएससी केंद्र में आधार कार्ड बनवाने आई थी। आधार कार्ड बनने के दौरान मेरा फिंगर प्रिंट लिया गया। जिसके बाद 19 मई को शाम को सात हजार, क्रमशः 21 मई को नौ हजार पांच सौ, चार हजार नौ सौ, नौ हजार नौ सौ, चार हजार नौ सौ, नौ हजार नौ सौ, एक हजार , एक हजार और अंतिम एक हजार रूपया आठ जुलाई तक कुल छियालिस हजार रुपया निकल गया। जब मैं अपने बैंक में पासबुक प्रिंट आउट करवाया तो अचंभित रह गया। इसके बाद आनन फानन में इसकी लिखित शिकायत हंटरगंज थाना पुलिस को दी। लेकिन अभी तक कोई कारवाई नही हुई है। थक हार कर आज (शुक्रवार) थाना दिवस पर हंटरगंज थाना पहुंची और एसपी से न्याय की गुहार लगाई। साहेब ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही समस्या का समाधान किया जायेगा। इधर इस मामले में एसपी सुमित अग्रवाल ने भी मामले को गंभीरता से लेने का पुलिस पदाधिकारियों को निर्देश दिया है ताकि गरीबों की राशि कोई फ्रॉड ना करें। पुलिस जांच में जुटी है। बताते दे की सोमवार को हंटरगंज थाना में थाना दिवस का आयोजन किया गया था जहां एसपी फरियादियों की समस्या सुन रहे थे उसी दौरान दो महिला एसपी साहब से शिकायत करती है कि उनके खाते से आधार बनवाने के बाद फिंगर प्रिंट के माध्यम से फ्रॉड हुई है। एक महिला बताती है कि मेरे खाता से चार हजार तो दूसरी महिला बोलती है मेरे खाते से छियालिस हजार रूपए अवैध निकासी हुई है। जिसके बाद एसपी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए केश के अनुसंधान कर रहे पदाधिकारी को बुलाएं और निर्देश दिया की जल्द से जल्द जांच किया जाए और दोषियों पर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाय। ताकि कोई गरीब उनके चुंगल में न फंसे।

भव्यता से मनाया जाएगा जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह

उपायुक्त एवं वरीय पुलिस अधीक्षक ने पदाधिकारियों के साथ बैठक में दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

जमशेदपुर । पूर्वी सिंहभूम जिला में स्वतंत्रता दिवस 2025 समारोह को गरिमामय और भव्यता से मनाने की तैयारी है। समाहरणालय सभागार में आयोजित बैठक में उपायुक्त श्री कर्ण सत्यार्थी एवं वरीय पुलिस अधीक्षक श्री पीयूष पांडेय ने सभी विभागों के पदाधिकारियों के साथ जिला स्तरीय मुख्य समारोह की तैयारियों की समीक्षा की तथा आवश्यक निर्देश दिए । उपविकास आयुक्त की अध्यक्षता में आयोजन समिति का गठन किया गया है। मुख्य समारोह का आयोजन 15 अगस्त को प्रातः 09:05 बजे गोपाल मैदान, जमशेदपुर में ध्वजारोहण के

साथ प्रारंभ होगा। इससे पूर्व, 14 अगस्त की पूर्व संध्या को सिद्धगोड़ा टाउन हॉल में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन होगा, जिसमें विभिन्न स्कूलों व कॉलेजों के छात्र-छात्राएं अपनी प्रस्तुतियां देंगे । स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त को जिला प्रशासन एवं प्रेस के प्रतिनिधियों के बीच फ्रेंडली फुटबॉल मैच का होगा । सभी विभागों के उत्कृष्ट पदाधिकारियों/ कर्मियों तथा टॉपर छात्र-छात्राको प्रशंसा पत्र देने का निर्णय लिया गया। उपायुक्त ने अनुमंडल पदाधिकारी, धालभूम को निर्देश दिया कि स्वतंत्रता सेनानियों एवं उनके परिजनों को 14 अगस्त को उनके आवास जाकर शॉल/ मिष्ठान्न प्रदान कर सम्मानित किया जाए। साथ ही, वीर शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों की प्रतिमाओं की साफ-सफाई एवं माल्यार्पण सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित क्षेत्रीय पदाधिकारियों को दिए गए हैं। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में स्कूली बच्चों द्वारा प्रभात फेरी निकाली जाएगी । स्वतंत्रता दिवस परेड का पूर्वाभ्यास 10 अगस्त से प्रारंभ होकर 13 अगस्त को फुल ड्रेस रिहर्सल के साथ संपन्न होगा। 10 अगस्त का परेड पूर्वाभ्यास पुलिस लाइन में तथा अन्य सभी पूर्वाभ्यास गोपाल मैदान में होंगे। परेड में आरएएफ, डीएपी (महिला/पुरुष), जैप-6, होमगार्ड, एनसीसी (महिला/पुरुष), स्काउट एवं गाइड, सीआरपीएफ की टुकड़ी को शामिल करने पर चर्चा की गई। मुख्य समारोह स्थल की तैयारी की जिम्मेदारी उप नगर आयुक्त, जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति को दी गई है, जो एनडीसी व जुस्को प्रतिनिधियों के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य करेंगे। जुस्को को मैदान की साफ-सफाई एवं रख-रखाव की जिम्मेदारी दी गई है । सुगम यातायात व्यवस्था, फायर ब्रिगेड एवं एंबुलेंस की तैनाती के लिए संबंधित विभागीय पदाधिकारी को निर्देशित किया गया। स्वतंत्रता दिवस के दृष्टिगत 15 अगस्त को जिला में ड्राई डे घोषित किया गया है।

बैठक में उप विकास आयुक्त नागेन्द्र पासवान, अपर उपायुक्त भगीरथ प्रसाद, जिला परिवहन पदाधिकारी धनंजय, एसडीओ धालभूम गौतम कुमार, नजारत उपसमाहर्ता डेविड बलिहार, डीएसपी ट्रैफिक नीरज, डीएसपी हेडक्वार्टर भोला प्रसाद, स्वास्थ्य विभाग से डॉ मृत्युंजय धावड़िया समेत अन्य विभागी पदाधिकारी एवं निजी कंपनियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

इटखोरी थाना में थाना दिवस का किया गया आयोजन, मामलों का हुआ निष्पादन

कोयलांचल संवाद संवाददाता

इटखोरी(चतरा): पुलिस कप्तान चतरा ने आम जनता एवं पुलिस के बीच की दूरी को कम करने आम जनता और पुलिस के बीच बेहतर संबंध स्थापित करने को लेकर जिले के सभी थानों में लागातार थाना दिवस का आयोजन किया जा रहा है।

आम लोगों को अपनी समस्याओं को लेकर जिला मुख्यालय नहीं जाना पड़े एवं आम लोगों के समस्याओं को सुगम एवं सरल बनाने हेतु प्रत्येक दिन अलग-अलग थानों में थाना दिवस का आयोजन किया जा रहा है

इस क्रम में आज चतरा जिले के ईटखोरी थाना में थाना दिवस का आयोजन पुलिस कप्तान चतरा की उपस्थिति में किया गया।

जिसमें पुलिस उपाधीक्षक(मु0), चतरा, पुलिस निरीक्षक, थाना प्रभारी एवं अन्य पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे। आम लोग अपनी अपनी समस्याओं को लेकर थाना दिवस में उपस्थित हुए तथा सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया और समस्याओं का निष्पादन किया गया। थाना दिवस में फरियादियों के अनेक मामले आये जिसमें से कई मामलों का निष्पादन तुरंत किया गया एवं शेष मामले का निष्पादन हेतु संबंधित विभाग को पत्राचार किया गया एवं कुछ मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई। ज्यादातर मामले भूमि विवाद से संबंधित है।

पुलिस अधीक्षक चतरा ने आम लोगों से अपील करते हुए कहा कि चतरा पुलिस आम लोगों से अपील करती हैं कि थाना दिवस में उपस्थित होकर अपनी समस्याओं को रखें। समस्याओं का निष्पादन विधि-सम्मत् त्वरित गति से की जायेगी।

बिजली चोरी रोकथाम को लेकर विभिन्न गांवों में चलाया गया छापामारी अभियान

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बिजली चोरी रोकथाम को लेकर बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों में छापामारी अभियान चलाया गया। बरकट्ठा विद्युत कनीय अभियंता अभिषेक आनंद ने कार्रवाई करते हुए पांच लोगों के विरुद्ध मामला दर्ज कराया है।कनीय अभियंता ने ग्राम बंडासिंघा शिव मंदिर टोला निवासी महेश साव, बंडासिंघा चौक निवासी शिबू साव, ग्राम बड़कीटांड निवासी सोना राम मांझी, ग्राम कसियाटांड निवासी दामोदर नायक तथा ग्राम गोरहर निवासी कुंजलाल महतो को बिजली चोरी करते हुये पकडा है। इस बाबत कनिय अभियंता अभिषेक आनंद ने गोरहर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। बताया की यह अभियान बिजली बिल बकाया रखने तथा पोल से टोका लगाकर अतिरिक्त फेज खींचकर विद्युत उर्जा की चोरी करते हुए पकड़े गये हैं।जिनपर विद्युत विभाग के द्वारा आर्थिक जुर्माना लगाते हुए थाने में मामला दर्ज कराया गया।कनिय अभियंता अभिषेक आनंद ने बताया की बिजली चोरी रोकथाम को लेकर चलाया जा रहा अभियान आगे भी जारी रहेगा।कहा की जिन उपभोक्ताओं का बिजली बिल पांच हजार से ज्यादा बाकी है उनपर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जनसुनवाई में एसपी ने सुनी फरियादियों की समस्याएं

सबसे अधिक जमीन संबंधित मामले,कई का हुआ ऑन द स्पॉट निष्पादन

कोयलांचल संवाद संवाददाता

हंटरगंज(चतरा) थाना क्षेत्र की छोटी छोटी समस्याओं के निवारण और निष्पादन हेतु चतरा पुलिस कप्तान सुमित अग्रवाल के निर्देशानुसार जिले के थानों में थाना दिवस का आयोजन किया जा रहा है।इसी कड़ी में सोमवार को हंटरगंज थाना में थाना दिवस का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता चतरा पुलिस अधीक्षक सुमित अग्रवाल ने की। जिला पुलिस अधीक्षक ने फरियादियों की समस्याओं को सुनते हुए पुलिस पदाधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिया कि वे शिकायतों को गंभीरता से लें और उनका समयबद्ध निष्पादन करें। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ताओं को इधर-उधर भटकना न पड़े और उन्हें उचित न्याय मिले। उन्होंने चेतावनी दी कि लापरवाही बरतने वाले पुलिस पदाधिकारी और कर्मचारी बख्शे नहीं जाएंगे।एसपी ने कहा कि लोगों की समस्याओं का निपटारा प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए।थाना दिवस में दर्जनों शिकायती पत्र प्राप्त हुए। सबसे अधिक मामले राजस्व विभाग से जुड़ी हुई है। इनमें से कई शिकायतों का मौके पर ही निष्पादन कर दिया गया। कुछ शिकायतों के जल्द निष्पादन का आश्वासन एसपी द्वारा दिया गया। प्राप्त शिकायतों में राजस्व विभाग से संबंधित सबसे अधिक मामले और पुलिस विभाग से संबंधित कुछ ही शिकायत थी।इस अवसर पर चतरा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संदीप सुमन, अंचलाधिकारी अरुण मुंडा, पुलिस इंस्पेक्टर पप्पू शर्मा, थाना प्रभारी प्रभात कुमार एसआई राजदेव पांडे, नितेश कुमार, वीर बहादुर सिंह,शिवशंकर गोप, पुरषोत्तम अग्निहोत्री, कृष्णा कुजूर, नावाडीह पंचायत मुखिया बसंती पन्ना,खुंटीकेवाल पं मुखिया बृजकिशोर सिंह, कोबना पं मुखिया बब्लू मेहता, बलूरी पं सतेंद्र कुमार सिंह, नवाडीह पनारी पं मुखिया मदन चौधरी,विधायक प्रतिनिधि अरुण चौरसिया, पीएलवी अजय दास सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी और फरियादी उपस्थित रहे।

चतरा में आयोजित होने वाले कृषि उद्यम मेला 2025 की तैयारियों का उपायुक्त ने किया निरीक्षण

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चतराः जिला मुख्यालय स्थित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आगामी 01 एवं 02 अगस्त 2025 को आयोजित होने वाले कृषि उद्यम मेला 2025 की तैयारियाँ अंतिम चरण में हैं। मेला के सफल संचालन एवं मुख्य कार्यक्रम स्थल की व्यवस्थाओं को लेकर मंगलवार को उपायुक्त चतरा कीर्तिश्री जी ने आयोजन स्थल पर पहुँचकर टेंट, स्टॉल, ब्रांडिंग, बैठने की व्यवस्था समेत अन्य तमाम तैयारियों का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और कार्यों को तय समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यह मेला कृषि, उद्यमिता एवं नवाचार के क्षेत्र में जिले के किसानों, उद्यमियों एवं युवाओं के लिए एक सुनहरा अवसर है।

निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया सन्नी राज, अनुमंडल पदाधिकारी चतरा जहूर आलम, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी शकील अहमद सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि दो दिवसीय इस मेले में कृषि तकनीक, उपकरण, योजनाओं एवं स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न स्टॉल, प्रदर्शनी व कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा।

चौपारण में अवैध बालू परिवहन पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, दो ट्रैक्टर जप्त

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चौपारण(हजारीबाग) अवैध बालू खनन और परिवहन पर रोक के बावजूद लगातार जारी तस्करी को देखते हुए प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है।चौपारण सीओ संजय यादव के नेतृत्व में पुलिस बल के सहयोग से सियरकोनी में छापेमारी कर अवैध रूप से बालू लदे दो ट्रैक्टरों को जब्त किया गया। यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई। इस संबंध मे सीओ संजय यादव ने बताया कि जिले में एनजीटी में बालू के उठाव और परिवहन पर पूर्ण प्रतिबंध है। इसके बावजूद कुछ तत्व चोरी-छिपे अवैध खनन और परिवहन कर रहे हैं, जो न केवल पर्यावरण के लिए खतरा है बल्कि कानून की भी खुली अवहेलना है। उन्होंने कहा कि जब्त किए गए ट्रैक्टरों को चौपारण थाना में रखवा दिया गया है और इस संबंध में जिला खनन पदाधिकारी (डीएमओ) को आगे की कार्रवाई के लिए सूचित कर दिया गया है।अभियान की भनक लगते ही कई तस्करों में हड़कंप मच गया। कुछ तस्करों ने अपने ट्रैक्टरों को जंगल के रास्तों या होटलों के पीछे छिपाने की कोशिश की,ताकि प्रशासन की पकड़ से बचा जा सके। वहीं कुछ ने वाहन को छुड़ाने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों के आसपास सक्रियता दिखाई,पर प्रशासन की सख्ती के आगे उनकी एक न चली।सीओ संजय यादव ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि इस तरह की अवैध गतिविधियों पर भविष्य में भी लगातार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि अवैध खनन और परिवहन में लिप्त पाए जाने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

साउथ प्वाइंट स्कूल, पटमदा के बच्चों ने "सुधा डेयरी" का शैक्षिक भ्रमण किया

जमशेदपुर । साउथ प्वाइंट स्कूल,पटमदा में विद्यार्थियों को विद्यालय से "सुधा डेयरी" का शैक्षिक भ्रमण कराया गया । जहाँ उन्होंने दुग्ध उत्पादन की प्रक्रिया को नजदीक से देखा और महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। विधालय के प्राचार्य श्री अरुण कुमार सिंह जी ने सुबह प्रार्थना सभा के पश्चात बच्चों को विदा किया और बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार राज्य दुग्ध सहकारी संघ लिमिटेड भारत के बिहार सरकार के सहकारिता मंत्रालय के स्वामित्व में एक राज्य सरकार की सहकारी समिति है। जिसका भ्रमण कर आप आनंद प्राप्त करेंगे। वहां के मैनेजमेंट ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि इसकी स्थापना 1983 में बिहार सरकार की राज्य सहकारी समिति के रूप में की गई थी। यह अपने उत्पादों का विपणन "सुधा डेयरी" लेबल के तहत करता है।

ग्रेजुएट कॉलेज में अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस एवं वन महोत्सव का आयोजन

जमशेदपुर । ग्रेजुएट कॉलेज, जमशेदपुर के जीव विज्ञान एवं वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा आज अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस एवं वन महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सेमेस्टर-3 और सेमेस्टर-4 की छात्राओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

कार्यक्रम का आयोजन टाटा स्टील जूलॉजिकल पार्क, जमशेदपुर के सहयोग से किया गया, जिसके अंतर्गत अनेक शैक्षणिक व जागरूकता कार्यक्रम संपन्न हुए। कॉलेज की प्राचार्या डॉ. वीणा सिंह प्रियदर्शी के निर्देशन में छात्राओं ने इन गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भागीदारी की। इस अवसर पर "Save Tiger, Save Yourself" विषय पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया

गया, जिसे जीवविज्ञानी एवं शिक्षा अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने प्रस्तुत किया। इसके साथ ही बाघों पर आधारित कीपर टाइप टॉक का भी आयोजन हुआ, जिसमें टाटा स्टील जूलॉजिकल पार्क के क्यूरेटर डॉ. संजय कुमार महतो ने बाघों की दिनचर्या, खान-पान, व्यवहार एवं मनोवृत्तियों पर विस्तार से जानकारी दी।छात्राओं ने म्यूजियम अवलोकन, वृक्षारोपण कार्यक्रम और पार्क भ्रमण जैसी गतिविधियों में भी भाग लिया। इन सभी गतिविधियों का संचालन पी. पी. एक्का एवं डॉ. नम्रता कुमारी के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, वन्यजीव संरक्षण तथा छात्रों में जागरूकता की भावना का विकास करना रहा।

मनोहरपुर में छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल का वितरण

चाईबासाः मनोहरपुर स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालय मणिपुर में मंगलवार को उन्नति का पहिया कार्यक्रम के तहत साइकिल वितरण कार्यक्रम हुआ. मुख्य अतिथि विधायक जगत माझी ने समारोह में जेपीएससी में सफलता प्राप्त करने वाले कमलेश गुप्ता को भी सम्मानित किया. उन्होंने छात्र-छात्राओं से कमलेश गुप्ता की तरह आगे बढ़ने और मंजिल पाने के लिए कड़ी मेहनत करने की सीख दी. विधायक ने प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल का वितरण किया. उन्होंने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए मन लगाकर पढ़ाई करने को कहा. समीप खड़े बीडीओ व अन्य अधिकारियों की तरह बनकर अपने माता-पिता का नाम रोशन करने की सीख दी. विधायक ने छात्र-छात्राओं से प्रत्येक दिन विद्यालय आने की अपील की. कहा कि साइकिल मिल गई है, तो समय पर विद्यालय पहुंचें. प्रखंड कल्याण पदाधिकारी राजेंद्र बाड़ा ने कहा कि आज मनोहरपुर प्रखंड के छह विद्यालयों रायकेरा उच्च विद्यालय, लक्ष्मीपुर मध्य विद्यालय, चरवाहा मध्य विद्यालय, हाकागुई मध्य विद्यालय, साइडिंग मध्य विद्यालय व कमारबेड़ा मध्य विद्यालय (डी) के कुल 394 छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल का वितरण किया गया. मौके पर बीडीओ शक्तिकुंज, बीपीओ संतोष गुप्ता, बीआरपी यशवंत कटियार, सीआरपी निरंजन गोप, नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालय के प्रधान शिक्षक नितेश कुमार झा, कमारबेड़ा (डी) मध्य विद्यालय के प्रधान शिक्षक डमरूधर महतो सहित अन्य शिक्षक व छात्र छात्राएं उपस्थित थे.

आवारा कुत्तों ने 20 से अधिक लोगों को काटकर किया घायल

हजारीबाग : शहर में आवारा कुत्तों के आतंक से लोग परेशान हैं. सोमवार को कुत्तों ने 20 से अधिक लोगों को काट लिया. जिससे शहरवासियों में दहशत का माहौल है. डॉग बाइट के शिकार लोगों का अस्पताल पहुंचने का सिलसिला जारी है.

डॉग बाइट के शिकार लोगों ने बताया कि कुत्तों का झुंड हजारीबाग के रोमी से लोगों को काटते हुए पैगोडा चौक तक पहुंच गया. इस दौरान 20 से अधिक लोगों को कुत्तों ने काटकर जख्मी कर दिया. सभी का इलाज शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में किया गया है. घायलों में एक बच्चा भी शामिल है.

घायल मरीज ने बताया कि वह अपने बड़े भाई के साथ पगोड़ा चौक के निकट ठेले पर फल बेचता है. सोमवार की रात वह दुकान समेट कर घर निकलने की तैयारी में था. इसी क्रम में कुत्तों का झुंड वहां पहुंच गया और अचानक उसपर हमला कर दिया. यह देख बड़े ने किसी तरह कुत्तों से उसकी जान बचाई, लेकिन इस क्रम में कुत्तों ने उसके बड़े भाई को भी काट कर जख्मी कर दिया. उसने बताया कि झुंड में करीब 20 कुत्ते शामिल हैं.

इधर, जैसे ही इस बात की जानकारी समाजसेवी रोहित बजाज को मिली वह जानकारी लेने के लिए अस्पताल पहुंच गए. उन्होंने बताया कि अस्पताल में मरीजों की स्थिति देखकर वह डर गए. कुत्तों ने कई लोगों को अपना निशाना बनाया है. उन्होंने नगर निगम से मांग की है कि जल्द से जल्द आवारा कुत्तों पर नकेल कसा जाए. रोहित बजाज ने बताया कि जानकारी मिली थी उनके पड़ोसी को कुत्ते ने अपना शिकार बना लिया है. वह मामले की जानकारी लेने के लिए अस्पताल पहुंचे थे. इस दौरान उन्होंने कई लोगों की मदद की.

संक्षिप्त खबरें...

वायरल ऑडियो पर नप गई महिला दारोगा, बेल देने के लिए मांग रही थी ब्रांडेड ड्रेस और कैश

मोतिहारी. बिहार के मोतिहारी में एक महिला दारोगा के कारनामे से पुलिस डिपार्टमेंट शर्मसार हो गया है। एसपी स्वर्ण प्रभात ने घूस मांगने की आरोपी दारोगा को सस्पेंड कर दिया है। दारोगा आभा कुमारी एक अभियुक्त से बेल देने के नाम पर ब्रांडेड कपड़े और मोटी रकम की मांग कर रही थी। अनर्गल मांग का ऑडियो क्लिप वायरल हो रहा है। जांच में सत्यता पाए जाने के बाद एसपी ने यह कार्रवाई किया है। आरोपी दारोगा आभा कुमारी पूर्वी चंपारण के पीपरा थाने में तैनात हैं। पीड़ित ने फोन पर घूस की मांग की उसका ऑडियो क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। एसपी को जब इसकी शिकायत मिली तो जांच कराई गई। विभागीय जांच में घूस मांगने के आरोप को सत्य पाया गया। जांच रिपोर्ट के आधार पर आभा कुमार के खिलाफ एसपी ने एक्शन लिया है। मोतीहारी एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि पीपरा थाना में पोस्टेड महिला दरोगा आभा कुमारी द्वारा एक केस में आरोपी को बेल देने के लिए कपड़ा और कैश का डिमांड किया जा रहा था।

इंटरकास्ट मैरिज से खफा बाप बना हैवान, बेटे को मरवाई गोली, बहू को पीटा; आरोपी पिता-पुत्र धराए

मुजफ्फरपुर. बिहार के मुजफ्फरपुर के मनियारी थाना क्षेत्र के पकाही गांव में मंगलवार को अनिल कुमार के साथ मारपीट कर गोली मार दी गई। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जख्मी को उठाकार एसकेएमसीएच में भर्ती कराया। जहां उसका इलाज चल रहे है। बताया गया एक गोली जख्मी के बाएं कंधे पर लगी है। मारपीट और गोली मारने का आरोप जख्मी अनिल कुमार ने अपने भाई अरविंद राय और पिता शिवजी राय पर लगाया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को पकड़कर थाने पर लाया गया है। पुलिस की पूछताछ में जख्मी ने बताया है कि वर्ष 2014 ने इंटरकास्ट शादी किया था। जिसके कारण पिता और भाई समेत परिवार वाले हमेशा विरोध कर रहे थे। इस वजह से वह अपनी पत्नी और बच्चों को लेकर बाहर रह रहा था।

ट्रैक्टर के नाम पर आवासीय बनाने का आवेदन

मोतिहारी. मोतिहारी में एक अजीब फर्जीवाड़ा सामने आया है। कोटवा अंचल में 'सोनालिका ट्रैक्टर' के नाम से ऑनलाइन निवास प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया गया। इस आवेदन में पिता का नाम 'स्वराज ट्रैक्टर' और माता का नाम 'कार देवी' दर्ज किया गया था। जांच में यह आवेदन पूरी तरह से फर्जी पाया गया। अंचलाधिकारी ने तुरंत वरिष्ठ अधिकारियों को इसकी सूचना दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए मोतिहारी के एसपी स्वर्ण प्रभात ने फर्जी आवेदनकर्ता के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने और तत्काल गिरफ्तारी का आदेश दिया है। एसपी ने कहा, "सरकारी दस्तावेजों में फर्जी जानकारी देना एक गंभीर अपराध है। ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन इस तरह के फर्जीवाड़े को किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं करेगा।" कोटवा थानाध्यक्ष प्रत्यूष विक्की ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

भागलपुर में 11 साल की लड़की से रेपःआरोपी गिरफ्तार

भागलपुर. भागलपुर के नाथनगर इलाके में 11 साल की लड़की से रेप का मामला सामने आया है। आरोप रिश्ते में लगने वाला चाचा(24) पर है। परिजनों के शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी से थाने में पूछताछ की जा रही है। पीड़िता को मेडिकल के लिए अस्पताल भेजा गया है। मौके पर FSL की टीम को भी बुलाया गया है। जानकारी के मुताबिक मंगलवार की सुबह लड़की फूल तोड़ने के लिए घर से बाहर गई थी।

अज्ञात गाड़ी की बाइक से भिड़ंत, एक की मौत

मधेपुरा. मधेपुरा के उदाकिशुनगंज थाना क्षेत्र स्थित SH-58 पर लक्ष्मीपुर के समीप सोमवार देर रात सड़क हादसे में एक बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए जननायक कर्पूरी ठाकुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार दोनों युवक अपाचे बाइक पर सवार होकर पुरैनी से घर लौट रहे थे। रात करीब 11 बजे लक्ष्मीपुर के पास एक अज्ञात गाड़ी ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।

बेगूसराय में 5 लाख के लिए महिला की हत्या

बेगूसराय. बेगूसराय में दहेज के लिए एक महिला की हत्या कर दी गई। डेड बॉडी ससुराल से 2 किलोमीटर दूर सिहमा बबुरबन्ना टोला के सामने गंगा नदी में मिली है। ससुराल वालों पर मर्डर का आरोप है। वारदात के बाद पति समेत सभी लोग फरार हैं। मृतका की पहचान अमरेश कुमार की पत्नी लक्ष्मी कुमारी(25) के तौर पर हुई है। घटना मटिहानी थाना क्षेत्र के जिला पुनर्वास गांव की है। छौड़ाही के शेखाटोला निवासी पिता सत्यदेव साह ने बताया कि 14 जुलाई 2024 को बेटी की शादी हुई थी। अपनी क्षमता के अनुसार दहेज दिया था। दामाद घर पर ही आटा चक्की और तेल मिल चलाते हैं। शादी के कुछ दिन बाद से ही बेटी को टॉर्चर करने लगे। पांच लाख रुपए की डिमांड कर रहे थे। 2 लाख रुपए दिया भी था। इसके बाद भी पति, सास-ससुर उसे परेशान करते थे। वहीं, मायके पक्ष के अशोक कुमार उर्फ लैला बिहारी ने बताया कि लक्ष्मी के ससुराल वाले टॉर्चर करते थे।

नवादा में छात्र की गोली मारकर हत्या

नवादा. नवादा में नगर थाना क्षेत्र के मिर्जापुर स्थित पवन मैरिज हॉल के पास एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। मृतक की पहचान सचिन कुमार (22) के रूप में हुई है। वह कौवाकोल प्रखंड के माहापुर गांव निवासी ब्रह्मदेव महतो का पुत्र था। घटना के समय सचिन सिपाही भर्ती परीक्षा के लिए सासाराम जा रहा था। वह मिर्जापुर इलाके से गुजर रहा था तभी बदमाशों ने उस पर गोली चला दी। सूचना मिलते ही मौके पर सदर डीएसपी हुलास कुमार पहुंचे।

जमुई में 5 युवकों पर गिरी बिजली, एक की मौत

जमुई. जमुई के चंद्रमंडीह थाना क्षेत्र के चोरकट्टा गांव के समीप ललुआ मारन बहियार में मंगलवार दोपहर एक दर्दनाक घटना हुई। मवेशी चरा रहे 5 युवक बिजली की चपेट में आ गए। इस हादसे में अजय रजक (14) की मौत हो गई, जबकि 4 अन्य युवक गंभीर रूप से झुलस गए। घटना मंगलवार दोपहर की है जब चोरकट्टा गांव के रजक टोले के 5 युवक रोजाना की तरह अपने मवेशी चराने बहियार गए थे। अचानक मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। बारिश से बचने के लिए सभी युवक एक पेड़ के नीचे छिप गए। तभी तेज आवाज के साथ वज्रपात हुआ और सभी युवक इसकी चपेट में आ गए। वज्रपात से झुलसे युवकों में अजय रजक (14), मोहन रजक (16), सुजीत रजक (18), विपिन रजक (19) और विकास रजक शामिल हैं। स्थानीय लोगों और परिजनों की मदद से सभी घायलों को चकाई रेफरल अस्पताल लाया गया।

नवादा में लापता 3 सहेलियांः पुलिस खोज में जुटी

नवादा. नवादा से एक चिंताजनक खबर सामने आई है। यहां हिसुआ स्थित प्रोजेक्ट कन्या इंटर स्कूल की 3 छात्राएं पिछले 10 दिनों से लापता हैं। 19 जुलाई को ये तीनों सहेलियां घर से निकलीं थीं, लेकिन वापस नहीं लौटीं। लापता छात्राओं में सोनसा गांव की कल्पना कुमारी (17), फरहा गांव की गौरी कुमारी (16) और काजल कुमारी (16) शामिल हैं। तीनों में से 2 के पास मोबाइल फोन थे, जो अब बंद आ रहे हैं। तीसरी छात्रा के पास कोई मोबाइल नहीं था। इस घटना के बाद तीनों परिवारों में हड़कंप मच गया है। कल्पना के पिता पहलाद प्रसाद ने हिसुआ थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। गौरी के पिता शंकर प्रसाद और काजल के पिता नवल मिश्रा भी अपनी बेटियों की तलाश में लगे हुए हैं।

सीवान में लड़की की हत्या कर शव पेड़ से बांधा

सीवान. सीवान के बसंतपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बसाव गांव से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। गांव निवासी नाबालिग लड़की की बेरहमी से हत्या कर शव को गांव के एक पेड़ से बांध दिया गया। मृतका की पहचान रामसेवक मांझी की बेटी रेणू कुमारी (15) के रूप में की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, करीब 10 दिन पूर्व गांव में बच्चों के नहाने को लेकर 2 पक्षों के बीच विवाद हुआ था। मामले में दोनों पक्षों ने बसंतपुर थाना में आवेदन दिया था, जिसके बाद पुलिस ने आपसी समझौता कराते हुए सुलह करा दी थी।

अररियाः तालाब में नहाने गईं 3 लड़कियां, डूबने से सभी की मौत

अररिया. बिहार के अररिया जिले में तालाब में डूबने से तीन बच्चियों की मौत हो गई है। जिले के कुर्साकांटा प्रखंड के सोनामनी गोदाम थाना क्षेत्र स्थित डूमरिया पंचायत के आशा भाग बटराहा वार्ड संख्या-15 में सोमवार की देर शाम तालाब में डूबने से तीन बच्चियों की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के समय जोरदार बारिश हो रही थी। मृतकों में बटराहा निवासी असगर अंसारी की आठ वर्षीया बेटी तस्कीन खातून, इम्तियाज अंसारी की सात वर्षीया बेटी आसिया खातून व सज्जाद अंसारी की सात वर्षीया बेटी शमा खातून शामिल हैं। तस्कीम व आसिया खातून जलाल अंसारी की पोती हैं। असगर अंसारी व इम्तियाज अंसारी सगे भाई हैं। घटना के बाद मृतकों के घरों मे कोहराम मचा हुआ है। तीनो बच्चियां बगल के सरकारी मदरसा जामिया नुरूल होदा आशा भाग में चौथी कक्षा में पढ़ती थीं। इधर घटना की सूचना पर सोनामनी गोदाम पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जानकारी ली। इसके बाद तीनो शव को पोस्टमार्टम कराने के लिए कब्जे में लेने का प्रयास किया किया लेकिन परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से साफ इंकार कर दिया। इसके बाद पुलिस बैरंग वापस लौट गई। घटना के संबंध में परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार सोमवार की शाम मदरसा से मदरसा से पढ़कर तीन बच्चियां अपने-अपने घर पहुंचीं। इसके बाद खाना

खाकर ट्यूशन पढ़ी। फिर ये तीनों सहेलियां व अन्य बच्चे के साथ खेलने निकल गईं। बताया जाता है कि इसी दौरान तेज बारिश होने लगी तो तीनों बच्चियां पास के एक तालाब में नहाने लगीं। नहाने के दौरान पांव फिसलने से एक के बाद एक तीनों बच्चियां गहरे पानी में चली गईं। मौके पर ही तीनों की मौत हो गई। इधर कुछ अन्य बच्चों ने घर आकर घटना की जानकारी बच्ची के परिजनों को दी। घटना की सूचना पर परिजन दौड़े-दौड़े तालाब के पास पहुंचे। वहां ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। इसके बाद बच्चियों की खोजबीन की गई तो तीनों का शव बरामद हुआ। इधर सोनामनी गोदाम के थानेदार संजय कुमार ने बताया कि तीनों बच्चियों के परिजनों ने शवों का पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया। इसलिए पुलिस लौट गई। वहीं कुर्साकांटा सीओ आलोक कुमार ने परिजनों से बच्चियों पोस्टमार्टम कराने की अपील की है ताकि उन्हें सरकारी स्तर पर मुआवजा दिया जा सके। सीओ ने कहा कि बिना पोस्टमार्टम के सरकारी मुआवजा नहीं मिल सकेगा। घटना के बाद से ही गांव में मातम पसरा हुआ है।

नालंदा में नहाने के दौरान 2 बच्चियों की डूबकर मौतःगहरे पानी मे जाने से डूबने लगी बच्चियां

नालंदा. नालंदा में पानी भरे पईन में डूबने से मंगलवार दोपहर दो बच्चियों की मौत हो गई। मामला नगरनौसा थाना क्षेत्र अंतर्गत दामोदरपुर बजरंग स्थान के पास का है। मृत बच्चियों की पहचान इंदल पासवान की 10 साल की बेटी रिंकी कुमारी और रामबालक राम की 10 साल की बेटी सुहानी कुमारी के रूप में की गई है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि 4 बच्चियां गांव से उत्तर बजरंग स्थान के पास पईन में नहाने गई थी। तभी चारों बच्चियों में से 2 बच्चियां गहरे पानी में चली गई और डूबने लगी। जिसे देखकर 2 बच्चियां गांव पहुंचकर घटना की जानकारी दी। बच्चियों की ओर से जानकारी दिए जाने के बाद परिजन और गांव के लोग मौके पर पहुंचे और करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद दोनों बच्चियों की लाश को पानी से निकाला। गांव में एक साथ दो बच्चियों की मौत से पूरा इलाका गमगीन हो गया। रिंकी कुमारी गांव के ही मध्य विद्यालय में चौथी क्लास में पढ़ाई करती थी। जबकि सुहानी स्कूल नहीं जाती थी। नगरनौसा थाना अध्यक्ष शशि मिश्रा ने बताया कि घटना की सूचना मिलने के उपरांत पुलिस मौके पर पहुंच मामले की जांच पड़ताल में जुट गई एवं शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए बिहार शरीफ मॉडल अस्पताल भेज दिया गया है। नहाने के दौरान हादसा हुआ है। आवेदन मिलने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

कैबिनेट की बैठक में 41 एजेंडे पर मुहरः पत्रकारों की पेंशन, सफाई कर्मचारी आयोग के गठन को मंजूरी

पटना. नीतीश कैबिनेट की बैठक में मंगलवार को 41 एजेंडे पर मुहर लगी है। इसमें पत्रकारों के लिए पेंशन योजना की राशि बढ़ाकर 6,000 से 15,000 रुपए करने के प्रस्ताव को मंजूरी मिली है। बिहार राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के गठन को भी आज की बैठक में मंजूरी दी गई है। यह फैसला राज्य के सफाईकर्मियों को संगठित करने के लिए एक महत्वपूर्ण था। वहीं, गन्ना उद्योग विभाग के भर्ती सेवा नियमावली को अप्रूवल मिला है। बिहार मोटर वाहन दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण प्रस्ताव, बिहार पशु चिकित्सा सेवा नियमावली को मंजूरी मिली है।

बिहार में बनाए जाएंगे प्राथमिक स्कूल

ड्यूटी में गैरमौजूदगी के आरोप में 7 डॉक्टर को सेवा से बर्खास्त किया गया है। प्राथमिक स्कूलों को बनाए जाने को लेकर 270 करोड़ रुपए की मंजूरी मिली है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इस महीने पहले ही दो बार कैबिनेट बैठकें कर चुके हैं। 15 जुलाई और 18 जुलाई को आयोजित इन बैठकों में कई बड़े फैसले लिए गए थे।

युवा आयोग के लिए निकली 6 पदों पर वैकेंसी

इसके अलावा बैठक में बिहार राज्य निर्वाचन आयोग नियुक्ति प्रस्ताव को संशोधन के साथ मंजूरी मिली है। बिहार राज्य युवा आयोग के कुल 6 पदों को सृजन की मंजूरी मिली है। बिहार विधानमंडल के सदस्यों और न्यायिक सेवा के पदाधिकारी, राज्य सेवा के पदाधिकारी और कमी आश्रितों को आयु चिकित्सा पद्धति से कराई गई चिकित्सा के पैसे मिलेंगे। 14 दिन पहले हुई बैठक में एक करोड़ नौकरी और रोजगार को लेकर एक 12 सदस्यीय उच्चस्तरीय समिति के

गठन को स्वीकृति दी गई थी, जिसकी अध्यक्षता विकास आयुक्त करेंगे। इसके अलावा, कोसी नहर की सिंचाई सुविधा और जल प्रबंधन को सुदृढ़ करने के लिए लगभग 8,000 करोड़ रुपए के निवेश की मंजूरी दी गई थी। चुनाव आयोग द्वारा चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य में लगे कर्मचारियों को प्रोत्साहन स्वरूप 6,000 एकमुश्त मानदेय देने का निर्णय लिया गया था। इसके तहत 77,895 बीएलओ और 8,245 बीएलओ सुपरवाइजरों के लिए कुल 51.68 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी गई थी। साथ ही पटना मेट्रो रेल परियोजना के प्रायोरिटी कॉरिडोर के रखरखाव हेतु 179.37 करोड़ रुपए की राशि दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (DMRC) को देने की मंजूरी भी मिली थी। कुल 30 एजेंडों पर मुहर लगी थी। इस बैठक में राज्य सरकार ने आम उपभोक्ताओं के लिए बड़ी राहत की घोषणा करते हुए 125 यूनिट मुफ्त बिजली देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। इस योजना पर 19,793 करोड़ रुपए का अनुदान स्वीकृत किया गया है, और यह सुविधा 1 अगस्त 2025 से लागू होगी। बिहार विधानमंडल का सत्र समाप्त होने के बाद अब यह कैबिनेट बैठक आयोजित की जा रही है। माना जा रहा है कि चुनावी वर्ष को देखते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लगातार आम जनता से जुड़े बड़े फैसले ले रहे हैं और उन्हें तुरंत कैबिनेट से पारित भी करा रहे हैं। आज की बैठक में और भी कई योजनाओं और विकास परियोजनाओं पर मुहर लग सकती है।

70 हजार करोड़ का घोटाला नहीं हुआ, बिहार सरकार ने कैग रिपोर्ट को सामान्य प्रक्रिया बताया

बिहार सरकार ने नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (सीएजी) यानी कैग की रिपोर्ट में 70 हजार करोड़ रुपये के उपयोगिता प्रमाण पत्र को लेकर चल रही आशंकाओं को लेकर स्थिति स्पष्ट की है। सरकार ने इसे घोटाला मानने से इनकार कर दिया है। वित्त विभाग के प्रधान सचिव आनंद किशोर ने मंगलवार को प्रेस वार्ता में कहा कि यह कोई गबन या वित्तीय गड़बड़ी का मामला नहीं है। यह अकाउंटिंग की सामान्य प्रक्रिया है जो सभी राज्यों में लागू होती है। विभाग के अनुसार बिहार विधान मंडल में पिछले दिनों प्रस्तुत हुई इस रिपोर्ट को अब पब्लिक अकाउंट कमिटी को भेजा जाएगा। इस कमेटी के समक्ष वित्त सहित संबंधित विभागों के लोग अपना पक्ष रखेंगे। इसके बाद अंतिम प्रतिवेदन सरकार के समक्ष पेश किया जाएगा और सरकार उस पर एक्शन लेगी। प्रधान सचिव ने बताया कि पिछले पांच सालों में इस बार सबसे कम राशि का यूसी बिल लंबित है। लंबित बिल के मुकाबले हर साल इसका निष्पादन भी किया जाता है। 2022-23 में 1,09,093 करोड़ के यूसी बिल का समायोजन किया गया। सीएजी रिपोर्ट पेश किए जाने के बाद भी अब तक 51750 करोड़ रुपये के यूसी बिल का समायोजन किया जा चुका है। बता दें कि डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने हालिया मॉनसून सत्र में वित्तीय वर्ष 2023-24 की सीएजी रिपोर्ट को विधानसभा में पेश किया था। इसमें बिहार के महालेखाकार ने कहा था कि 70877 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उपयोगिता प्रमाण पत्र (यूसी) समय पर नहीं आया, इससे सरकारी फंड को उस योजना पर खर्च किया गया या नहीं, यह कहना मुश्किल है।

नागपंचमी पर मुजफ्फरपुर में विषहर मेला

महिलाओं ने पूजा-अर्चना के बाद नाग को दूध और लावा चढ़ाया

मुजफ्फरपुर. सावन महीने में शुक्ल पंचमी यानी मंगलवार को नागपंचमी मनाई गई। सुबह से ही मुजफ्फरपुर के शिवालयों के साथ-साथ गोबरसही पकड़ी गांव के पकड़ी पेठिया में विषहरी माता की पूजा अर्चना की गई। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान शिव और नाग देवता की पूजा कर सुख-समृद्धि की कामना की। बाबा गरीबनाथ मंदिर समेत नंदपुरी, बीबीगंज, अहियापुर, भिखनपुर और पुरानी बाजार के मंदिरों में सुबह 5 बजे से ही श्रद्धालु जुटने लगे थे। शिवालयों के साथ-साथ माता विषहरी मंदिर में आसपास के गांवों से कई सपेरे नाग भी लेकर पहुंचे थे। श्रद्धालुओं ने सपेरों से नाग को लेकर उन्हें दूध पिलाया, धान का लावा चढ़ाया और उनकी पूजा अर्चना की। मान्यता है कि इस दिन नाग देवता की पूजा करने से घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहती है और सर्पदोष से मुक्ति मिलती है। शिवालयों में पहुंचे

शिवभक्तों में शामिल बीबीगंज की रीता देवी ने कहा कि मैं हर साल नागपंचमी को नाग देवता की पूजा करती हूं। इस बार भी मंदिर में नाग देवता की पूजा की है और उन्हें दूध के साथ धान का लावा चढ़ाया है। वहीं, मंदिर में मौजूद सकरा के रहने वाले पेशे से सपेरा बाबूलाल ने बताया कि हम 15 किलोमीटर दूर से नाग लेकर आते हैं। भक्तजन बड़े भाव से पूजा करवाते हैं। इससे हमारी भी कुछ कमाई हो जाती है। वे बताते हैं कि जो नाग हम लेकर आते हैं, उनके विषैले दांत पहले से ही हटा दिए जाते हैं, जिससे डसने या काटने का खतरा नहीं होता।

नागपंचमी मेला देखने जा रहे युवक की हादसे में मौत

औरंगाबाद. औरंगाबाद में सड़क किनारे मंगलवार दोपहर ऑटो का इंतजार कर रहे युवक की हादसे में मौत हो गई। युवक नागपंचमी का मेला देखने जाने के लिए ऑटो का इंतजार कर रहा था। इसी दौरान एक तेज रफ्तार बाइक सवार ने युवक को टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक की मौत हो गई। घटना मदनपुर थाना क्षेत्र के शिवगंज बाजार के पास की है। मृतक की पहचान औरंगाबाद शहर के वार्ड नंबर 30 स्थित बिराटपुर चौधरी मुहल्ला के रहने वाले शत्रुघ्न चौधरी के बेटे 18 साल के अंशु कुमार के रूप में हुई है। सदर अस्पताल में मृतक के पिता शत्रुघ्न चौधरी ने बताया कि अंशु अपने मोहल्ले के ही चार दोस्तों के साथ मदनपुर के वार गांव स्थित नागपंचमी मेला घूमने जाने वाला था। औरंगाबाद से ऑटो पकड़कर शिवगंज उतरा। इसके बाद शिवगंज बाजार में खड़ा होकर वार मेला जाने के लिए ऑटो का इंतजार कर रहा था।

मुजफ्फरपुर में पुलिसकर्मियों पर हमला : विवादित जमीन पर अवैध निर्माण की सूचना पर पहुंची थी टीम

मुजफ्फरपुर. मुजफ्फरपुर में पुलिस टीम पर हमला हुआ है। विवाद जमीन पर अवैध निर्माण रोकने के लिए पहुंची थी। इस दौरान असामाजिक तत्वों ने हमला कर दिया। हमले में बोचहां थाना के एसएचओ राकेश कुमार, महिला पुलिसकर्मी कंचन कुमारी समेत 6 पुलिसकर्मी घायल हो गए। महिला पुलिसकर्मी की हालत गंभीर बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि महिला पुलिसकर्मी के सिर पर पत्थर लगने से वे गंभीर रूप से जख्मी हो गईं। कंचन कुमारी मौके पर ही बेहोश हो गई। पूरे मामले का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में पत्थरबाजी करते हुए कुछ लोग दिखाए दे रहे हैं। घटना बोचहां थाना क्षेत्र के बल्थी रसूलपुर गांव की है। बल्थी रसूलपुर गांव की रहने वाली सविता कुमारी और आदित्य कुमार ठाकुर के बीच भूमि विवाद का मामला कोर्ट में विचाराधीन है। इसके बावजूद सीओ की ओर से आदित्य कुमार ठाकुर के पक्ष को निर्माण की अनुमति दे दी गई थी। जब सविता कुमारी ने इसका विरोध किया तो माहौल तनावपूर्ण हो गया। इसकी सूचना थाने को दी गई। रविवार की दोपहर जब पुलिस निर्माण कार्य रोकवाने मौके पर पहुंची, तभी एक पक्ष के लोगों ने अचानक पथराव शुरू कर दिया। इसमें थानाध्यक्ष और महिला सिपाही समेत कई जवान घायल हो गए। हमले की सूचना मिलते ही अतिरिक्त पुलिस बल गांव पहुंचा और हालात को काबू में लिया। पुलिस ने पांच उपद्रवियों को मौके से हिरासत में लिया और बाद में सभी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

मिथिला एक्स. में कांवरियों पर हुआ जानलेवा हमला

मोतिहारी . बिहार के पूर्वी चंपारण जिले में मिथिला एक्सप्रेस ट्रेन में कांवरियों पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला कर दिया गया। हमले में दो कांवरिये गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों नेपाल के रहने वाले हैं। घटना सुगौली स्टेशन पर सोमवार को हुई। बताया जा रहा है कि कांवरियों के एक समूह का कुछ यात्रियों से सीट को लेकर झगड़ा हुआ था। इसी विवाद में उनपर हमला किया गया। रेल पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार ट्रेन नंबर 13201 हावड़ा-रक्सौल मिथिला एक्सप्रेस के बी-5 कोच में जसीडीह स्टेशन से कांवरियों का एक ग्रुप सवार हुआ था। उनका कोच में सवार सुगौली के कुछ यात्रियों से विवाद हो गया था।

कोई गड़बड़ी निकली तो हम हस्तक्षेप करेंगे, बिहार एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट में 12 अगस्त को होगी सुनवाई

पटना. बिहार में हो रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) को लेकर आज फिर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा- अगर बड़े पैमाने पर वोटर्स के नाम कटे हैं तो हम हस्तक्षेप करेंगे। सुप्रीम कोर्ट 12 अगस्त से बिहार एसआईआर मामले की सुनवाई शुरू करेगा। एसआईआर को चुनौती देने वाले याचिकाकर्ताओं की तरफ से कोर्ट में कहा गया कि 65 लाख मतदाताओं के नाम काटे जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि इनमें से कुछ अपना घर छोड़कर कहीं और चले गए हैं, कुछ मर गए हैं। जस्टिस बागची ने कहा- 'हम इस पूरे मामले को देख रहे हैं। अगर बड़े पैमाने पर मतदाताओं का नाम वोटर लिस्ट से काटा जा रहा है, तो हम तुरंत हस्तक्षेप करेंगे। आप ऐसे 15 लोगों को लेकर आइए जो कहें कि वे जीवित हैं और उनको मरा दिखाकर नाम काट दिया गया है।' सोमवार को कोर्ट ने ने SIR पर रोक से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने एडीआर से कहा था- 'अगर खामी मिली तो पूरी प्रक्रिया रद्द कर देंगे।' इसके साथ ही चुनाव आयोग से पूछा है- आधार कार्ड, वोटर आईडी और राशन कार्ड को मतदाता पहचान के लिए स्वीकार क्यों नहीं किया जा रहा है। चुनाव आयोग ने कहा कि 'राशन कार्ड पर विचार नहीं किया जा सकता। यह बहुत बड़े पैमाने पर बना है, फर्जी होने की संभावना अधिक है।' SC ने कहा- अगर बात फर्जीवाड़े की है तो धरती पर कोई ऐसा डॉक्यूमेंट नहीं है, जिसकी नकल नहीं हो सके। ऐसे में 11 दस्तावेजों के आपके सूचीबद्ध करने का क्या आधार है?

65 लाख नाम लिस्ट से हटे

चुनाव आयोग ने 27 जुलाई को SIR के पहले चरण के आंकड़े जारी कर दिए हैं। इसके मुताबिक बिहार में अब 7.24 करोड़ वोटर हैं। पहले यह आंकड़ा 7.89 करोड़ था। वोटर लिस्ट रिवीजन के बाद 65 लाख नाम सूची से हटा दिए गए हैं। हटाए गए नामों में वे लोग शामिल हैं, जो अब इस दुनिया में नहीं हैं या फिर कहीं और स्थायी रूप से रह रहे हैं या जिनका नाम दो वोटर लिस्ट में दर्ज था। इनमें से 22 लाख लोगों की मौत हो चुकी है। 36 लाख मतदाता स्थानांतरित पाए गए, जबकि 7 लाख लोग अब किसी और क्षेत्र के स्थायी निवासी बन चुके हैं।

प्रेमी साथ पकड़ी गई शादीशुदा महिला, हाथ बांधकर पीटा, पूरे गांव में घुमाया, बोली- मैं बॉयफ्रेंड के साथ ही रहूंगी; पति से मेरा कोई रिश्ता नहीं

कटिहार. कटिहार में शादीशुदा महिला अपने प्रेमी के साथ आपत्तिजनक हालत में कमरे में पकड़ी गई। जिसके बाद ग्रामीणों ने दोनों की पिटाई कर दी। हाथ बांधकर दोनों को गांव में घुमाया। मामला मनसाही थाना क्षेत्र के कुरेठा पंचायत के पंचवर्गा गांव का है। महिला फिलहाल अपने ननिहाल में रह रही थी, जहां उसके नाना ने दोनों को पकड़ लिया। महिला कविता की 3 साल पहले टिंकू साह से शादी हुई थी। 2 साल से महिला का अपने चचेरे देवर जीत साह से अफेयर चल रहा था। कविता ने अपने प्रेमी जीत कुमार को पश्चिम

बंगाल से बुलाया था। दोनों ननिहाल के घर के एक कमरे में थे। तभी अचानक लड़की के नाना और कुछ ग्रामीणों ने उन्हें पकड़ लिया। अब पति कविता को साथ रखना नहीं चाहता, न ही कविता उसके साथ रहना चाहती है। उसका कहना है कि वो प्रेमी जीत के साथ ही रहेगी।

एक साल से चल रहा था अफेयर

कविता की शादी 3 साल पहले पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के टिंकू साह से हुई थी। दोनों की एक डेढ़ साल की बेटी भी है। शादी के 2 साल बाद ही कविता का उसके चचेरे देवर जीत कुमार साह से प्रेम-प्रसंग शुरू हो गया। इसके 3 महीने बाद वो अपने मायके पंचवर्गा गांव आई। इस दौरान कई बार वो अपने प्रेमी को यहां मिलने बुलाई। इस दौरान 6 महीने पहले दोनों को घर वालों ने पकड़ लिया। इसके बाद पंचायत बुलाई गई और आपसी समझौते से मामला सुलझा लिया गया। घर वाले कविता को समझा-बुझाकर पति और बच्ची के साथ ससुराल भेज दिए। लेकिन 3 महीने पहले वो फिर मायके आई। अभी वो अपने ननिहाल में रह रही थी। नाना ने कविता को प्रेमी के साथ कमरे में पकड़ लिया। उन्होंने लड़के को पकड़कर कमरे से बाहर निकाला। घटना की सूचना मिलते ही पति मंगलवार की सुबह ससुराल पहुंचा और पति को अपनाने से इनकार कर दिया। पति टिंकू साह ने बताया कि 3 साल पहले कविता से मेरी शादी हुई थी। हमारी डेढ़ साल की बच्ची भी है। लेकिन अब लड़की हमे छोड़ना चाहती है। इससे पहले भी एक बार दोनों पकड़े गए थे। लेकिन सुलह हो गई थी। लेकिन अब वो मुझे छोड़ना चाहती है, तो अब हम भी उसके साथ नहीं रहना चाहते है। पंचायत में लिखित रूप से हम एक दूसरे को स्वेच्छा से छोड़ रहे है। मेरा अब मेरी पत्नी से कोई रिश्ता नहीं रहेगा।

सम्पादकीय

कोयलांचल संवाद

एसआईआर में गृह एवं विधि मंत्रालय, के हस्तक्षेप से चुनाव आयोग की निष्पक्ष भूमिका पर सवालिया निशान

बिहार में चल रही मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया यानी (एसआईआर) अब चुनाव आयोग की प्रशासनिक कवायद नहीं रह गई है। बल्कि यह प्रक्रिया भारतीय लोकतंत्र की नींव को झकझोर देने वाला संवेदनशील मुद्दा बन गया है। रिपोर्टर्स कलेक्टिव और कई स्वतंत्र पत्रकारों की पड़ताल से जमीनी हकीकत एवं वास्तविक्ता उजागर हुई है। एसआईआर की पूरी प्रक्रिया न केवल अपारदर्शी है, बल्कि इसमें गृह मंत्रालय, विधि मंत्रालय के साथ चुनाव आयोग की भूमिका पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। सबसे पहला सवाल चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर है। संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत चुनाव आयोग एक स्वतंत्र और स्वायत्तशायी संस्था है। जब चुनाव आयोग गृह मंत्रालय या विधि मंत्रालय से बिना सार्वजनिक सूचना के कानूनी सलाह लेकर ऐसा कोई बड़ा कदम उठाती है। जो चुनाव की निष्पक्षता को प्रभावित कर सकते हैं। यह उसकी स्वायत्तता पर प्रश्न चिन्ह लगाता है। रिपोर्ट के अनुसार आयोग ने बिहार में एसआईआर की शुरुआत करने से पहले विधि मंत्रालय से परामर्श लिया था। इसकी कोई फाइल मौजूद विधि मंत्रालय और चुनाव आयोग के पास मौजूद नही है। सूचना अधिकार कानून में भी इसकी पुष्टि नही की गई है। चुनाव आयोग ने विधि मंत्रालय और गृह मंत्रालय की राय पर विशेष गहन परीक्षण के नियम तैयार किए गए हैं। ऐसे में यह संदेह गहरा होता है। क्या आयोग पर सरकार और उसके मंत्रालयों का कोई दबाव था? यह सही है तो चुनाव आयोग ने यह जानकारी सार्वजनिक क्यों नहीं विधि मंत्रालय का यह कहना कि उनके पास कोई रिकॉर्ड मौजूद नहीं है। इसे एक गंभीर प्रशासनिक चूक या जानबूझकर की गई गड़बड़ी की ओर इशारा करता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी सरकारी प्रक्रिया का हर दस्तावेज रिकॉर्ड में होना चाहिए, यह नियम है। जब करोड़ों नागरिकों के मतदाता अधिकारों पर असर डालने वाला निर्णय लिया जा रहा था। तब इस स्तर की गोपनीयता ना केवल अलोकतांत्रिक है। बल्कि संवैधानिक मूल्यों के खिलाफ होकर कई संदेहों को जन्म दे रही है। इस मामले में गृह मंत्रालय की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई है। विभिन्न जिलों के कलेक्टरों और पुलिस को एसआईआर के नाम पर जिन लोगों की नागरिकता प्रमाणित कराने की जिम्मेदारी दी गई है। वह अप्रत्यक्ष रूप से असम में की गई एनआरसी जैसी प्रक्रिया की पुनरावृत्ति के समान है। संविधान के अनुच्छेद 326 में उल्लिखित नागरिकों के सार्वभौमिक मौलिक एवं मताधिकार के सिद्धांत पर गहरा आघात माना जा रहा है। तीनों संस्थाओं जिसमे गृह मंत्रालय, विधि मंत्रालय और चुनाव आयोग की संयुक्त राय से यदि मतदाता सूची में परिवर्तन या छेड़छाड़ हो रही है। तो यह लोकतंत्र तथा संविधान की आत्मा पर सीधा हमला है। बिहार में मतदाता सूची में हो रहे सघन परीक्षण के बाद इस सारे देश में लागू करने की बात की जा रही है ऐसी स्थिति में निष्पक्ष न्यायिक जांच बहुत जरूरी हो जाती है। एडीआर एक ऐसी संस्था है, जो पिछले दो दशक से चुनाव सुधार को लेकर काम कर रही है। बिहार में मतदाता सूची के सघन परीक्षण के पूर्व चुनाव आयोग द्वारा राजनीतिक दलों से कोई चर्चा नहीं की गई है। जब चुनाव आयोग नियमों में बड़े परिवर्तन कर रहा था। पिछले 7 दशक में चुनाव आयोग राजनीतिक दलों की बैठक बुलाकर चर्चा करके नियमों में संशोधन या चुनाव सुधार के लिए रायशमारी करता था। पिछले कुछ वर्षों से चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों से संवाद बंद कर दिया है। चुनाव आयोग अपने स्तर पर ही नियमों में परिवर्तन करता चला आ रहा है। चुनाव आयोग की कार्य प्रणाली और उसके निर्णयों की जितनी आलोचना पिछले 2-3 वर्षों से हो रही है। इसके पहले कभी नहीं हुई। चिंता की बात यह है, चुनाव आयोग की कार्य प्रणाली से अब राजनीतिक दलों और मतदाताओं का भरोसा खत्म होने लगा है। यह स्थिति कहीं से भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए सही नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के लिए प्रधानमंत्री नेता प्रतिपक्ष और सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस की कमेटी बनाने का फैसला दिया था। सरकार ने जब कानून बनाया, उसमें चीफ जस्टिस के स्थान पर प्रधानमंत्री द्वारा नियुक्त कैबिनेट मंत्री को उस कमेटी का सदस्य बना दिया। लोकसभा चुनाव के दौरान जितनी भी शिकायतें विपक्षी दलों द्वारा की गई, उन पर चुनाव आयोग ने समय रहते कोई कार्रवाई नहीं की। चुनाव आदर्श आचार संहिता का लगातार उल्लंघन सत्तारूड पार्टी द्वारा किया जा रहा था। उसके बाद महाराष्ट्र, हरियाणा के चुनाव परिणाम में जितनी आलोचना चुनाव आयोग की हुई है। पहले कभी नहीं हुई थी। पहले लोकसभा और विधानसभा वार मतदान की जानकारी मतदान के दूसरे दिन 12 बजे तक अपडेट हो जाती थी। पिछले कुछ चुनावों में इसे प्रतिशत के हिसाब से राज्यवार बताया जाने लगा। मतदान के परसेंटेज में बार-बार परिवर्तन होता रहा। जिसके कारण राजनीतिक दलों और मतदाताओं को जो विश्वास चुनाव आयोग प्रति था, वह धीरे-धीरे खत्म हो रहा है। सुप्रीम कोर्ट में भी चुनाव आयोग से संबंधित जो मामले गए, उनमें कई मामलों में अभी तक ना तो सुनवाई हुईं, जिन मामलों में सुनवाई हुई, उनमें भी कोई ठोस निर्णय नहीं हुए। जिसके कारण राजनीतिक दलों में अविश्वास बढ़ गया है। बिहार के लिए चुनाव आयोग ने मतदाताओं के लिए दस्तावेज के जो नियम बनाये हैं, वह अव्यावहारिक हैं। जिसके कारण बिहार में जन आंदोलन की शुरुआत हो चुकी है। यह आंदोलन अन्य राज्यों में भी फैलता हुआ दिख रहा है। नियम और कानून की अहमियत तभी तक है, जब तक लोग इसे मानते हैं। यदि जबरदस्ती नियम और कानून थोपे जाते हैं, ऐसी स्थिति में उनका विरोध होता है। जनता नियम-कानून मानने से इनकार कर देती है। जिसके कारण कानून तंत्र पर भीड़ तंत्र का भारी पड़ने लगता है। इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में चल रही है। न्यायपालिका, संविधान की संरक्षक है। आशा की जाती है, इतने संवेदनशील मामले में न्यायपालिका गंभीरता के साथ सुनवाई करें। चुनाव आयोग, जो दावा कर रहा है, वह सही है, या गलत है। इसको सुप्रीम कोर्ट को देखना होगा। चुनाव आयोग संवैधानिक संस्था है। इस पर बैठे हुए लोग किस तरह से कार्य कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट को सत्य की तह पर जाने के लिए सभी पक्षों की बात सुननी होगी। सुप्रीम कोर्ट का जो भी फैसला होगा, चुनाव आयोग, राजनीतिक दल और मतदाताओं का विश्वास बहाल हो। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय पर सारे देश एवं दुनिया की निगाहें हैं।

शिष्य बना प्रशंसा का पात्र

गंगा किनारे गुरु अभेंद्र का आश्रम था। एक बार देश में भीषण अकाल पड़ा। गुरु अभेंद्र ने संकटग्रस्तों की मदद के उद्देश्य से अपने तीन शिष्यों को बुलाकर कहा - ऐसे संकट के समय में हमें अकाल पीड़ितों की सेवा करनी चाहिए। तुम लोग अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर भूखों को भोजन कराओ। उनकी बात सुनकर शिष्य बोले - गुरुजी, हम इतने सारे लोगों को भोजन कैसे कराएंगे? हमारे पास न तो अन्न भंडार है और न अनाज खरीदने के लिए धन। तब गुरु अभेंद्र ने उन्हें एक थाली देते हुए कहा - यह थाली दिव्य है। तुम जितना भोजन मांगोगे, यह उतना भोजन उपलब्ध कराएगी। तीनों शिष्य थाली लेकर निकल पड़े। दो शिष्य एक स्थान पर बैठ गए। उधर से जो भी गुजरता, उसे वे भोजन कराते। किंतु तीसरा शिष्य मोहन बैठा नहीं, बल्कि घूम-घूमकर भूखों को खोजता रहा और उन्हें खाना बांटता रहा। कुछ दिनों बाद जब तीनों आश्रम लौटे, तो गुरु ने मोहन की खूब प्रशंसा की। दोनों शिष्यों को यह अजीब लगा।

उन्होंने पूछा - गुरुदेव, हमने भी तो अकाल पीड़ितों की सेवा की है। फिर मोहन की ही प्रशंसा क्यों गुरु ने उत्तार दिया - तुमने एक ही स्थान पर बैठकर पीडघ्तों की सहायता की। ऐसा करने से वे लोग तुम्हारी मदद से वंचित रह गए, जो चलकर तुम्हारे पास आने में असमर्थ थे। जबकि मोहन ने लोगों के पास जा-जाकर उन्हें भोजन कराया। उसकी सहायता अधिकतम लोगों तक पहुंची, इसलिए उसकी सेवा अधिक प्रशंसा के योग्य है। कथा का सार यह है कि वही सेवा अधिक सराहनीय होती है, जो आगे बढ़कर की जाए।

भारत के लाखों नागरिकों को क्यों भा रहा है विदेश?

> भारत विदेश मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, मई 2024 तक दुनिया में कुल लगभग 3.542 करोड़ भारतीय मूल के लोग रह रहे हैं। ये आंकड़े बता रहे हैं कि भारत से सबसे ज्यादा लोग विदेशों में बस चुके हैं, जिन्हें बेहतर जिंदगी जीने की लालसा है और कुछ बेहतर करने की जिज्ञासा है। इसी प्रकार हेनले प्राइवेट वेल्थ माइग्रेशन रिपोर्ट 2025 बताती है कि भारत सालाना सबसे ज्यादा करोड़पतियों को खोने वाले शीर्ष पांच देशों में से एक है। आश्चर्यजनक और चिंतनीय बात यह है कि इन करोड़पतियों के अपने साथ 26.2 बिलियन डॉलर की संयुक्त संपत्ति देश से बाहर ले जाने की उम्मीद जताई जा रही है।

डॉ. हिदायत अहमद खान

भारत के सक्षम नागरिकों में पिछले कुछ सालों में देश छोड़कर विदेश में बसने की प्रवृत्ति ज्यादा ही बढ़ गई है। यह हम नहीं कह रहे बल्कि संसद के उच्च सदन में विदेश मंत्रालय द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़े बता रहे हैं। लाखों की तादाद में न सिर्फ विदेश में बसने बल्कि भारतीय नागरिकता छोड़ने के जो आंकड़े सामने आए हैं वे देश की दशा और दिशा तय करने वालों से तीखे सवाल भी कर रहे हैं। आखिर देशभक्ति और देशप्रेम की विदेश में अलख जगाने का दम भरने वाले इन खासम-खास लोगों को हुआ क्या है, जो वतन की तरफ पलट कर देखना भी पसंद नहीं कर रहे हैं। आखिर किससे और क्योंकर गलती या गुनाह हुआ, जिसका दर्द हमारे प्यारे हिंदुस्तान को सहना पड़ रहा है। आखिर यह कैसे भुलाया जा सकता है कि जन्मभूमि के लिए सभी समान होते हैं, फिर चाहे वह किसी भी धर्म, जाति या सम्प्रदाय का ही क्यों न हो। अमीर हो या गरीब, काला हो कि गोरा, कद में ऊंचा हो कि नाटा, खान-पान, रहन-सहन और पहनावा कुछ भी क्यों न हो पहले तो वह भारतीय ही है, जिसे मॉ भारती ने अपनी गोद में बड़े लाड़-प्यार से पाला-पोसा है। आज वही लाड़ले विदेश में बसने को मजबूर क्यों हो रहे हैं? या फिर विदेशी कहलाने को स्टेटस-सिंबल बना यहां से क्यों मुंह मोड़ रहे हैं? शिक्षा, स्वास्थ्य और कारोबार के साथ ही रोजगार जैसे सवाल अनगिनत हैं जिसके जवाब आज नहीं तो कल कर्ता-धर्ताओं को देने ही होंगे। आखिरकार लाखों करोड़पतियों का यूं भारत छोड़ देना, देश और समाज के लिए हानिकारक ही माना जाएगा।

इससे पहले कि विदेश जाने और हमेशा के लिए वहीं बस जाने के कारणों पर विचार करें यहां उच्च सदन में प्रस्तुत आंकड़ों पर भी एक नजर दौड़ा लेते हैं। दरअसल राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने राज्यसभा में भारतीय नागरिकता त्यागने संबधी एक सवाल के जवाब में जो आंकड़े प्रस्तुत किए हैं वो पहली ही नजर में गंभीर और चिंता में डालने वाले हैं। विदेश मंत्रालय द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार साल 2024 में 2,06,378 भारतियों ने नागरिकता छोड़ी है। इससे पहले साल 2023 में 2,16,219, 2022 में 2,25,620, साल 2021 में 1,63,370, साल 2020 में 85,256 और साल 2019 में 1,44,017 लोग भारतीय नागरिकता त्याग चुके हैं। इस प्रकार बीते वर्ष में ही 2 लाख से ज्यादा भारतीयों ने अपने वतन की नागरिकता छोड़ विदेश की नागरिकता ले ली है।

इससे हटकर पूरी दुनिया में भारत के लाखों लोग ऐसे भी हैं जो पूरी जिंदगी तो विदेश में गुजार देते हैं लेकिन वहां कि नागरिकता नहीं लेते हैं। मतलब साफ है कि ग्रीन कार्डधारी बनकर विदेश में जीवन गुजारना इन्हें पसंद आ जाता है। ऐसे ज्यादातर लोग सिर्फ मजबूरी में या विशेष ऑकिजन में तफरी के तौर पर देश का रुख करते हैं। जो कमाई के लिए या अन्य कारणों से मजबूरीवश विदेश में रह रहे होते हैं उनके लिए जरुर विदेश में रहना किसी सजा से कम नहीं होता है। हमेशा अपनों की कमी और देश की मिट्टी की खुशबू से वंचित होने का दर्द इन्हें सालता रहता है। खुशी का पल हो कि गम का पहाड़ जैसा समय वतन के साथ अपनों की याद दिलाने के लिए काफी होता है। ऐसे समय में ये मजबूरी को कर्तव्य समझ घुटनभरी जिंदगी जीते हैं। इनकी तादाद अन्य से बहुत कम होती हो, ऐसा नहीं है, फिर भी इनकी सुनवाई न तो वहां होती है और न ही यहां। जिन्हें परवाह होती है वे खुद दूसरों के एहसान और खुद की लाचारी के बोझ तले दबे होते हैं। ऐसे में ईश्वर ही इनका मालिक होता है। इन सब को मिला लें तो भारतीय प्रवासी दुनिया का सबसे बड़ा प्रवासी समुदाय बन जाता है। एक सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक प्रति वर्ष 2.5 मिलियन (25 लाख) भारतीय विदेशों में प्रवास करते हैं, जिससे भारत दुनिया का सबसे ज्यादा वार्षिक प्रवासियों वाला देश भी कहलाता है। कोटक प्राइवेट द्वारा ईवाई के साथ साझेदारी में किए गए एक सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक 22 प्रतिशत अति-धनी भारतीयों ने बेहतर जीवन स्तर, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और व्यापार में आसानी के लिए देश छोड़ने की इच्छा व्यक्त की। इससे साफ है कि जो नागरिक देश छोड़ चुके हैं सो वो तो छोड़ ही चुके हैं अब आगे भी लाखों भारतीय विदेश जाने की तैयारी में बैठे हुए हैं।

सरकारी आंकड़े बतलाते हैं कि भारत में करोड़पतियों की आबादी बढ़ी है, बावजूद इसके करों के बोझ और जाँच व आर्थिक व्यवसायिक औपचारिकताओं के कारण बड़ी संख्या में लोग भारत छोड़ रहे हैं।

ऐसे में संयुक्त अरब अमीरात भारतीयों के गंतव्य की पसंदीदा जगह बन गई है। यहां की शून्य-कर व्यवस्था और जिंदगी जीने को आसान बनाने वाले प्लान धनाढ्य भारतियों को आकर्षित करते हैं। यूएन वर्ल्ड माइग्रेशन रिपोर्ट 2024 के मुताबिक, दुनिया भर में लगभग 1.8 करोड़ भारतीय प्रवासी हैं। प्रवासियों के पसंदीदा देशों की बात करें तो रिपोर्ट बताती है कि एनआरआई और पीआईओ कैटागिरी को मिलाकर अमेरिका में कुल भारतीय आबादी 54,09,062 है, जबकि कनाडा में 28,75,954, मलेशिया में 29,14,127, सऊदी अरब में 24,63,509, कुवैत में 9,95,528, ब्रिटेन में 18,64,318, दक्षिण अफ्रीका में 17,00,000, श्रीलंका में 16,07,500 कुल भारतीय आबादी है। इसी के साथ बताया जाता है कि यूएई, सऊदी अरब और कुवैत में बेहतर रोजगार के अवसर और निवेश के खुले रास्ते भारतीयों को आकर्षित करते हैं। जबकि श्रीलंका, मलेशिया, म्यांमार और सिंगापुर में ऐतिहासिक प्रवासन के साथ ही व्यापारिक संबंधों के चलते भारतीय आबादी पुरानी है।

भारत विदेश मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, मई 2024 तक दुनिया में कुल लगभग 3.542 करोड़ भारतीय मूल के लोग रह रहे हैं। ये आंकड़े बता रहे हैं कि भारत से सबसे ज्यादा लोग विदेशों में बस चुके हैं, जिन्हें बेहतर जिंदगी जीने की लालसा है और कुछ बेहतर करने की जिज्ञासा है। इसी प्रकार हेनले प्राइवेट वेल्थ माइग्रेशन रिपोर्ट 2025 बताती है कि भारत सालाना सबसे ज्यादा करोड़पतियों को खोने वाले शीर्ष पांच देशों में से एक है। आश्चर्यजनक और चिंतनीय बात यह है कि इन करोड़पतियों के अपने साथ 26.2 बिलियन डॉलर की संयुक्त संपत्ति देश से बाहर ले जाने की उम्मीद जताई जा रही है।

संसद का मानसून सत्र : हंगामे बनाम संवाद का भविष्य

> वर्तमान समय में एक बड़ा खतरा यह है कि संसद अब केवल वैचारिक मंथन का मंच नहीं, बल्कि टेलीविज़न और सोशल मीडिया की हिट होने की होड़ का अखाड़ा बनता जा रहा है। कई सांसद संसद में दिए गए वक्तव्यों की तैयारी ऐसे करते हैं जैसे वे किसी न्यूज़ डिबेट में भाग लेने जा रहे हों। भाषणों में तथ्य कम, नाटकीयता अधिक होती है। कई बार प्रश्न यह भी उठता है कि क्या सांसद यह जान-बूझ कर हंगामा करते हैं ताकि उनका चेहरा अगली सुबह टीवी चैनलों की ब्रेकिंग न्यूज़ में छा जाए? यह प्रवृत्ति न केवल लोकतंत्र को हास्यास्पद बनाती है, बल्कि गंभीर विषयों की उपेक्षा करती है। क्या हम यह भूल गए हैं कि संसद केवल राजनीति का मंच नहीं, बल्कि नीति और राष्ट्रनिर्माण का महाशिविर है?

प्रशांत चौबे

भारतीय लोकतंत्र की आत्मा उस महान भवन में बसती है जिसे हम संसद कहते हैं। यहीं देश की नीतियाँ बनती हैं, कानून आकार लेते हैं और जनप्रतिनिधि अपने क्षेत्र की समस्याओं को राष्ट्रीय विमर्श में बदलते हैं। परंतु यह विडंबना नहीं तो और क्या है कि जिस मंच पर विचारों की भिड़ंत से समाधान का सूर्योदय होना था, वहां अब केवल शोर, नारे और हंगामा सुनाई देता है? संसद का मानसून सत्र, जो देश की लोकतांत्रिक चेतना को पुष्ट करने का अवसर बन सकता था, बार-बार बाधित होता रहा। यह घटनाक्रम न केवल सरकार और विपक्ष के बीच संवादहीनता का संकेत है, बल्कि संसद जैसी सर्वोच्च संस्था की गरिमा के क्षरण का भी द्योतक है। विगत कुछ वर्षों में संसद की कार्यप्रणाली पर आंकड़े ही नहीं, आम जनमानस की चिंता भी यह दर्शाने लगी है कि लोकतंत्र का यह मंदिर राजनीतिक युद्धभूमि बनता जा रहा है। मानसून सत्र 2025 कोई अपवाद नहीं रहा। टीवी चैनलों और अखबारों की सुर्खियाँ बताती हैं कि इस बार भी विधायी कार्यों की बजाय हंगामे, स्थगन, निलंबन और आरोप-प्रत्यारोप का ही बोलबाला रहा। प्रश्न यह है कि क्या संसद का मंच केवल राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन का अखाड़ा बनकर रह जाएगा? क्या संवाद की संस्कृति, जो लोकतंत्र की धुरी है, अब इतिहास की बात बनती जा रही है?

भारतीय संसद का इतिहास गौरवशाली रहा है। स्वतंत्रता के बाद प्रारंभिक दशकों में पंडित नेहरू, डॉ. अम्बेडकर, श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसे नेताओं ने संसद को वैचारिक मंथन का केंद्र बनाया। पक्ष और विपक्ष दोनों की बहसें शालीनता, तर्क और तथ्य पर आधारित होती थीं। लेकिन आज की स्थिति में विरोध का तरीका बदल चुका है। विपक्ष बहस की बजाय वेल में आकर प्रदर्शन करता है और सरकार बहस से बचते हुए विधेयकों को बिना चर्चा के पारित करवाने में रुचि दिखाती है। इससे दोनों पक्षों की जवाबदेही पर प्रश्नचिह्न खड़ा होता है। मानसून सत्र के दौरान सरकार द्वारा लाए गए कई महत्त्वपूर्ण विधेयक—जैसे डेटा संरक्षण कानून, जनसंख्या नीति का प्रारूप, तीन तलाक से संबंधित संशोधन या चुनाव सुधार—पर पर्याप्त बहस नहीं हो सकी। विपक्ष की रणनीति रही कि सरकार को बिना जवाबदेही के विधेयक पारित न करने दिए जाएं, लेकिन इसका तरीका केवल हंगामा था, कोई वैकल्पिक प्रस्ताव या ठोस सुझाव नहीं। दूसरी ओर, सरकार ने यह कह कर बहस से बचने की कोशिश की कि विपक्ष संसद चलने नहीं दे रहा। यह एक और एक ग्यारह का लोकतांत्रिक समीकरण नहीं, बल्कि दोनों गलत की स्थिति बनाता है। जब संसद में कामकाज नहीं होता, तो असल में नुकसान किसका होता है? जवाब है—जनता का। एक आम नागरिक संसद में अपने प्रतिनिधियों को भेजता है ताकि वे उसकी आवाज बनें, उसकी समस्याएं रखें, नीतियों पर चर्चा करें और जवाबदेही तय करें। लेकिन जब सत्र स्थगन और हंगामे में बीतता है, तो किसान की फसल, बेरोजगार का भविष्य, महिला की सुरक्षा, छात्र की शिक्षा—ये सब मुद्दे पीछे छूट जाते हैं। 2025 के मानसून सत्र में रोजगार, महंगाई, महिला आरक्षण, चिकित्सा व्यवस्था और जलवायु परिवर्तन जैसे ज्वलंत विषयों पर सार्थक चर्चा नहीं हो सकी। यदि विपक्ष वेल में प्रदर्शन करता रहा और सत्ता पक्ष जवाब देने की बजाय मौन रहा या विधेयकों को ध्वनि मत से पारित करवा देता रहा, तो यह पारदर्शिता और जवाबदेही के लोकतांत्रिक सिद्धांतों का अपमान है।

यह भी महत्वपूर्ण है कि संसद का मंच अब रणनीति और इवेंट मैनेजमेंट का स्थान बनता जा रहा है। विपक्ष जानबूझ कर हंगामा करता है ताकि सरकार को कठघरे में खड़ा किया जा सके, वहीं सरकार सत्र की शुरुआत से ही 'काम नहीं करने देने वाले विपक्ष' की छवि बनाकर सहानुभूति अर्जित करती है। यह एक तरह का जन-धोखा है, जिसमें दोनों पक्ष अपनी राजनीति साध रहे हैं और लोकतंत्र का मुख्य उद्देश्य—जनसेवा—कहीं गुम होता जा रहा है। इस मानसून सत्र में सांसदों के निलंबन की घटनाएं, कई महत्वपूर्ण विधेयकों को बिना चर्चा पारित कर देना और प्रधानमंत्री का विपक्ष की चिंताओं को 'बेहूदी राजनीति' कहकर खारिज कर देना—इन सबने यह प्रश्न खड़ा किया है कि क्या हम संवाद के युग से वाकयुद्ध के युग में प्रवेश कर चुके हैं? इस प्रश्न का उत्तर केवल आलोचना से नहीं, बल्कि एक सकारात्मक दृष्टिकोण से ढूंढ़ा जाना चाहिए कि संसद की गरिमा को कैसे बहाल किया जा सकता है? प्रथम आवश्यकता है—राजनीतिक इच्छाशक्ति की। जब तक सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों इस बात को नहीं स्वीकार करेंगे कि संसद का मूल कार्य बहस और संवाद है, तब तक सुधार की कोई भी कोशिश सतही ही सिद्ध होगी। सरकार को चाहिए कि वह विपक्ष की आलोचनाओं को केवल राजनीति कह कर न टाले, बल्कि उन्हें सुनने, समझने और उत्तर देने की संस्कृति विकसित करे। वहीं विपक्ष को भी यह समझना होगा कि वेल में आकर नारे लगाने और आसन के पास प्रदर्शन करने से कोई लोकतांत्रिक उद्देश्य सिद्ध नहीं होता। जनता ने विपक्ष को नकारात्मक राजनीति के लिए नहीं, बल्कि सशक्त विकल्प और जनहित में प्रश्न उठाने के लिए संसद में भेजा है। भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में जहां विविधता इतनी व्यापक है कि एक कानून का असर हर क्षेत्र में भिन्न हो सकता है, वहां परिपक्व, बहुआयामी और विवेकपूर्ण बहस की आवश्यकता और भी अधिक बढ़ जाती है। यदि विधेयक बिना विमर्श के पारित होते रहेंगे, तो नीति निर्माण एकपक्षीय हो जाएगा और इसका प्रभाव जमीनी स्तर पर नकारात्मक होगा। इससे न केवल जनविश्वास पर असर पड़ेगा, बल्कि विधायिका की वैधता भी प्रश्नों के घेरे में आ जाएगी।

वर्तमान समय में एक बड़ा खतरा यह है कि संसद अब केवल वैचारिक मंथन का मंच नहीं, बल्कि टेलीविज़न और सोशल मीडिया की हिट होने की होड़ का अखाड़ा बनता जा रहा है। कई सांसद संसद में दिए गए वक्तव्यों की तैयारी ऐसे करते हैं जैसे वे किसी न्यूज डिबेट में भाग लेने जा रहे हों। भाषणों में तथ्य कम, नाटकीयता अधिक होती है। कई बार प्रश्न यह भी उठता है कि क्या सांसद यह जान-बूझ कर हंगामा करते हैं ताकि उनका चेहरा अगली सुबह टीवी चैनलों की ब्रेकिंग न्यूज़ में छा जाए? यह प्रवृत्ति न केवल लोकतंत्र को हास्यास्पद बनाती है, बल्कि गंभीर विषयों की उपेक्षा करती है। क्या हम यह भूल गए हैं कि संसद केवल राजनीति का मंच नहीं, बल्कि नीति और राष्ट्रनिर्माण का महाशिविर है? यदि सांसद सोशल मीडिया ट्रेंड्स के आधार पर अपनी रणनीतियाँ तय करने लगें, तो संसद का स्वरूप मात्र एक जनसंपर्क मंच बन जाएगा, न कि नीति निर्माण की कार्यशाला। समस्या के समाधान की दिशा में कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाए जा सकते हैं।

भारत की वैश्विक कूटनीति : नई विश्व व्यवस्था में उभरता नेतृत्व

पूनाम चतुर्वेदी शुक्ला

21वीं सदी की शुरुआत से लेकर अब तक वैश्विक राजनीति, कूटनीति और आर्थिक समीकरणों में गहरे और तेज़ परिवर्तन हुए हैं। अमेरिका और पश्चिमी देशों की एकध्रुवीय व्यवस्था धीरे-धीरे बहुध्रुवीय व्यवस्था में परिवर्तित हो रही है, जिसमें भारत की भूमिका न केवल एक निष्क्रिय दर्शक की रही है, बल्कि वह एक सक्रिय, आत्मविश्वासी और दायित्वबोध से युक्त नेतृत्वकर्ता के रूप में उभरा है। भारत अब वैश्विक पटल पर न केवल अपनी संप्रभुता की रक्षा कर रहा है, बल्कि वह विकासशील देशों की आवाज़ बनकर वैश्विक नीति-निर्धारण में निर्णायक भूमिका निभा रहा है। भारत की वैश्विक कूटनीति की विशेषता यह है कि वह शक्ति के प्रदर्शन पर नहीं, संतुलन और संवाद पर आधारित है। भारत न किसी गुट में शामिल होता है, न किसी शक्ति के दबाव में झुकता है। वह QUAD जैसे समूहों में अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ रणनीतिक भागीदारी करता है, तो वहीं ब्रिक्स, एससीओ और रूस जैसे परंपरागत सहयोगियों के साथ अपने ऐतिहासिक संबंधों को भी मज़बूती से आगे बढ़ाता है। इस दोहरी संतुलित कूटनीति के पीछे भारत का यह स्पष्ट दृष्टिकोण है कि वह किसी गुट की राजनीति नहीं करेगा, बल्कि वसुधैव कुटुंबकम् की अवधारणा को मूर्त रूप देगा।

भारत की कूटनीतिक सक्रियता कोविड-19 महामारी के दौरान वैश्विक मंचों पर स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर हुई। जब अनेक विकसित देश अपने-अपने राष्ट्रों में सीमित हो गए थे, तब भारत ने "वैक्सीन मैत्री" के अंतर्गत 150 से अधिक देशों को कोविड वैक्सीन उपलब्ध कराकर यह सिद्ध कर दिया कि भारत केवल अपने लिए नहीं, बल्कि समूचे वैश्विक समाज के लिए सोचता है। इस पहल ने भारत को 'विश्वगुरु' की संकल्पना से जोड़ते हुए, एक सेवा-प्रधान, दायित्वशील और मानवीय नेतृत्वकर्ता की भूमिका प्रदान की। डिजिटल कूटनीति में भी भारत अग्रणी बनकर उभरा है। आधार, डिजिलॉकर, कोविन, यूपीआई जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म न केवल भारत की आंतरिक प्रशासनिक दक्षता को बढ़ा रहे हैं, बल्कि उन्हें अफ्रीकी, दक्षिण एशियाई और लैटिन अमेरिकी देशों में मॉडल के रूप में अपनाया जा रहा है। भारत की यह डिजिटल कूटनीति पारंपरिक भौगोलिक सीमाओं से ऊपर उठकर तकनीकी और मानव केंद्रित साझेदारी को बढ़ावा देती है। भारत ने यह दिखाया कि प्रौद्योगिकी को मानवता के कल्याण में कैसे नियोजित किया जा सकता है।

भारत की सांस्कृतिक कूटनीति भी उसकी वैश्विक भूमिका को व्यापक स्वरूप देती है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की स्वीकृति और दुनिया भर में उसकी स्वीकृति इस बात का उदाहरण है कि भारत की सॉफ्ट पावर अब महज सांस्कृतिक प्रतिनिधित्व तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह रणनीतिक संवाद और वैश्विक संबंधों का आधार बन रही है। प्रधानमंत्री द्वारा प्रस्तुत "पंचामृत" संकल्प – नेट ज़ीरो लक्ष्य, गैर-जीवाश्म ईंधन पर ज़ोर, ग्रीन हाइड्रोजन मिशन आदि– वैश्विक समुदाय को भारत की प्रतिबद्धता दिखाते हैं। भारत वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड जैसी पहलों के माध्यम से एक सस्ती, स्वच्छ और न्यायसंगत ऊर्जा व्यवस्था के लिए वैश्विक साझेदारी को प्रेरित कर रहा है। रक्षा और सुरक्षा क्षेत्र में भी भारत ने अपनी कूटनीति को नए आयाम दिए हैं। सीमाओं की सुरक्षा के साथ-साथ समुद्री सुरक्षा, साइबर स्पेस और उभरते खतरों से निपटने के लिए भारत बहुपक्षीय मंचों पर अपनी सक्रियता दिखा रहा है। रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देते हुए भारत अब रक्षा उपकरणों का निर्यातक बन रहा है, जिससे उसकी सामरिक स्थिति और सुदृढ़ हुई है।

प्रवासी भारतीयों के साथ गहरा संवाद स्थापित करना भी भारत की कूटनीतिक रणनीति का अहम हिस्सा है। प्रवासी भारतीय आज केवल भारत के आर्थिक या सांस्कृतिक दूत नहीं हैं, बल्कि वे भारत की विदेश नीति के सक्रिय हितधारक बन चुके हैं।

आमिर खान का बड़ा ऐलान, यूट्यूब पर रिलीज होगी 'सितारे ज़मीन पर'

आमिर खान ने घोषणा की कि उनकी ब्लॉकबस्टर फिल्म 'सितारे ज़मीन पर' अब 1 अगस्त 2025 से उनके यूट्यूब चैनल 'आमिर खान टॉकीज' पर वैश्विक स्तर पर रिलीज़ की जाएगी। यह एक साहसी और क्रांतिकारी पहल है, जिसमें साल 2025 की सबसे सफल फिल्मों में से एक को सीधे दर्शकों के घरों और मोबाइल स्क्रीन तक पहुंचाया जाएगा। इस भावनात्मक फैमिली ड्रामा में आमिर खान और जेनेलिया देशमुख के साथ 10 ऐसे कलाकार भी शामिल हैं जो इंटेलेक्चुअल डिसएबिलिटी के साथ जीवन जी रहे हैं।

भारत में यह फिल्म महज़ 100 में किराए पर उपलब्ध होगी, जबकि अमेरिका, कनाडा, यूके, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, इंडोनेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर और स्पेन सहित कुल 38 देशों में यह स्थानीय कीमतों पर देखी जा सकेगी। सितारे ज़मीन पर को 2007 की क्लासिक फिल्म 'तारे ज़मीन पर' की आध्यात्मिक उत्तराधिकारी माना जा रहा है। यह फिल्म प्यार, हास्य और समावेशिता का एक खूबसूरत उत्सव है, जिसने दर्शकों के दिलों को गहराई से छू लिया है। अब तक यह दुनियाभर में 250 करोड़ से अधिक की कमाई कर चुकी है। यूट्यूब पर इसके रिलीज़ होने से हर दर्शक एक छोटी सी राशि में इस फिल्म को रेंट पर लेकर अपने घर को ही थिएटर में बदल सकेगा, जहां हर स्क्रीन बनेगी दिल से जुड़ी एक कहानी की गवाह।

फिल्म के यूट्यूब लॉन्च पर बात करते हुए अभिनेता और निर्माता आमिर खान ने कहा, 'पिछले 15 सालों से मेरे मन में ये सवाल रहा है, उन लोगों तक सिनेमा कैसे पहुंचे जो किसी वजह से थिएटर नहीं जा सकते। अब लगता है वो समय आ गया है जब सारे टुकड़े एक साथ आकर जुड़ गए हैं। सरकार की यूपीआई पहल के चलते भारत आज दुनिया में इलेक्ट्रॉनिक पेमेंट्स नंबर 1 बन चुका है। इंटरनेट की पहुँच गांव-गांव तक तेजी से बढ़ी है, और यूट्यूब तो लगभग हर डिवाइस का हिस्सा बन चुका है। इन सारी चीज़ों ने मिलकर एक ऐसा प्लेटफॉर्म बना दिया है जिससे हम सिनेमा को दूर-दराज के इलाकों और अंतरराष्ट्रीय दर्शकों तक भी पहुँचा सकते हैं।'

आमिर खान ने आगे कहा, 'मेरा सपना है कि सिनेमा सबका हो, वो भी सस्ती कीमत पर, सही समय पर, और अपनी मर्जी से देखने के लिए उपलब्ध हो। अगर ये मॉडल सफल होता है, तो दुनिया भर के क्रिएटिव लोग अपनी कहानियों को बिना सीमाओं की चिंता किए शेयर कर पाएंगे। इससे नए कलाकारों और इंडस्ट्री में कदम रखने वालों को भी बेहतर मौके मिलेंगे। मुझे लगता है कि अगर ये आइडिया काम कर गया, तो यह सिनेमा के भविष्य के लिए एक गेम-चेंजर साबित हो सकता है।'

जेनिफर मिस्त्री ने निर्माता असित मोदी पर लगाए गंभीर आरोप

लोकप्रिय शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के निर्माता असित कुमार मोदी एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। पिछले कुछ वर्षों में कई कलाकारों ने उन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। शो में मिसेज रोशन सोढ़ी का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री जेनिफर मिस्त्री भी असित मोदी पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगा चुकी हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो जेनिफर ने उनके खिलाफ मामला दर्ज कराया था और यह केस वह जीत भी चुकी हैं। अब एक बार फिर जेनिफर ने असित मोदी को लेकर चौंकाने वाले खुलासे किए हैं, जिससे इंडस्ट्री में हलचल मच गई है।

एक इंटरव्यू के दौरान 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में मिसेज सोढ़ी का किरदार निभा चुकीं जेनिफर मिस्त्री ने शो के निर्माता असित मोदी को लेकर चौंकाने वाले आरोप लगाए। जेनिफर ने बताया कि एक बार वीजा से जुड़ी परेशानी के चलते वह रोने लगी थीं, तब असित मोदी ने फोन पर कहा, 'तुम क्यों रो रही हो? अगर तुम यहां होती तो मैं तुम्हें गले लगा लेता, बल्कि किस भी कर लेता।' जेनिफर ने यह भी खुलासा किया कि साल 2019 में सिंगापुर शूट के दौरान असित मोदी ने उन्हें होटल रूम में आकर व्हिस्की पीने का ऑफर दिया था ताकि वह बोर न हों। इन खुलासों ने एक बार फिर इस चर्चित शो की टीम को विवादों में ला दिया है।

जेनिफर मिस्त्री ने चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया कि सिंगापुर ट्रिप के दौरान असित मोदी ने उनके करीब आकर कहा था, 'तुम्हारे होंठ बहुत सेक्सी हैं, मन कर रहा है कि तुम्हें पकड़कर किस कर लूं।' जेनिफर के इस बयान ने सभी को हैरान कर दिया है। उन्होंने यह बात शो में 'भिड़े' का किरदार निभाने वाले मंदार चंदवादकर को भी बताई थी, लेकिन जेनिफर के मुताबिक, उस वक्त मंदार ने उनका कोई साथ नहीं दिया। इस खुलासे के बाद सोशल मीडिया पर भी दर्शकों की तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।

अभिनेता कायोज़ ईरानी ने एक्टिंग को कहा–अलविदा

फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' तो आप सभी को याद ही होगी। इस फिल्म ने बॉलीवुड को तीन चमकते सितारे दिए वरुण धवन, सिद्धार्थ मल्होत्रा और आलिया भट्ट। तीनों ने इसी फिल्म से अपने करियर की शुरुआत की थी और आज इंडस्ट्री के सबसे चर्चित चेहरों में शुमार हैं। फिल्म के अन्य कलाकारों को भी दर्शकों ने काफी सराहा था। लेकिन अब उसी फिल्म से जुड़े एक अभिनेता ने अभिनय की दुनिया से संन्यास लेने का फैसला कर लिया है, जिससे उनके फैंस और इंडस्ट्री के लोग चौंक गए हैं।

फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' में 'सुडो' का यादगार किरदार निभाने वाले अभिनेता कायोज़ ईरानी ने अब एक्टिंग को अलविदा कहने का फैसला कर लिया है। कायोज़ ने फिल्म में वरुण धवन, आलिया भट्ट और सिद्धार्थ मल्होत्रा के जिगरी दोस्त की भूमिका निभाई थी। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने खुलासा किया, 'फिलहाल मेरी एक्टिंग में वापसी की कोई योजना नहीं है। कैमरे के पीछे काम करना मेरे लिए कहीं ज्यादा सहज और संतोषजनक है। मुझे यह भी समझ आ गया है कि एक्टिंग मेरे लिए नहीं बनी। अगर मैं किसी फिल्म में नजर नहीं भी आऊं, तो भी आपको मुझे फिल्मों के निर्माण में जरूर देखने को मिलेगा।' उन्होंने यह भी कहा, 'कभी-कभी लगता है कि मैंने लोगों को निराश किया है, लेकिन सच कहूं तो एक्टिंग अब मेरे बस की बात नहीं रही।'

'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' से एक्टिंग डेब्यू करने वाले कायोज ईरानी, जो दिग्गज अभिनेता बोमन ईरानी के बेटे हैं, अब निर्देशन की दुनिया में कदम रख चुके हैं। भले ही कायोज को फिल्म में उनके किरदार के लिए खूब सराहना मिली थी, लेकिन उन्हें वह लोकप्रियता नहीं मिल पाई जिसकी उम्मीद थी। इसके बाद उन्होंने कैमरे के पीछे काम करना शुरू किया और कार्तिक आर्यन की फिल्म 'धमाका' में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर अपनी भूमिका निभाई। अब कायोज ने फिल्म 'सरजमीं' से डायरेक्शन में डेब्यू किया है, जिसमें काजोल, इब्राहिम अली खान और पृथ्वीराज सुकुमारन अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं। कायोज के इस फैसले को जहां कई लोगों ने सराहा, वहीं कुछ लोग उनके इस बदलाव से हैरान भी रह गए।

भारत में लॉन्च हुआ OnePlus Nord 5 स्मार्टफोन, 50MP कैमरे के साथ 2 दिन का बैटरी बैकअप!

OnePlus Nord 5, Nord CE 5 Launched in India: वनप्लस ने आखिरकार मंगलवार को अपनी नई नॉर्ड सीरीज को भारत में लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने OnePlus Nord 5, Nord CE 5 को लॉन्च किया है। नए स्मार्टफोन एंड्रॉयड 15 पर चलते हैं। OnePlus Nord 5 और Nord CE 5 Android 15 और नए OxygenOS 15 के साथ लॉन्च हुए हैं। दोनों में OnePlus 13s जैसे एडवांस्ड AI फीचर्स मिलते हैं।

क्या है खासियत: वनप्लस नॉर्ड में 6.83 इंच की AMOLED स्क्रीन और 50MP का सेल्फी कैमरा मिलता है। वहीं नॉर्ड सीई 5 में 7,100mAh की बड़ी बैटरी और 80W SuperVOOC चार्जिंग मिलती है।

स्पेसिफिकेशन : वनप्लस नॉर्ड में 6.83 इंच की AMOLED स्क्रीन, 144Hz रिफ्रेश रेट और 1,800 निट्स की पीक ब्राइटनेस है। फोन में एंड्रॉयड 15 आधारित ऑक्सीजनओएस 15 स्किन मिलती है। इसमें स्नैपड्रैगन 8s जेन 3 चिप पर चलता है जिसे 12GB तक LPDDR5x रैम के साथ जोड़ा गया है। फोन में Nord 5 में अलर्ट स्लाइडर की जगह नई प्रोग्रामेबल प्लस की दिया गया है, जिसे यूजर अपनी सुविधा के अनुसार कस्टमाइज कर सकते हैं।

कैमरा: OnePlus Nord 5 में Sony LYT-700 सेंसर वाला 50MP का प्राइमरी कैमरा (OIS के साथ) और 8MP का अल्ट्रावाइड कैमरा दिया गया है। फ्रंट में 50MP का सेल्फी कैमरा है, जो Samsung ISOCELL JN5 सेंसर के साथ आता है। नॉर्ड 5 में 6,800mAh की बैटरी और 80W SuperVOOC चार्जिंग मिलती है।

कितनी है कीमत: OnePlus Nord 5 की शुरुआती कीमत 31,999 है (8GB+128GB)। इसके 12GB+256GB वर्जन की कीमत 34,999 और 12GB+512GB की कीमत 37,999 है। यह फोन ड्राई आइस, मार्बल सैंड्स और फैंटम ग्रे कलर में उपलब्ध है।

दमदार फीचर्स के साथ मिड-रेंज फ्लैगशिप: वनप्लस नॉर्ड CE 5 को मीडियाटेक डाइमेंसिटी 8350 एपेक्स चिपसेट, 12GB तक LPDDR5x रैम और 256GB स्टोरेज के साथ लॉन्च किया गया है। यह स्मार्टफोन Android 15 पर आधारित है। फोन में 6.77 इंच की 120Hz AMOLED स्क्रीन और 1400 निट्स की पीक ब्राइटनेस है।

भारत में पेश हुई Honda की नई 125CC Hornet बाइक

स्पीड, स्टाइल और फीचर्स से उड़ाएगी होश!

Honda CB125 Hornet में LED हेडलाइट्स, DRLs, हाई-माउंटेड इंडिकेटर्स और मस्कुलर फ्यूल टैंक के साथ गोल्डन यूएसडी फोर्क्स, ब्लूटूथ टीएफटी डिस्प्ले जैसे फीचर्स मिलते हैं। यह 0-60 km/h की रफ्तार मात्र 5.4 सेकंड में पकड़ लेती है। बाइक में 123.94cc का सिंगल सिलेंडर, फ्यूल-इंजेक्टेड इंजन दिया गया है जो 8.2 kW की पावर और 11.2 Nm का टॉर्क जनरेट करता है।

Honda CB125 Hornet: होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (HMSI) ने भारत में अपने 25 साल पूरे होने के मौके पर नई CB125 Hornet बाइक को पेश कर दिया है। यह बाइक युवाओं को ध्यान में रखकर तैयार की गई है, जो स्टाइल, पावर और टेक्नोलॉजी का दमदार कॉम्बिनेशन पेश करती है। इसमें गोल्डन यूएसडी फोर्क्स, ब्लूटूथ टीएफटी डिस्प्ले जैसे फीचर्स हैं। इसके अलावा बाइक की पावर की बात करें तो यह 0-60 km/h की रफ्तार मात्र 5.4 सेकंड में पकड़ लेती है। अब तक इसकी कीमत की जानकारी नहीं दी गई है।

डिजाइन और स्टाइलिंग: CB125 Hornet का डिजाइन पूरी तरह से युवा और शहरी राइडर्स के टेस्ट को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इसकी LED हेडलाइट्स, DRLs, हाई-माउंटेड इंडिकेटर्स और मस्कुलर फ्यूल टैंक इसे एक एग्रेसिव और स्ट्रीट-फाइटर लुक देते हैं। इसके साथ Split Seat डिजाइन और शार्प टैंक श्राउड इसे स्पोर्टी फीलिंग के साथ एक प्रीमियम टच देते हैं।

फीचर्स में टेक्नोलॉजी का फुल डोज: CB125 Hornet में Honda का नया 4.2 इंच TFT डिजिटल डिस्प्ले दिया गया है जो Bluetooth से लैस है और RoadSync ऐप से कनेक्ट होता है। इसके जरिए राइडर कॉल, मैसेज अलर्ट, म्यूजिक और नेविगेशन को एकदम आसान तरीके से एक्सेस कर सकते हैं। बाइक में Universal USB Type-C पोर्ट, इंजन कट-ऑफ के साथ साइड स्टैंड अलर्ट और इंजन स्टॉप स्विच जैसे स्मार्ट फीचर्स भी मिलते हैं।

परफॉर्मेंस और पावर: बाइक में 123.94cc का सिंगल सिलेंडर, फ्यूल-इंजेक्टेड इंजन दिया गया है जो 8.2 kW की पावर और 11.2 Nm का टॉर्क जनरेट करता है। 5 स्पीड गियरबॉक्स से लैस ये इंजन 0 से 60 km/h की रफ्तार महज 5.4 सेकंड में पकड़ लेता है, जो इसे अपने सेगमेंट की सबसे फास्ट बाइक में से एक बनाता है। इसका वजन 124 किलो ग्राम है।

सेफ्टी और राइडिंग एक्सपीरियंस: बाइक में फ्रंट में 240mm पेटल डिस्क ब्रेक और रियर में 130mm ड्रम ब्रेक दिए गए हैं। इसमें सिंगल चैनल ABS का सपोर्ट है। होंडा ने अपनी बार 125 सीसी बाइक में Golden USD फ्रंट फोर्क्स और रियर मोनो-शॉक सस्पेंशन दिए हैं, जो इसे राइडिंग के लिहाज से एक नए स्तर पर ले जाते हैं। बाइक में चौड़े ट्यूबलेस टायर्स (सामने 80/100-17, पीछे 110/80-17) मिलते हैं।

Ola Electric Bike: 75,000 रुपये की कीमत के साथ भारत में लॉन्च हुई ओला इलेक्ट्रिक बाइक, जान लीजिये इसके खास फीचर्स

OLA ELECTRIC

ओला इलेक्ट्रिक स्कूटर, भारत में सबसे ज्यादा पसंद किये जाने वाले इलेक्ट्रिक स्कूटर्स में से एक है। इलेक्ट्रिक स्कूटर की सफलता को देखते हुए ही ओला ने भारत में इलेक्ट्रिक बाइक को लॉन्च करने की योजना बनाई। काफी लंबे समय से लोग ओला की इलेक्ट्रिक बाइक का इन्तजार कर रहे थे। आज आखिरकार इन्तजार खत्म हुआ और ओला ने अपनी इलेक्ट्रिक बाइक लॉन्च कर दी है। आइये जानते हैं इस बाइक के खास फीचर्स के बारे में।

Ola Electric Bike: ओला ने साल 2021 में अपने इलेक्ट्रिक स्कूटर्स को भारत में लॉन्च किया था। कंपनी के इलेक्ट्रिक स्कूटर को भारत में काफी पसंद किया जाने लगा और अब यह भारत में सबसे ज्यादा बिकने वाले स्कूटर्स में भी शामिल है। इलेक्ट्रिक स्कूटर की सफलता को देखकर ओला ने भारत में इलेक्ट्रिक बाइक लॉन्च करने का फैसला किया और कंपनी द्वारा इलेक्ट्रिक बाइक लॉन्च करने की घोषणा के बाद से ही लोग इस बाइक के लॉन्च को लेकर काफी उत्साहित नजर आ रहे थे। अब हाल ही में लोगों का इन्तजार ख़त्म करते हुए ओला ने अपनी इलेक्ट्रिक बाइक को भारत में लॉन्च कर दिया है।

कितने वेरिएंट?

ओला ने अपनी इलेक्ट्रिक बाइक को भारत में 3 वेरिएंट में लॉन्च किया है। ओला ने अपनी इलेक्ट्रिक बाइक की सीरीज को रोडस्टर नाम दिया है और इसके 3 वेरिएन्ट्स को रोडस्टर, रोडस्टर X और रोडस्टर प्रो नाम दिया है। इस बाइक को 75,000 रुपये की शुरूआती कीमत के साथ लॉन्च किया गया है और बाइक के टॉप मॉडल की कीमत 2,29,000 रुपये है। रोडस्टर X में 2.5 kWh, 3.5 kWh और 4.5 kWh की बैटरी चुनने का ऑप्शन है। दूसरी तरफ बाइक के टॉप मॉडल, रोडस्टर प्रो, में आपको 16 kWh की बैटरी मिलती है।

रेंज और अन्य फीचर्स

रोडस्टर X एंट्री लेवल बाइक है और यह आपको एक चार्ज में 200 किलोमीटर तक की रेंज देती है। इसके बाद रोडस्टर मॉडल है जो आपको एक चार्ज में 248 किलोमीटर की रेंज देता है और इसके बाद रोडस्टर प्रो मॉडल है जो आपको 579 किलोमीटर की रेंज देती है। बाइक में TFT LCD स्क्रीन, ब्लूटूथ कनेक्टिविटी, USD फॉर्क, और ओला मैप नैविगेशन जैसे फीचर्स देखने को मिलते हैं।

अंबाजी का होगा कायाकल्प : 1632 करोड़ रुपये का मेगा मास्टर प्लान

अहमदाबाद (ईएमएस)। अरवल्ली की पर्वतमाला का आध्यात्मिक केन्द्रबिंदु यानी श्री अंबाजी माता मंदिर। गुजरात सहित समग्र देश एवं विश्व में विख्यात तथा करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था के प्रतीक अंबाजी यात्राधाम में भाद्रपदी पूर्णिमा मेला सहित सभी पूर्णिमाओं पर और लगभग पूरे वर्ष भी लाखों श्रद्धालु उमड़ते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में तथा मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में इस यात्राधाम का बहुमुखी विकास होता रहा है और राज्य सरकार अब अंबाजी यात्राधाम को मॉडल टेम्पल टाउन के बेंचमार्क के रूप में विकसित करना चाहती है। इसके लिए राज्य सरकार ने 1632 करोड़ रुपए का मेगा मास्टर प्लान तैयार किया है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल इस मास्टर प्लान के क्रियान्वयन पर सीधी देखरेख रख रहे हैं; तो युवा, सेवा एवं सांस्कृतिक मामलों के राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने भी हाल ही में मास्टर प्लान के क्रियान्वयन को लेकर महत्वपूर्ण बैठक की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब उन्होंने भी अंबाजी के विकास के लिए अनेक सफल प्रयासों का सूत्रपात किया था। नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री बनने के बाद 'विकास भी, विरासत भी' का मंत्र देकर समग्र देश के आस्था केन्द्रों का अभूतपूर्व विकास अभियान चलाया है। प्रधानमंत्री के इसी मंत्र को आगे बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी राज्य के यात्राधामों को श्रद्धालुओं के लिए आध्यात्मिक अनुभूति का केन्द्र बनाने के लिए अनेक कदम उठा रहे हैं। तद्अनुसार; राज्य सरकार ने बनासकाँठा जिले की दाँता तहसील में अरवल्ली पर्वतमाला के बीच स्थित श्री अंबाजी माता मंदिर परिसर की आगामी 50 वर्ष की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर यह मास्टर प्लान तैयार किया है, जो दो चरणों में लागू होगा। पहले चरण का कार्य शीघ्र ही शुरू हो जाएगा। मास्टर प्लान अंतर्गत समग्र अंबाजी यात्राधाम की विभिन्न आवश्यकताओं का समावेश एवं समन्वय किया गया है। इस मास्टर प्लान का उद्देश्य पवित्र स्थलों को एकीकृत कर तथा यात्रियों की सुविधाओं में सुधार कर यात्राधामों के लिए नया मानदंड (बेंचमार्क) स्थापित करना है।

हिंदू का मतलब दूसरे धर्म या समुदाय का विरोध या उन पर हमला करना नहीं

-संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कट्टर हिंदू विवाद पर बोले

नई दिल्ली,(ईएमएस)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने केरल में एक कार्यक्रम में कट्टर हिंदू की परिभाषा को लेकर उठ रहे विवादों पर कहा कि कट्टर हिंदू का मतलब किसी अन्य धर्म या समुदाय का विरोध करना या उनपर हमला करना नहीं है। यह गलत धारणा है। सच्चा हिंदू वह है जो सभी को साथ लेकर चलता है और सभी धर्मों का सम्मान करता है। भागवत ने कहा कि हिंदुत्व का मूल स्वभाव समावेशी है, जो भारत की सांस्कृतिक विविधता को मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि भारत की परंपरा सभी को अपनी आस्था के मुताबिक पूजा करने की आजादी देती है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग हिंदुत्व को गलत तरीके से पेश करते हैं, जिससे समाज में तनाव पैदा होता है। उन्होंने हिंदुओं से अपील की कि वे अपनी संस्कृति को समझें और इसे दूसरों के खिलाफ इस्तेमाल करने के बजाय एकता का प्रतीक बनाएं। भागवत ने गाय संरक्षण के नाम पर हिंसा करने वालों को गलत बताया। उनका मानना है कि ऐसा करने वाला सच्चा हिंदू नहीं है। उन्होंने भारत की 140 करोड़ आबादी को एकजुट करने की बात कही और कहा कि हिंदुत्व का लक्ष्य किसी के खिलाफ नहीं, बल्कि सभी के साथ मिलकर देश को मजबूत करना है।

सांसद गोगोई पाकिस्तान की ओर से कर रहे काम, यह असम के लिए अपमानजनक

-सीएम हिमंत सरमा ने गोगोई पर लगाया आरोप कहा- छोड़ सकते हैं भारत

नई दिल्ली,(ईएमएस)। असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने मंगलवार को संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर दिए सांसद गौरव गोगोई के भाषण को लेकर उन पर आरोप लगाया है कि कांग्रेस नेता पाकिस्तान की ओर से काम कर रहे हैं यह राज्य के लिए अपमानजनक है। सरमा ने गौरव गोगोई के पाकिस्तान से कथित संबंधों के दावे को भी दोहराया और कहा कि गोगोई अपनी पत्नी के विदेशी नागरिकता के साथ किसी भी समय भारत छोड़ सकते हैं। गोगोई का नाम लिए बिना सीएम सरमा ने एक्स पर पोस्ट में लिखा- कल संसद में जोरहाट से सांसद द्वारा दिए गए भाषण से यह संदेह से परे साबित हो गया कि वह पाकिस्तान की ओर से काम करते हैं। उनकी गुप्त यात्रा और पाकिस्तानी प्रतिष्ठान के साथ घनिष्ठ संबंध बहुत कुछ कहते हैं। गोगोई को असम के लिए कलंक और राज्य के गौरव के साथ विश्वासघात बताते हुए सरमा ने कहा कि उनकी पत्नी और दोनों बच्चों के पास विदेशी नागरिकता होने के कारण, वह कभी भी भारत छोड़ सकते हैं। बता दें सोमवार को लोकसभा में विपक्ष के उपनेता गौरव गोगोई ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बार-बार इस दावे को लेकर केंद्र पर निशाना साधा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता की थी। गोगोई ने पाकिस्तान के झुकने के बाद ऑपरेशन सिंदूर रोकने के लिए सरकार की आलोचना की और पूछा कि सरकार आगे क्यों नहीं बढ़ी और पड़ोसी देश द्वारा अवैध रूप से कब्जा किए गए क्षेत्र को वापस क्यों नहीं लिया। गोगोई ने कहा कि पूरा देश और विपक्ष, पीएम मोदी का समर्थन कर रहे थे। अचानक, 10 मई को हमें पता चला कि युद्धविराम हो गया है। क्यों? हम पीएम मोदी से जानना चाहते थे कि अगर पाकिस्तान घुटने टेकने को तैयार था, तो आपने क्यों ऑपरेशन क्यों रोका और किसके सामने आत्मसमर्पण किया?

अब तक 3 लाख से ज्यादा श्रद्धालु कर चुके हैं बाबा बर्फानी के दर्शन

श्रीनगर,(ईएमएस)। अमरनाथ यात्रा में अब तक 3.83 लाख से ज्यादा तीर्थयात्री बाबा बर्फानी के दर्शन कर चुके हैं। यह तीर्थयात्रा को समापन में अब 12 दिन शेष हैं। इस साल की अमरनाथ यात्रा में अत्यधिक सुरक्षित, शांतिपूर्ण और सुचारू वातावरण में हो रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मंगलवार को 1,490 श्रद्धालुओं का एक और जत्था जम्मू से दो सुरक्षा काफिलों में कश्मीर के लिए रवाना हुआ। इनमें से 327 तीर्थयात्रियों को लेकर 16 वाहनों का पहला काफिला सुबह 3.25 बजे बालटाल आधार शिविर के लिए रवाना हुआ, जबकि 1,163 यात्रियों को लेकर 45 वाहनों का दूसरा काफिला सुबह 3.57 बजे पहलगाम आधार शिविर के लिए रवाना हुआ। नाग पंचमी के अवसर पर श्रीनगर के अमरेश्वर मंदिर में छड़ी मुबारक का पूजन किया जा रहा है। पवित्र गुफा मंदिर की ओर छड़ी मुबारक की अंतिम यात्रा 4 अगस्त को शुरू होगी। छड़ी मुबारक को पारंपरिक रूप से श्रीनगर शहर के बुद्धशाह चौक क्षेत्र में दशनामी अखाड़ा भवन में अमरेश्वर मंदिर के अंदर रखा जाता है। छड़ी मुबारक की यात्रा ही अमरनाथ यात्रा के स्थलों का निर्धारण करती है।

विधानसभा से पास बिल को राष्ट्रपति-राज्यपाल की मंजूरी कब तकः सुप्रीम कोर्ट में 19 से सुनवाई, सीजेआई की बेंच बोली- केंद्र-राज्य 12 तक पक्ष रखें

नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को राष्ट्रपति के उस रेफरेंस पर सुनवाई की तारीखें तय कर दी, जिसमें पूछा गया है कि क्या राज्य विधानसभाओं से पारित विधेयकों पर राष्ट्रपति या राज्यपाल की सहमति के लिए कोई समयसीमा तय की जा सकती है। इस संवैधानिक मुद्दे पर 19 अगस्त से सुनवाई शुरू होगी। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अगुवाई वाली पांच जजों की बेंच ने केंद्र और सभी राज्यों को 12 अगस्त तक लिखित पक्ष जमा करने को कहा है। बेंच में जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस एएस चंदुरकर भी शामिल हैं। बेंच ने कहा कि 19 अगस्त को केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों की प्रारंभिक आपत्तियों पर एक घंटे की सुनवाई होगी, जिन्होंने इस राष्ट्रपति के रेफरेंस की वैधता पर सवाल उठाया है। कोर्ट ने कहा, 19, 20, 21 और 26 अगस्त को केंद्र और रेफरेंस का समर्थन करने वाले राज्यों की दलीलें सुनी जाएंगी। वहीं, 28 अगस्त और 2, 3 और 9 सितंबर को विरोध करने वाले राज्यों की सुनवाई होगी। जवाबी दलीलें 10 सितंबर को सुनी जाएंगी।

राष्ट्रपति मुर्मू ने सुप्रीम कोर्ट से क्या राय मांगी थी...

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मई में संविधान के अनुच्छेद 143(1) के तहत सुप्रीम कोर्ट से राय मांगी थी कि क्या राष्ट्रपति या राज्यपाल विधेयकों पर फैसला लेने में अनिश्चित काल तक देरी कर सकते हैं या कोई समयसीमा तय की जा सकती है। राष्ट्रपति ने 15 मई को 5 पन्नों के अपने रेफरेंस में सुप्रीम कोर्ट से अनुच्छेद 200 और 201 के तहत राष्ट्रपति और राज्यपाल की शक्तियों को लेकर 14 सवाल पूछे थे। कोर्ट पहले ही कह चुका है कि यह मामला पूरे देश को प्रभावित करेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने 3 महीने की समयसीमा तय की थी

यह मामला सुप्रीम कोर्ट के 8 अप्रैल के उस फैसले से जुड़ा है जिसमें तमिलनाडु सरकार ने राज्यपाल पर विधेयकों को रोकने का आरोप लगाया था। कोर्ट ने स्पष्ट किया था कि राज्यपाल अनुच्छेद 200 के तहत किसी विधेयक को रोके नहीं रख सकते और उन्हें मंत्रिपरिषद की सलाह माननी होगी।

गवर्नर की ओर से राष्ट्रपति को भेजे गए बिल पर सुप्रीम कोर्ट के 4 पॉइंट्स

1. बिल पर फैसला लेना होगाः सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि अनुच्छेद 201 कहता है कि जब विधानसभा किसी बिल को पास कर दे। उसे राज्यपाल के पास भेजा जाए और राज्यपाल उसे राष्ट्रपति के पास विचार के लिए भेज दे। इस स्थिति में राष्ट्रपति को बिल पर मंजूरी देनी होगी या फिर बताना होगा कि मंजूरी नहीं दे रहे हैं।
2. ज्यूडिशियल रिव्यू होगाः सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि आर्टिकल 201 के तहत राष्ट्रपति का निर्णय की न्यायिक समीक्षा की जा सकती है। अगर बिल में केंद्र सरकार के निर्णय को प्राथमिकता दी गई हो, तो कोर्ट मनमानी या दुर्भावना के आधार पर बिल की समीक्षा करेगा। अदालत ने कहा कि बिल में राज्य की कैबिनेट को प्राथमिकता दी गई हो और राज्यपाल ने विधेयक को मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह के विपरीत जाकर फैसला किया हो तो कोर्ट के पास बिल की कानूनी रूप से जांच करने का अधिकार होगा।
3. राज्य सरकार को राज्यपाल को कारण बताने होंगेः सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि जब कोई समय-सीमा तय हो, तो वाजिब टाइम लाइन के भीतर फैसला करना चाहिए। राष्ट्रपति को बिल मिलने के 3 महीने के भीतर फैसला लेना अनिवार्य होगा। यदि देरी होती है, तो देरी के कारण बताने होंगे।
4. बिल बार-बार वापस नहीं भेज सकतेः अदालत ने कहा कि राष्ट्रपति किसी बिल को राज्य विधानसभा को संशोधन या पुनर्विचार के लिए वापस भेजते हैं। विधानसभा उसे फिर से पास करती है, तो राष्ट्रपति को उस बिल पर फाइनल डिसीजन लेना होगा और बार-बार बिल को लौटाने की प्रक्रिया रोकनी होगी।

गोधराकांड के बाद हुए दंगा मामलों के 3 दोषी बरीः गुजरात हाईकोर्ट ने कहा- गवाह ने पहचान कैसे की थी, यह नहीं बताया

अहमदाबादः गुजरात हाईकोर्ट ने सोमवार को सुनवाई के दौरान तीन लोगों को बरी कर दिया। इन्हें 2006 में आणंद सेशन कोर्ट ने 2002 के गोधरा कांड के बाद हुए दंगों के मामले के लिए दोषी ठहराया था। हाईकोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष के गवाह ने इनकी पहचान कैसे की यह नहीं बताया। और न ही गवाह ने 100 से अधिक लोगों की भीड़ में देखे गए प्रत्येक आरोपी की भूमिका का उल्लेख किया। जस्टिस गीता गोपी ने यह आदेश दो अपीलों को स्वीकार करते हुए पारित किया। उक्त अपीलों में से एक सचिनभाई हसमुखभाई पटेल और अशोकभाई जशभाई पटेल द्वारा दायर और दूसरी अशोक बनारसी भरतभाई गुप्ता द्वारा दायर की गई थी।

अभियुक्तों को भारतीय दंड संहिता की धारा 149 (गैरकानूनी रूप से एकत्रित होने का साझा उद्देश्य) के लिए पांच वर्ष कारावास और धारा 147 (दंगा) के तहत अपराध के लिए छह माह के कठोर कारावास की भी सजा सुनाई गई थी।

पहचान स्वीकार करते समय सावधानी बरतनी चाहिएः कोर्ट

हाईकोर्ट ने आदेश में कहा- ऐसे मामलों में जहां अभियुक्त गवाह के लिए अजनबी हो। उसकी पहचान स्वीकार करते समय निचली अदालत को बहुत सावधानी बरतनी चाहिए। टेस्ट आइडेंटिफिकेशन परेड के अभाव में अभियुक्त की कटघरे में पहचान हमेशा संदिग्ध रहेगी। अभियोगी इन 3 इन लोगों को कैसे जानता था, यह नहीं बताया गया। न ही गवाह ने इन अभियुक्तों की सही भूमिका के बारे में बताया कि उसने किस तरह 100-200 लोगों की भीड़ में इन्हें देखा था।

गोधरा में साबरमती एक्सप्रेस के कोच में आग लगा दी गई थी

27 फरवरी 2002 में गुजरात के गोधरा स्टेशन पर साबरमती एक्सप्रेस के एस-6 डिब्बे में आग लगा दी गई थी। ट्रेन में अयोध्या से लौट रहे 59 तीर्थयात्रियों की मौत हो गई थी। गुजरात सरकार ने इस मामले में 11 दोषियों की फांसी की सजा को उम्रकैद में बदलने के हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी है।

पूरे गुजरात में फैल गए थे सांप्रदायिक दंगे

गोधरा कांड के बाद गुजरात दंगों में एक हजार से ज्यादा लोग मारे गए गोधरा कांड के बाद गुजरात दंगों में एक हजार से ज्यादा लोग मारे गए थे। इनमें 790 मुसलमान और 254 हिंदू थे। गोधरा कांड के एक दिन बाद 28 फरवरी को अहमदाबाद की गुलबर्ग हाउसिंग सोसाइटी में बेकाबू भीड़ ने 69 लोगों की हत्या कर दी थी। मरने वालों में उसी सोसाइटी में रहने वाले कांग्रेस के पूर्व सांसद एहसान जाफरी भी शामिल थे। इन दंगों से राज्य में हालात इस कदर बिगड़ गए कि स्थिति काबू में करने के लिए तीसरे दिन सेना उतारनी पड़ी थी।

ब्रिटेन को भारत का चमड़ा और जूता निर्यात तीन साल में होगा 1 अरब डॉलरः पीयूष गोयल

- देश भर के प्रमुख निर्माण केंद्रों को लाभ होगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत और यूनाइटेड किंगडम (यूके) के बीच हुए व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते (सीईटीए) से भारत के चमड़ा और जूता उद्योग को बड़ा प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने जानकारी दी कि 2024 में 49.4 करोड़ डॉलर रहा यह निर्यात तीन वर्षों में दोगुना होकर 1 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है।

केंद्रीय मंत्री ने नई दिल्ली में निर्यातकों के साथ बैठक में बताया कि यह समझौता सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को सरल बनाता है, तकनीकी मानकों को सुरेखित करता है और भारतीय भौगोलिक संकेत (जीआई) उत्पादों जैसे कोल्हापुरी चप्पल और मोजरी की सुरक्षा सुनिश्चित करता है। इससे भारतीय उत्पादों को यूके के 8.7 अरब डॉलर के चमड़ा और फुटवियर बाजार में बेहतर दृश्यता मिलेगी। इस समझौते के तहत यूके ने भारतीय उत्पादों पर लगने वाले 2 से 11.9 फीसदी तक के आयात शुल्क समाप्त कर दिए हैं, जिससे भारत को बांग्लादेश, कंबोडिया और वियतनाम जैसे देशों के मुकाबले समान अवसर मिलेंगे। इससे देश भर के प्रमुख निर्माण केंद्रों को लाभ होगा।

खासकर एमएसएमई, कारीगरों, महिला उद्यमियों और युवा-नेतृत्व वाले व्यवसायों में हजारों नए रोजगार सृजित होने की संभावना है। सरकार ने 1,700 करोड़ के भारतीय फुटवियर और चमड़ा विकास कार्यक्रम और केंद्रित उत्पाद योजना जैसी पहलें भी शुरू की हैं, जो टेक्नोलॉजी अपग्रेड, मेगा क्लस्टर और ब्रांडिंग को बढ़ावा देंगी। यह समझौता न केवल चमड़ा और जूता क्षेत्र, बल्कि तिरुपुर, जयपुर, सूरत, लुधियाना जैसे प्रमुख कपड़ा क्लस्टरों को भी नया जीवन देगा।

हिमाचल के गवर्नर शिव प्रताप शुक्ल पीएम मोदी से मिले

आपदा से हुए नुकसान की जानकारी दी; कहा- 'काशी घोषणा-पत्र' प्रभावी ढंग से लागू करेंगे

शिमलाः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने आज दिल्ली में पीएम नरेन्द्र मोदी से शिष्टाचार भेंट की। उन्होंने राज्य में कार्यान्वित विभिन्न विकासात्मक योजनाओं, आपदा से राज्य को नुकसान और नशामुक्त हिमाचल अभियान की प्रधानमंत्री को जानकारी दी। राज्यपाल ने बताया कि पीएम मोदी ने उन्हें आश्वासन दिया है कि वह आपदा प्रभावित क्षेत्रों की हर संभव मदद करेंगे। राज्यपाल ने पीएम को बताया कि मंडी में बीती रात को बादल फटने से जान-माल दोनों को नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि लोगों के घर और खेत प्राकृतिक आपदा में बह गए हैं। खासकर 30 जून की रात 15 जगह बादल फटने से बड़ा नुकसान हुआ है।

नशामुक्त अभियान की दी जानकारी

राज्यपाल ने पीएम मोदी को प्रदेश में नशामुक्त हिमाचल को लेकर चलाए जा रहे जागरूकता अभियान की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान को पंचायत स्तर तक लागू किया जा रहा है। राज्यपाल ने हाल ही में उत्तर प्रदेश के काशी में भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा आयोजित 3 दिवसीय "नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत" सम्मेलन की विस्तृत जानकारी भी दी। उन्होंने कहा कि यह आयोजन साल 2047 तक नशामुक्त समाज बनाने में एक निर्णायक भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा, ''काशी घोषणा-पत्र'' में नशे की समस्या को सामाजिक और सार्वजनिक स्वास्थ्य के बहुआयामी दृष्टिकोण से देखने पर बल दिया गया है। इसमें सरकार तथा समाज के समन्वित प्रयासों को विशेष महत्त्व प्रदान किया गया है। उन्होंने कहा कि नशामुक्त भारत अभियान के सफल कार्यान्वयन के लिए ''काशी घोषणा-पत्र'' को प्रभावी तरीके से लागू किया जाएगा।

अब संसद की कैंटीन में भेटकी मछली का स्वाद ले सकेंगे सांसद

-अध्यक्ष ओम बिरला की पहल पर मेन्यू में किया गया बदलाव

नई दिल्ली (ईएमएस)। संसद की कैंटीन में अब बंगाल की मशहूर भेटकी मछली परोसी जाएगी, जिससे टीएमसी सांसदों में खासा उत्साह है। अध्यक्ष ओम बिरला की पहल पर कैंटीन के मेन्यू में बदलाव किया है, जिसमें पौष्टिकता और स्वाद को प्राथमिकता दी गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नए मेन्यू में रागी-बाजरा इडली, ज्वार उपमा, मूंग दाल चीला, और उबली सब्जियों के साथ ग्रिल्ड भेटकी मछली जैसे व्यंजन भी शामिल किए गए हैं। भेटकी जो बंगाल की एक लोकप्रिय मछली है, इसके मेन्यू में शामिल करने से टीएमसी सांसद खुश हैं। एक टीएमसी सांसद ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि भेटकी हमारी संस्कृति का हिस्सा है। इसे संसद की कैंटीन में देखना गर्व की बात है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने इस बदलाव का उद्देश्य सांसदों, अधिकारियों और आगंतुकों की सेहत को बढ़ावा देना बताया है। मेन्यू में कम कैलोरी, कम सोडियम, और उच्च फाइबर व प्रोटीन युक्त व्यंजनों पर जोर दिया है। इसके साथ ही ग्रीन टी, हर्बल चाय, मसाला सत्तू, और गुड़ युक्त आम पन्ना जैसे पेय पदार्थ भी शामिल किए गए हैं।

बारापुला एलिवेटेड रोड फेज-3 परियोजना में अनियमितताएं हुईं उजागर

-आप नेता आतिशी की बढ़ी मुश्किलें, दिल्ली सीएम रेखा कराएंगी जांच

नई दिल्ली,(ईएमएस)। दिल्ली की पूर्व सीएम और आम आदमी पार्टी नेता आतिशी एक बार फिर विवादों में घिर गई हैं। दिल्ली की बीजेपी सरकार की सीएम रेखा गुप्ता ने बारापुला एलिवेटेड रोड फेज-3 परियोजना में कथित अनियमितताओं को लेकर जांच कराने का फैसला किया है। यह मामला 175 करोड़ रुपए के विवादित भुगतान से जुड़ा है। जो आतिशी के कार्यकाल में ठेकेदार कंपनी को किया गया था।

दिल्ली सरकार की वित्त व्यय समिति की बैठक में इस परियोजना की प्रगति की समीक्षा की गई। इस दौरान परियोजना को लेकर पिछली सरकार की गंभीर लापरवाही के चलते ठेकेदार कंपनी को 175 करोड़ रुपए का भुगतान करना पड़ा। समीक्षा बैठक में लोक निर्माण विभाग की भूमिका पर भी सवाल उठाए गए। बैठक में मंत्री प्रवेश वर्मा भी मौजूद थे। सीएम रेखा गुप्ता ने कहा बारापुला फेज-3 परियोजना का अधूरा निर्माण और उसमें भारी भुगतान पिछली आम आदमी पार्टी सरकार की घोर लापरवाही और भ्रष्टाचार का जीवंत उदाहरण है।

सीएम गुप्ता ने बताया कि यह परियोजना अक्टूबर 2017 तक पूरी होनी थी, लेकिन समय सीमा बार-बार आगे बढ़ती गई और मामला मध्यस्थता में पहुंच गया। मध्यस्थता में ठेकेदार के पक्ष में फैसला आया और उसे 120 करोड़ रुपए भुगतान का आदेश मिला। सरकार ने यह राशि समय पर नहीं दी, जिसके चलते कंपनी ने हाईकोर्ट का रुख किया। मई 2023 में कोर्ट ने ब्याज और जीएसटी समेत कुल 175 करोड़ रुपए भुगतान का आदेश दिया। सीएम गुप्ता ने यह भी आरोप लगाया कि पिछली आप सरकार ने कोर्ट के आदेश के खिलाफ पुनर्विचार याचिका दाखिल नहीं की। इसके साथ ही किसी भी अधिकारी पर कार्रवाई भी नहीं की गई। उन्होंने कहा कि यह लापरवाही उस समय के पीडब्ल्यूडी मंत्री आतिशी की सीधी जिम्मेदारी थी।

हिमाचल में बादल फटा, घरों में घुसा मलबाःएमपी में भोपाल समेत 34 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट; राजस्थान के 12 जिलों में स्कूल बंद

नई दिल्लीः देशभर में बारिश के कारण जन-जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। मौसम विभाग ने हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, बिहार के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। एमपी में भोपाल 34 जिलों में बहुत भारी बारिश का अलर्ट है। हिमाचल प्रदेश के मंडी में सोमवार देर रात बादल फटा। अब तक 3 लोगों की मौत हो गई और 2 अन्य लापता है। 15 से ज्यादा लोगों को रेस्क्यू किया गया। चंडीगढ़-मनाली और मंडी-जोगेंद्रनगर फोरलेन बंद हो गया है। भूस्खलन और पानी के तेज बहाव से कई घरों में मलबा घुस गया। राजस्थान में भारी बारिश से कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं। चित्तौड़गढ़, झालावाड़, कोटा, पाली और सिरोही में घरों तक में पानी घुस गया है। टोंक-चित्तौड़गढ़ में बारिश से हुए हादसों में दो लोगों की मौत हो गई। भीलवाड़ा के बिजौलिया इलाके में सड़कों पर नाव चल रही हैं। बाढ़ में फंसे लोगों को एसडीआरएफ की टीम रेस्क्यू कर रही है। चेतावनी के चलते 12 जिलों में स्कूलों की छुट्टी कर दी है।

मध्य प्रदेश के रायसेन में घरों में पानी घुसा, सड़कों पर 3 फीट तक जलभराव

मध्य प्रदेश के रायसेन में पिछले 24 घंटे से भारी बारिश जारी है। इससे शहरी इलाकों के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों में भी पानी भर गया है। सड़कों पर तीन फीट तक जलभराव है। घरों में रखे सामान पानी में डूब गए हैं। बाढ़ प्रभावित इलाकों में एसडीआरएफ की टीमों को तैनात किया गया है।

दिल्ली के सिविल लाइंस में दीवार गिरने से मां-बेटे की मौत

भारी बारिश के बाद सिविल लाइंस इलाके में दीवार गिरने से मां-बेटे की मौत हो गई। 2 लोग घायल हैं। भारी बारिश के कारण दिल्ली-एनसीआर की कई सड़कें जलमग्न हो गईं। इससे यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ।

गुरुग्राम-दिल्ली एक्सप्रेसवे पर 5 किमी लंबा जाम

हरियाणा के पानीपत, अंबाला, फरीदाबाद और पंचकूला में मंगलवार सुबह से तेज बारिश हो रही है। गुरुग्राम में भारी बारिश की वजह से गुरुग्राम-दिल्ली एक्सप्रेसवे पर दिल्ली बॉर्डर पर 5 किलोमीटर लंबा जाम लग गया। इसी तरह, अंबाला में दिल्ली-अमृतसर हाईवे पर वाहनों की गति धीमी हो गई।

पटना में 17 इंच बारिश, 20 जिलों में अलर्ट

बिहार के ज्यादातर जिलों में मंगलवार सुबह से ही तेज बारिश जारी है। पटना में बीते 24 घंटे में 17 इंच बारिश हो गई है। कंकड़बाग और पटना सिटी के कुछ इलाकों में अब भी 3 से 4 फीट तक पानी भरा है।

ट्रंप ने फिर दी रुस को चेतावनी 10-12 दिनों में करें शांति समझौता, नहीं तो लगाएंगे कड़े प्रतिबंध, युद्ध खत्म करने डेडलाइन को घटाया

स्कॉटलैंड,(ईएमएस)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर डेडलाइन का जिक्र किया है। उन्होंने रूस को यूक्रेन के साथ युद्ध खत्म करने के लिए 10-12 दिन की नई डेडलाइन दी है। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर रूस इस डेडलाइन में शांति समझौता नहीं करता है, तो उस पर कड़े प्रतिबंध और टैरिफ लगा देंगे। ट्रंप ने यह बात स्कॉटलैंड में ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर के साथ मुलाकात के दौरान कही। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने फिर दोहराया है कि 'मैं पुतिन से बहुत निराश हूं। मैंने पहले 50 दिन का समय दिया था, लेकिन पुतिन पर इसका कोई असर नहीं हुआ। इसलिए अब मैं 10-12 दिन की नई डेडलाइन तय कर रहा हूं। इस इंतजार का कोई कारण नहीं है। ट्रंप का ये बयान सिर्फ रूस के लिए ही नहीं बल्कि भारत और चीन जैसे देशों के लिए भी धमकी है, जो रूस से ऊर्जा व्यापार कर रहे हैं।

क्रेमलिन की ओर से इस पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है लेकिन पूर्व रूसी राष्ट्रपति दमित्री मेदवेदेव ने एक्स पर लिखा कि ट्रंप की यह चेतावनी खतरनाक है और इससे अमेरिका के साथ युद्ध की स्थिति बन सकती है। उन्होंने कहा कि नई चेतावनी युद्ध की ओर एक कदम है, न कि रूस-यूक्रेन के बीच, बल्कि अमेरिका के साथ। 14 जुलाई को ट्रंप ने रूस को 50 दिन का समय दिया था, जिसमें शांति समझौते की बात कही थी, नहीं तो रूस और उसके व्यापारिक साझेदारों पर 100 फीसदी सेकेंडरी टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। अब इस समय सीमा को घटाकर 10-12 दिन कर दिया है। ट्रंप ने यह भी कहा कि वह जल्द ही इसकी आधिकारिक घोषणा करेंगे। यह कदम रूस के तेल निर्यात पर निर्भर देशों जैसे भारत और चीन के लिए चिंता की बात है। भारत साल 2025 में अपनी 40 फीसदी तेल की जरूरतें रूस से पूरी कर रहा है। 2022 में यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों ने रूस से तेल खरीदना बंद कर दिया था। इसके बावजूद भारत ने रियायती दरों पर रूसी तेल खरीदा। जनवरी-जून 2025 में भारत ने रूस से प्रतिदिन 17.5 लाख बैरल तेल खरीदा, जो पिछले साल से 1 फीसदी ज्यादा है। पश्चिमी देश इसे लेकर भारत की आलोचना करते हैं। ट्रंप का कहना है कि ये प्रतिबंध रूस की अर्थव्यवस्था को कमजोर करेंगे, जो युद्ध के लिए तेल बिक्री पर निर्भर है।

बता दें अमेरिका भारत पर 100 फीसदी टैरिफ लगाता है तो तेल की लागत दोगुनी हो सकती है, जिससे पेट्रोल-डीजल की कीमतें 8-12 रुपए प्रति लीटर बढ़ सकती है। इससे महंगाई बढ़ेगी और उपभोक्ता सामान, जैसे खाद्य पदार्थ और परिवहन, महंगे हो जाएंगे। भारत के फार्मास्यूटिकल्स, कपड़ा, आईटी सेवाएं, और ऑटो पार्ट्स जैसे प्रमुख निर्यात क्षेत्रों पर 100 फीसदी टैरिफ से भारी नुकसान होगा। अमेरिकी बाजार में भारत के 74 अरब डॉलर के निर्यात प्रभावित होंगे। इससे नौकरियों और इनवेस्टमेंट पर भी असर पड़ेगा। तेल की कीमतें 120 प्रति बैरल डॉलर से ऊपर चली जाएंगी, जिससे वैश्विक महंगाई बढ़ेगी। यह अमेरिकी उपभोक्ताओं को भी प्रभावित करेगा, जिससे ट्रंप की नीति पर सवाल उठ सकते हैं। भारत और अमेरिका साल 2030 तक 500 अरब डॉलर व्यापार और एक प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते पर काम कर रहे हैं। टैरिफ की वजह से प्रोसेस पर असर पड़ सकता है। भारत का रूस के साथ रक्षा और ऊर्जा में पुराना संबंध है। टैरिफ भारत को रूस से दूरी बनाने के लिए मजबूर कर सकता है। हालांकि भारत ने ऊर्जा सुरक्षा को प्राथमिकता बताते हुए दोहरे मापदंडों की आलोचना की है। इतना ही नहीं टैरिफ की वजह से भारत ब्रिक्स गठबंधन की ओर झुक सकता है।

भारत-पाक सीजफायर पर ट्रंप ने फिर किया दावा.... मैंने हस्तक्षेप नहीं किया होता तो छिड़ गया होता युद्ध

लंदन,(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया कि उन्होंने हस्तक्षेप नहीं किया होता और टैरिफ लगाने की धमकी नहीं दी होती, तो भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध छिड़ गया होता। ट्रंप ने स्कॉटलैंड में ब्रिटेन के पीएम केअर स्टार्मर के साथ आधिकारिक बातचीत से पहले मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने दुनिया भर में 'छह बड़े युद्ध' को रोकने में हस्तक्षेप किया, जिनमें भारत और पाकिस्तान के बीच संभावित युद्ध भी शामिल है। वह गाजा में संघर्ष समाप्त करने के लिए इजराइल पर दबाव डालने के बारे में पूछे गए सवाल का उत्तर दे रहे थे।

स्कॉटलैंड में ट्रंप ने कहा कि हमने कई युद्धविराम करवाए... अगर मैं नहीं होता, तो छह बड़े युद्ध चल रहे होते- भारत पाकिस्तान के साथ लड़ रहा होता। उन्होंने कहा कि हमारे पास कई ऐसे तनावपूर्ण क्षेत्र हैं जो युद्ध की स्थिति में थे। मेरा मानना है कि एक बहुत बड़ा मामला भारत और पाकिस्तान का था क्योंकि दोनों ही परमाणु राष्ट्र हैं। वह एक बहुत बड़ा मामला था।

बता दें ट्रंप स्कॉटलैंड की निजी यात्रा पर हैं। उन्होंने कहा कि मैं पाकिस्तान और भारत दोनों देशों के नेताओं को जानता हूं और बहुत अच्छी तरह जानता हूं। वे एक व्यापार समझौते की प्रक्रिया में थे और उसी समय परमाणु हथियारों की बात कर रहे थे,...यह बेतुका है। उन्होंने कहा कि तो मैंने कहा कि यदि आप युद्ध करेंगे तो मैं आप लोगों के साथ कोई व्यापार समझौता नहीं करूंगा और वह ऐसा युद्ध होगा जो अन्य देशों तक फैल जाएगा। उसका परिणाम होता परमाणु प्रदूषण जो हम सभी को प्रभावित करता।

ट्रंप ने कहा कि जब वे परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करना शुरू कर देते, तो वह चीज हर जगह फैलती और वह बहुत बुरी स्थिति होती। तो हो सकता है कि जब हम युद्ध को रोकना चाहते हैं, तब हम थोड़े स्वार्थी हों, लेकिन हमने कई युद्ध को रोका और यह हमारे लिए बहुत गर्व की बात है। भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान किसी भी प्रकार की मध्यस्थता के दावों को बार-बार खारिज किया है।

भारतीय सशस्त्र बलों ने पहलगाम में पाकिस्तान समर्थित घातक आतंकी हमले के जवाब में सैन्य कार्रवाई की थी, जिसे 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम दिया गया था। ये हमले सात से 10 मई तक जारी रहे थे। भारत ने साफ किया है कि उसने पाकिस्तान को निशाना बनाकर की जा रही गोलीबारी भारत और पाकिस्तान के डीजीएमओ के बीच 'सीधी बातचीत' के बाद रोकी थी।

बोगोटा में पूर्व राष्ट्रपति अल्वारो यूरिब को भ्रष्टाचार के आरोप में जेल भेजने पर उत्साहित एक महिला बैनर लिए हुए।

रोज़ाना 7000 स्टेप्स चल लें तो भी बच सकते है कई बीमारियों से

सिडनी (ईएमएस)। अगर कोई व्यक्ति रोज 7000 स्टेप्स भी चल लेता है, तो उससे भी समय से पहले मौत, डायबिटीज, हार्ट डिजीज और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा काफी हद तक कम हो सकता है। ताजा अध्ययन में 57 अलग-अलग रिसर्च को शामिल किया गया, जिनमें 1.60 लाख से अधिक वयस्कों की गतिविधियों का विश्लेषण किया गया। स्टडी में पाया गया कि रोज़ 7000 कदम चलने वालों में मौत का खतरा उन लोगों की तुलना में 47प्रतिशत कम हो जाता है जो सिर्फ 2000 कदम ही चलते हैं। इसके अलावा, कार्डियोवैस्कुलर बीमारियों का खतरा 25प्रतिशत, टाइप 2 डायबिटीज का रिस्क 14प्रतिशत, डिप्रेशन का खतरा 22 प्रतिशत और डिमेंशिया जैसी मानसिक बीमारियों का जोखिम भी 38प्रतिशत तक घट जाता है। इतना ही नहीं, रोज़ 7000 कदम चलने से कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का खतरा 6प्रतिशत और अचानक गिरने का रिस्क 28प्रतिशत तक कम हो जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, हालांकि 10 हजार कदम चलना एक आदर्श लक्ष्य माना जाता है, लेकिन अधिकांश लोगों के लिए 7000 स्टेप्स एक अधिक यथार्थवादी और हासिल करने लायक टारगेट हो सकता है। इस अध्ययन में यह भी सामने आया कि अगर कोई व्यक्ति 4000 कदम भी रोज़ चलता है, तो वह 200 कदम चलने वाले व्यक्ति की तुलना में कहीं बेहतर स्वास्थ्य लाभ पा सकता है। यानी कुल मिलाकर जितना अधिक आप चलेंगे, बीमारियों से उतना ही दूर रहेंगे। यह स्टडी ऑस्ट्रेलिया, यूके और अमेरिका के रिसर्चर्स की एक टीम ने की है।

बहुत मार्मिक है मानवीय सहायता पाने के लिए भूखों की यह दौड़, गाजा में आसमान से गिराए गए भोजन पैकेट्स

गाजा,(ईएमएस)। 21 महीने से जारी युद्ध के बीच पहली बार गाजा के उन लोगों को थोड़ी राहत महसूस हुई जो भूखे-प्यासे यहां से वहां जान बचाते फिर रहे थे। इजरायल ने अंतरराष्ट्रीय दबाव और मानवीय संकट की गंभीरता को देखते हुए घोषणा की है कि वह प्रतिदिन सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक (कुल 10 घंटे) तीन क्षेत्रों में हमले नहीं करेगा। इस दौरान मानवीय सहायता को गाजा में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। इसके चलते रविवार को जॉर्डन और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के सैन्य विमानों ने उत्तरी गाजा पट्टी में भोजन और अन्य आवश्यक सामग्रियां गिराईं। आसमान से गिरते भोजन के पैकेट्स को पाने के लिए भूखे लोग बड़ी संख्या में दौड़ पड़े। इस वक्त की फोटो और वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं, जिन्हें देखकर सामान्यजन का हृदय द्रवित हो जाता है।

कुपोषण से हुईं 74 मौतें

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने चेतावनी दी है कि गाजा में कुपोषण खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। केवल जुलाई 2025 में ही कुपोषण से 63 मौतें दर्ज की गईं, जिनमें 24 पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चे शामिल हैं। कुल मिलाकर इस साल अब तक 74 लोगों की जान कुपोषण से गई है। संयुक्त राष्ट्र के विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यू एफपी) का कहना है कि गाजा की लगभग एक-तिहाई आबादी ने कई दिनों से भोजन नहीं किया है। करीब 4.7 लाख लोग अकाल जैसी स्थिति में हैं।

इजरायली सेना ने आरोपों को किया खारिज

यह अलग बात है कि इजरायली सेना इन आरोपों को खारिज कर रही है कि वह भुखमरी को हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रही है। सेना का दावा है कि वह संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर गाजा तक मानवीय सहायता बढ़ाने पर काम कर रही है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि गाजा की स्थिति के लिए उनकी सरकार जिम्मेदार नहीं है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र पर भी आरोप लगाया कि वह तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश कर रहा है।

मानवीय तस्वीरें

सोशल मीडिया पर वायरल हुईं कुच्छ तस्वीरों में से एक में एक फिलिस्तीनी बच्चे के चेहरे पर मासूम राहत तैरती नजर आ रही है, क्योंकि उसे आटे का एक बैग उसे भी मिल गया है, जिसे वह तस्वीर में उठाए दिख रहा है। राफा के अल-मवासी शिविर में आटे का बैग उठाए इस फिलिस्तीनी बच्चे की तस्वीर खूब वायरल हुई है। कुछ तस्वीरें आसमान से गिरते भोजन के पैकेटों को पकड़ने के लिए दौड़ते लोगों की है। आसमान से गिरते भोजन के पैकेट पाने के लिए इन भूखे लोगों की दौड़ मानवमन को द्रवित करती है।

सत्ता का मोह नहीं त्याग पा रहे यूनुस इसलिए बांग्लादेश में चुनाव नहीं हो पा रहे

गृह युद्ध के बाद सीरिया ने कर दिया सितंबर में आम चुनाव का ऐलान

ढाका,(ईएमएस)। बांग्लादेश में आमचुनाव की वाट सभी जोह रहे हैं, लेकिन मोहम्मद यूनुस को सत्ता का नशा ऐसा चढ़ा है कि वो चुनाव घोषित ही नहीं कर रहे हैं, जबकि सीरिया में चुनाव की घोषणा हो गई है। यह चुनाव सितम्बर में होने की संभावना है। पीपुल्स असेंबली चुनाव की हायर कमेटी के अध्यक्ष मोहम्मद ताहा अल-अहमद ने बताया कि चुनाव 15 से 20 सितंबर के बीच होंगे। ये चुनाव सीरिया में पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद के पतन के करीब आठ महीने बाद होने जा रहे हैं। समान परिस्थिति बांग्लादेश की भी है। यहां शेख हसीना के सत्ता से बेदखल और मोहम्मद यूनुस के अंतरिम सरकार के सलाहकार बने एक साल के करीब हो गए हैं लेकिन यूनुस को सत्ता की मोह ऐसी लगी कि राजनीतिक दलों की मांग के बावजूद भी चुनाव कराने के लिए राजी नहीं हैं।

बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के पतन के एक साल के करीब हो गए हैं। उतने ही दिन से यूनुस देश के सर्वेसर्वा बने हैं1 बिना सरकार के काफी समय गुजरने के बाद बांग्लादेश में आम चुनाव की मांग उठ रही है। शेख हसीना की पार्टी आवामी लीग हो या खलिदा जिया कि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी हो या फिर सेना सभी ने आम चुनाव की मांग की है। मोहम्मद यूनुस चुनाव कराने से इनकार कर रहे हैं। उनका कहना है कि बांग्लादेश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव से पहले व्यापक सुधार जरूरी है। इनमें चुनाव आयोग, न्यायपालिका, पुलिस और प्रशासन में सुधार जरूरी है, ताकि शेख हसीना के शासन की भ्रष्टाचार और दमनकारी नीतियों को खत्म किया जा सके। वह चुनाव को लेकर सेना से भी टकरा चुके हैं। रिपोर्ट के मुताबिक ऐसा दावा किया जा रहा है कि बांग्लादेश में इस साल के अंत-अंत तक या फिर अगले साल की शुरुआत तक चुनावी प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

इधर, गृहयुद्ध से जूझ रहे सीरिया में सत्ता परिवर्तन के कुछ दिनों के बाद ही चुनावी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शरा ने कहा कि इस साल मध्य सितंबर तक चुनावी प्रक्रिया संपन्न हो जाएगी। पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद के पतन के बाद देश के नए सरकार के अधीन होने वाला ये पहला प्रयास होगा। 210 सीटों पर चुनाव होना हैं। इसमें से एक तिहाई सीटों यानी 70 सीटों पर नियुक्ति अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा द्वारा की जाएगी। शेष सीटों पर चुनाव कराया जाएगा। एक इंटरव्यू में चुनाव समिति के एक सदस्य ने बताया निर्वाचित सीटों के लिए मतदान करने के लिए सीरिया के प्रत्येक प्रांत में एक निर्वाचक मंडल स्थापित किया जाएगा।

सीरिया में आम चुनावों की घोषणा ऐसे समय में हुई है जब इस महीने की शुरुआत में सीरिया के दक्षिणी प्रांत सुवेदा में सांप्रदायिक हिंसा भड़क गई थी। इसका प्रभाव दमिश्क में नए अधिकारियों पर भी दिखा। इस हिंसा में लड़ाई में सैकड़ों लोग मारे गए। सीरिया के युद्धोत्तर नाजुक संक्रमण के सामने खतरा पैदा हो गया।

किशोर की पोस्ट से मचा बवाल, बांग्लादेश में फिर भड़की हिंसा, कई घर फूंकें

ढाका,(ईएमएस)। बांग्लादेश के रंगपुर जिले के गंगाचारा इलाके में एक किशोर की सोशल मीडिया पोस्ट से बवाल मच गया। यह पोस्ट को मुस्लिमों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले माना और इसके बाद इलाके में हिंसा फैल गई। गुस्साई भीड़ ने इलाके में अल्पसंख्यक समुदाय के घरों पर हमला कर दिया। कई घरों को तोड़ दिया और आग के हवाले कर दिया। इस घटना से पूरे इलाके में तनाव फैल गया। वहीं मुस्लिमों ने हिंदुओं के घरों की रक्षा की और उग्रवादियों को आगे बढ़ने से रोका।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक किशोर ने फेसबुक पर ऐसी पोस्ट शेयर की, जिसे लोगों ने आपत्तिजनक माना। पोस्ट वायरल होने के बाद गुस्साई भीड़ ने गंगाचारा में अल्पसंख्यकों के घरों को निशाना बनाया। कुछ घरों को आग के हवाले कर दिया। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उस किशोर को हिरासत में लिया, उसके बाद गिरफ्तार कर लिया, लेकिन इससे गुस्सा शांत नहीं हुआ, और हिंसा भड़क उठी।

स्थानीय पुलिस ने बताया कि किशोर के घर की सुरक्षा कर दी गई है, लेकिन भीड़ ने आसपास के कई घरों को निशाना बनाया। इस हमले में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन घरों का सामान तोड़फोड़ दिया गया है। रंगपुर के डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि पीड़ित परिवारों की मदद के लिए कदम उठाए जा रहे हैं, जैसे अस्थायी आश्रय और राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है।

बता दें रंगपुर में 2021 में भी दुर्गा पूजा के दौरान एक ऐसी ही सोशल मीडिया पोस्ट के बाद कई अल्पसंख्यकों के घरों को जला दिया गया था। रिपोर्ट के अनुसार बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदाय ऐसे हमलों का शिकार होता है, खासकर तब जब सियासी उथल-पुथल होती है। शेख हसीना के इस्तीफे के बाद 2024 में भी कुछ ऐसा ही हुआ था। स्थानीय लोगों का कहना है कि मुस्लिम समुदाय ने हिंदू के घरों की रक्षा की। हालांकि, इलाके में तनाव बरकरार है।

पाकिस्तान के लिए क्यों काल साबित हो रहा यह मानसून, बाढ़ से अब तक 271 से ज्यादा मौतें

करांची,(ईएमएस)। पाकिस्तान में इस बार का मानसून आपदा बनकर सामने आया है। इस सीजन में हुई भारी बारिश के कारण बाढ़ के हालात पैदा हो गए, जिसमें करीब 271 लोगों की मौत हो गई और 655 लोगों के घायल होने की भी खबर है। अभी दो से तीन दिनों तक मानसूनी बारिश से राहत मिलने की उम्मीद कम ही है, ऐसे में बाढ़ प्रभावितों को राहत मिलना भी दुश्वार हो रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने बताया कि बीते एक दिन में बारिश और बाढ़ से जुड़ी घटनाओं में 06 और लोगों की मौत हो गई है। इसके साथ ही 26 जून से शुरू हुए मानसून सीजन में देशभर में कुल मृतकों की संख्या 271 से ज्यादा हो गई है। इसी अवधि में 655 लोग घायल भी हुए हैं। ताजा मौतें पंजाब और बलूचिस्तान प्रांतों में दर्ज की गईं। एनडीएमए के अनुसार, वहां छत गिरने और डूबने जैसी घटनाओं के कारण दो और चार लोगों की जान गई।

कराची समेत कई क्षेत्रों में अलर्ट

पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग (पीएमडी) का अनुमान है कि अगले तीन दिनों तक कराची में बादल छाए रहेंगे, हल्की बूंदाबांदी होगी और दिन के समय तेज हवाएं चलेंगी। आर्द्रता का स्तर सुबह में 80 प्रतिशत तक और शाम में 65 प्रतिशत तक रहने का अनुमान है। तापमान 33 से 35 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। सिंध के अन्य जिलों—थारपारकर, संघार, बादिन, थट्टा, उमरकोट और मीरपुरखास—में भी तेज हवाओं, बारिश और स्थानीय तूफानों की संभावना है। पाकिस्तान के विस्तृत तटीय क्षेत्रों में बूंदाबांदी का पूर्वानुमान है।

उत्तरी पाकिस्तान में बढ़ता खतरा

भारी बारिश के कारण उत्तरी क्षेत्रों में गुड्डु और सुक्कुर बैराज में निचले स्तर की बाढ़ बनी हुई है, हालांकि कोटरी बैराज में पानी का प्रवाह अभी सामान्य है। मौसम विभाग का कहना है कि एक नई पश्चिमी हवाओं की प्रणाली आज मंगवार से देश में प्रवेश करने की उम्मीद है। इससे खैबर पख्तूनख्वा, गिलगित-बाल्टिस्तान, मुर्री, गैलियात और आसपास के संवेदनशील इलाकों में तेज बारिश हो सकती है, जिससे अचानक बाढ़, शहरी बाढ़ और भूस्खलन की आशंका बढ़ जाएगी।

बाढ़ अलर्ट जारी

पंजाब आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) ने चिनाब और झेलम नदियों तथा उनकी सहायक नदियों के लिए 29 से 31 जुलाई तक संभावित निम्न से मध्यम स्तर की बाढ़ का अलर्ट जारी किया है। आपातकालीन टीमें और नियंत्रण कक्ष हाई अलर्ट पर हैं। अधिकारियों को निवारक उपाय करने के निर्देश दिए गए हैं।

ईरान में भीषण सूखे और गर्मी के कारण दफ्तर बंद, पानी-बिजली की कटौती शुरू

तेहरान,(ईएमएस)। ईरान इस समय इतिहास की सबसे भीषण गर्मी और सूखे से जूझ रहा है। स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि सरकार को राजधानी तेहरान सहित 22 प्रांतों में सरकारी कार्यालयों को बंद करने का आदेश देना पड़ा है। इसके अलावा, चार अन्य प्रांतों में कार्यालयों के कार्यकाल में कटौती की गई है। सरकारी अधिकारियों ने बताया कि यह निर्णय तब लिया गया जब देशभर में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया और कुछ क्षेत्रों में पारा 50 डिग्री सेल्सियस के करीब दर्ज किया गया। इस अत्याधिक गर्मी के साथ-साथ देश अभूतपूर्व जल संकट से भी जूझ रहा है। पिछले जलवर्ष की तुलना में इस वर्ष वर्षा में 40 फीसद की कमी आई है, जिससे जलाशयों और बांधों में जलस्तर बेहद कम हो गया है। मौजूदा आंकड़ों के अनुसार, देश के बांध अपनी कुल क्षमता का केवल 44 प्रतिशत ही भर पाए हैं। विशेष रूप से दक्षिणी प्रांतों जैसे होरमोज़गान और फार्स में जलस्रोत लगभग समाप्त हो चुके हैं। तेहरान सहित कई शहरों में पिछले कुछ दिनों से घंटों तक पानी की आपूर्ति बाधित रही है। स्थानीय लोगों ने शिकायत की है कि उन्हें एक दिन में कई-कई घंटे बिना पानी के रहना पड़ रहा है। सरकार ने बिजली की आपूर्ति में भी कटौती शुरू कर दी है, ताकि सिस्टम पर अधिक दबाव न पड़े। ऊर्जा मंत्रालय ने लोगों से अपील की है कि वे अनावश्यक रूप से एसी, कूलर और अन्य बिजली उपकरणों का प्रयोग न करें। जलवायु परिवर्तन और लगातार घटती वर्षा ने ईरान की स्थिति को और अधिक संकटपूर्ण बना दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर समय रहते कठोर कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले महीनों में स्थिति और भी विकराल हो सकती है।

बैंकॉक के प्रसिद्ध बाज़ार में गोलीबारी से 6 लोगों की मौत, वारदात को अंजाम देने के बाद शूटर ने भी की आत्महत्या, वीडियो वायरल

बैंकॉक (ईएमएस)। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में सोमवार को शहर के प्रसिद्ध बाज़ार में हुई गोलीबारी में कम से कम 6 लोगों की जान चली गई है। मृतकों में वह बंदूकधारी भी शामिल है जिसने वारदात को अंजाम देने के बाद आत्महत्या कर ली। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ब्यूरो के उपायुक्त ने बताया कि घटना के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया और पुलिस ने तुरंत मोर्चा संभाल लिया। बैंकॉक के अस्पतालों की निगरानी करने वाले इरावन इमरजेंसी मेडिकल सेंटर के अनुसार कृषि उत्पाद और स्थानीय खाद्य पदार्थ बेचने वाले ओर तो को बाज़ार में हमलावर बंदूकधारी ने चार सुरक्षा गार्डों और एक महिला की हत्या कर दी। यह बाज़ार अपने ताजे उत्पादों और स्थानीय व्यंजनों के लिए जाना जाता है और आमतौर पर यहां काफी भीड़ रहती है। गोलीबारी की सटीक वजह का अभी तक पता नहीं चल पाया है लेकिन पुलिस ने मामले की गहन जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद बाज़ार को सील कर दिया गया है और फोरेंसिक टीमें घटनास्थल पर सबूत जुटा रही हैं। इस घटना ने बैंकॉक जैसे शांत माने जाने वाले शहर में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय प्रशासन लोगों से शांत रहने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील कर रहा है।

जलवायु परिवर्तन के कारण खाद्य कीमतों में आ रहा भारी उछाल

जिनेवा (ईएमएस)। यूके में 2024 की शुरुआत में भारी बारिश के कारण आलू की कीमतें 22प्रतिशत तक बढ़ गईं। यह बारिश सामान्य से 20प्रतिशत अधिक थी और वैज्ञानिकों के अनुसार जलवायु परिवर्तन के कारण ऐसी घटनाएं अब 10 गुना अधिक संभावित हो गई हैं। अमेरिका में 2022 के सूखे के बाद सब्ज़ियों की कीमतों में 80प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इथियोपिया में 2023 में खाद्य कीमतें 40प्रतिशत बढ़ीं, जो 2022 के भयानक सूखे का असर था ऐसा सूखा जो 40 सालों में नहीं देखा गया था और जिसे जलवायु परिवर्तन ने 100 गुना अधिक संभावित बना दिया। इसी तरह, यूरोप के जैतून तेल उत्पादक देशों स्पेन और इटली में कीमतें 50प्रतिशत तक बढ़ीं। आइवरी कोस्ट और घाना में हीटवेव के कारण 2024 में कोको की वैश्विक कीमतों में 280प्रतिशत की वृद्धि हुई। ब्राज़ील और वियतनाम में सूखा और हीटवेव ने कॉफी की कीमतें 55प्रतिशत और 100प्रतिशत तक पहुंचा दीं।

जापान में अगस्त 2024 की हीटवेव के बाद चावल की कीमतों में 48प्रतिशत और दक्षिण कोरिया में गोभी की कीमतों में 70प्रतिशत तक उछाल आया। पाकिस्तान में 2022 की बाढ़ ने ग्रामीण खाद्य वस्तुओं की कीमतों को 50 प्रतिशत तक बढ़ाया, जबकि ऑस्ट्रेलिया में बाढ़ के बाद लेट्यूस 300 प्रतिशत तक महंगा हो गया जो देश की सबसे बड़ी बीमा आपदा बनी। इन सबका सबसे बड़ा असर गरीबों पर पड़ता है। फूड फाउंडेशन के मुताबिक, पौष्टिक खाना पहले से ही सस्ते लेकिन कम पोषण वाले विकल्पों के मुकाबले दोगुना महंगा है। जब खाद्य महंगाई बढ़ती है, तो कम आय वाले लोग फल-सब्ज़ियां छोड़कर सस्ते परंतु अस्वस्थ खाद्य विकल्प चुनते हैं, जिससे बच्चों में कुपोषण और बड़ों में गंभीर बीमारियां बढ़ती हैं।

महिला ने मृत्यू के बाद का बताया अनुभव कहा- वाह मौत के बाद का मजा पूरी दुनिया में नहीं

वाशिंगटन(ईएमएस)। विक्टोरिया थॉमस नाम की एक महिला की मौत हो गई। करीब 17 मिनट तक मृत रही। इसके बाद वो जिंदा गई। महिला ने जो अनुभव बताया वो काफी चौंकाने वाला था। आमतौर हम ज्यादातर आफ्टरलाइफ एक्सपीरियंस बताते हैं कि मौत के बाद उन्हें काफी सुकून महसूस हुआ। ऐसा मजा पूरी दुनिया में कहीं नहीं है। हालांकि विक्टोरिया बताती हैं कि उस दौरान उन्हें ऐसा लगा जैसे वह ऊपर छत के पास तैर रही थीं और नीचे अपना शरीर देख रही थी। उन्होंने कहा कि मैंने खुद को देखा और सोचा कि मेरी टांगें कितनी मोटी लग रही हैं। बाद में एक फोटो देखकर पता चला कि मेरी टांगें वाकई में सूज गई थीं। उन्हें ब्रिस्टल रॉयल इंफर्मरी में भर्ती कराया गया, जहां वे तीन दिन तक कोमा में रहीं। डॉक्टर्स ने उन्हें एक पेसमेकर लगाया ताकि भविष्य में अगर फिर से कार्डियक अरेस्ट हो, तो पेसमेकर दिल को झटका देकर दोबारा शुरू कर सके।

विक्टोरिया थॉमस की किस्मत अच्छी थी कि एम्बुलेंस समय पर पहुंच गई और पैरामेडिक्स ने तुरंत सीपीआर शुरू किया। हालांकि इस बीच 17 मिनट तक उनका दिल बंद था। फिर चमत्कार हुआ और विक्टोरिया के दिल ने फिर से धड़कना शुरू कर दिया। विक्टोरिया ने इसके बाद अपने अनुभव को लेकर जो बताया, वो अब तक सुनी जाने वाली पुरानी बातों से बिल्कुल अलग था।

एक दिन भी शराब छोड़ने से शरीर में होते है कई सकारात्मक बदलाव

लंदन (ईएमएस)। कई गंभीर बीमारियों जैसे हार्ट अटैक, स्ट्रोक, कैंसर और डायबिटीज का खतरा शराब पीने से बढ़ जाता है। शराब का सेवन शरीर के लिए बेहद नुकसानदायक होता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स हमेशा सलाह देते हैं कि शराब से जितनी जल्दी दूरी बना ली जाए, उतना ही बेहतर है।

चौंकाने वाली बात यह है कि अगर आप सिर्फ एक दिन के लिए भी शराब छोड़ते हैं, तो शरीर में कई सकारात्मक बदलाव शुरू हो जाते हैं। एक दिन शराब से दूर रहने पर शरीर फिर से हाइड्रेशन की प्रक्रिया को बेहतर तरीके से अपनाने लगता है, जिससे पाचन, दिमाग की कार्यक्षमता और ऊर्जा में सुधार आने लगता है। शराब ब्लड शुगर लेवल को भी बिगाड़ती है, लेकिन एक दिन के ब्रेक के बाद यह सामान्य होने लगता है। हालांकि रोजाना शराब पीने वाले लोगों को शुरुआत में थोड़ी घबराहट, नींद में कमी, पसीना आना या शरीर कांपने जैसे लक्षण हो सकते हैं, जो एक हफ्ते में खुद-ब-खुद ठीक हो जाते हैं। एक सप्ताह तक शराब न पीने पर नींद की गुणवत्ता में सुधार होता है, लिवर हल्की चोटों से उबरना शुरू कर देता है और दिमाग बेहतर तरीके से काम करने लगता है। एक महीने तक शराब न पीने से मानसिक स्थिति में बड़ा सुधार होता है। व्यक्ति ज्यादा पॉजिटिव महसूस करता है, ऊर्जा बढ़ती है, आत्मविश्वास में इजाफा होता है और वजन व पेट की चर्बी में कमी आती है। त्वचा की चमक लौट आती है और पाचन संबंधी समस्याएं कम हो जाती हैं। इतना ही नहीं, एक महीने में इंसुलिन रेसिस्टेंस 25प्रतिशत तक घट जाता है, जिससे शुगर लेवल सुधरता है और ब्लड प्रेशर भी लगभग 6प्रतिशत तक घट सकता है।

अंतिम टेस्ट में ब्रैडमैन का रिकार्ड तोड़ सकते है शुभमन

लंदन (ईएमएस)। भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल अब तक इंग्लैंड दौरे पर बेहद सफल रहे हैं। शुभमन ने हर मैच में एक नई उपलब्धि हासिल की है। अब उनके पास ओवल में 31 जुलाई से शुरु हो रहे अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में एक और रिकार्ड अपने नाम करने का अवसर है। शुभमन ने इस सीरीज में अबतक चार शतक लगाने के साथ ही 700 से अधिक रन बनाये हैं। अब उन्हें एक सीरीज में सबसे अधिक रनों का ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज सर डॉन ब्रैडमैन का रिकार्ड तोड़ने के लिए केवल 89 रनों की जरुरत है। शुभमन ने अब तक इस सीरीज में 722 रन बनाये हैं। वहीं ब्रैडमैन ने 88 साल पहले साल 1936/37 की एशेज सीरीज में 810 रन बनाए थे। भारतीय कप्तान 89 बनाते ही एक टेस्ट सीरीज में 811 रन बनाने वाले पहले कप्तान बन जाएंगे। ऐसे में शुभमन जब ओवल में खेलने के लिए उतरेंगे तो उनकी नजरें ब्रैडमैन से आगे निकलने पर रहेंगी। जिस प्रकार का प्रदर्शन उन्होंने तक किया है। उसको देखते हुए क्रिकेट प्रेमियों को पूरी उम्मीद है कि शुभमन सबसे अधिक रनों का रिकार्ड आसानी से बना देंगे। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में अब तक सिर्फ पांच कप्तान ऐसे रहे हैं जिन्होंने एक टेस्ट सीरीज में 722 या उससे ज्यादा रन बनाए हैं। शुभमन गिल इस लिस्ट में अब

छठे पायदान पर हैं, पर वह अंतिम टेस्ट के बाद पहले नंबर पर पहुंच सकते हैं।

अंतिम टेस्ट में भी खेलने तैयार हैं स्टोक्स

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स का कहना है कि वह भारतीय टीम के खिलाफ 31 जुलाई से ओवल में शुरु हो रहे अंतिम टेस्ट में भी खेलना चाहते हैं। स्टोक्स के अनुसार ये मैच बेहद अहम है, ऐसे में अगर वह पूरी तरह से फिट नहीं भी हुए तो भी खेलेंगे। ये टेस्ट दोनो ही टीमों के लिए बेहद अहम। भारतीय टीम ये मैच जीतकर सीरीज में बराबरी जबकि इंग्लैंड जीत हासिल करना चाहेगी। स्टोक्स ने कहा कि अगले मैच में उन्हें गेंदबाजी आक्रमक में बदलाव करना होगा। भारतीय कप्तान शुभमन गिल, रविंद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर के शतकों के बाद चौथा टेस्ट ड्रॉ रहा। मैच के अंतिम दिन स्टोक्स और उनकी टीम एक घंटा पहले मैच समाप्त करना चाहते थे पर भारतीय टीम ने मना कर दिया था। स्टोक्स ने मैनचेस्टर टेस्ट में दर्द के बाद भी 11 ओवर किये थे। उन्होंने कहा ,' मेरे नहीं खेलने की संभावना नहीं के बराबर है। मैं हमेशा ही टीम को अपना सब कुछ देने का प्रयास करूंगा। मेरी चोट अधिक खराब नहीं हुई है और उम्मीद है कि इससे उबरकर अंतिम टेस्ट खेल पाउंगा, जहां तक दर्द की बात है वह होता रहता है। मैंने ऑलराउंडर के तौर पर अपना काम किया है हालांकि इस सप्ताह दबाव ज्यादा रहा।' उन्होंने कहा ,'गेंदबाजी करना आसान नहीं है, अभी दर्द है पर मैं प्रयास करता रहूंगा। मैं सभी गेंदबाजों से कहता हूं कि दर्द केवल एक भाव है।' स्टोक्स ने इस सीरीज में जमकर गेंदबाजी की है और अभी तक सबसे अधिक 17 विकेट लिए हैं. मैनचेस्टर में उन्होंने पारी में पांच विकेट लेने के अलावा शतक भी लगाया था। उन्होंने कहा कि पांचवें टेस्ट में तरोताजा गेंदबाजों की जरूरत रहेगी।

कुलदीप को अंतिम टेस्ट में भी शायद ही अवसर मिले

चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव को इंग्लैंड दौरे में अब तक जगह नहीं मिली है ओर जिस प्रकार का प्रदर्शन अभी तक स्पिन ऑलराउंडरों रविन्द्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर ने किया है। उसको देखते हुए कुलदीप को अंतिम मैच में भी शायद ही जगह मिले। कुलदीप को टीम में तभी जगह मिल सकती है। जब टीम तीन स्पिनरों के साथ खेले और ऐसी संभावना कम ही है। अब तक इस सीरीज में कुलदीप को बाहर रखे जाने के कारण टीम संतुलन बताया गया। कोच ओर कप्तान ने माना है कि कुलदीप काफी अच्छे कलाई के स्पिनर हैं परन्तु तेज पिचों को देखते हुए उन्हें अवसर नहीं मिल पा रहा। सुंदर को उनपर वरीयता इसलिए दी जा रही है क्योंकि सुंदर गेंदबाजी के साथ ही अच्छी बल्लेबाजी भी करते हैं। मैनचेस्टर में उन्होंने शतक लगाकर रविन्द्र जडेजा के साथ लंबी साझेदारी की थी। ओल्ड ट्रैफर्ड के मैदान पर डेब्यू करने वाले अंशुल कंबोज कुछ खास नहीं कर पाये। वहीं ऑलराउडर शार्दुल ठाकुर को केवल 11 ओवर ही गेंदबाजी दी गयी। इसके बाद भी कुलदीप की टीम में जगह नहीं बन पाना हैरानी की बात है। वहीं इंग्लैंड के बल्लेबाजों का रिकार्ड देखा जाये तो कलाई के स्पिनरों के सामने वे सहज नहीं रहते उसके बाद भी कुलदीप को अब तक इस सीरीज में बहार रखा गया है।

इस सीरीज से पहले कुलदीप ने कहा था कि स्पिनरों के साथ एक ख़ास बात होती है बल्लेबाज़ों को पढ़ना जो समय और अनुभव के साथ आती है. मुझे लगता है कि मैंने बल्लेबाज़ों की अगली चाल को समझने की क्षमता विकसित कर ली है, ख़ासकर टी20 खेलने के अपने अनुभव की वजह से, जहाँ यह ज़रूरी है. और यह कौशल निश्चित रूप से लाल गेंद वाले क्रिकेट में भी मेरी रणनीति बनाने में मदद करेगा हालांकि इसके बाद भी टीम प्रबंधन कुछ सुनने और समझने को तैयार नहीं ।

अगले माह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी भारतीय पुरुष हॉकी टीम

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम 15 से 21 अगस्त तक पर्थ में होने वाली चार मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी। विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर काबिज भारतीय टीम 15, 16, 19 और 21 अगस्त तक होने वाले इन मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन कर आगामी एशिया कप के लिए अपनी तैयारियों को बेहतर करेगी। एशिया कप का आयोजन 29 अगस्त से 7 सितम्बर तक बिहार के राजगीर में होना है। एशिया कप इसलिए भी अहम है क्योंकि इसमें प्रदर्शन के आधार पर अगले वर्ष के एफआईएच विश्व कप में सीधे क्वालीफाई करने का अवसर मिलेगा। भारतीय टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने ऑस्ट्रेलिया दौरे केा लेकर कहा, ''यह दौरा बिहार में होने वाले हीरो एशिया कप से ठीक पहले होने से टीम ओ अपनी तैयारियों का आंकलन करने का बेहतर अवसर मिलेगा। ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ खेलने से टीम को अपनी कमजोरियों के साथ ही अपनी क्षमताओं का भी पता चलेगा।'' हाल ही में यूरोप में एफआईएच प्रो लीग में भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के हाथों करीबी हार को सामना करना पड़ा था।

गंभीर ने खिलाड़ियों से कहा, अंतिम टेस्ट जीतकर सीरीज में बराबरी हासिल करें, टीम इंडिया की प्रमुख हस्तियों से हुई मुलाकात

लंदन (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने ओवल में 31 जुलाई से मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले पांवचे टेस्ट मैच से पहले टीम का उत्साह बढ़ाते हुए कहा है कि हमारे पास सीरीज में बराबरी का अंतिम मौक है जिसका लाभ हमें उठाना है। गंभीर ने चौथे टेस्ट में टीम के शानदार प्रदर्शन की जमकर सराहना भी की। मैनचेस्ट में चौथे टेस्ट के अंतिम दिन रविन्द्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर ने शतक लगाकर भारतीय टीम को हार से बचा लिया था। पांचवां टेस्ट खेलेंगे, से पहले भारतीय टीम ने लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग पहुंची। इस दौरान खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ की अधिकारियों और गणमान्य व्यक्तियों से मुलाकात हुई। इसमें सभी ने उन्हें मिले

समर्थन के लिए आभार जताया। गंभीर ने इस कार्यक्रम में भारत-इंग्लैंड मुकाबलों के ऐतिहासिक महत्व को भी बताया।

गंभीर ने कहा, इंग्लैंड का दौरा हमेशा ही रोमांचक और चुनौतीपूर्ण रहा है। दोनों देशों के बीच का क्रिकेट इतिहास बेहद अहम है। हमें हर बार ब्रिटेन दौरे पर आपार समर्थन मिला है। इंग्लैंड ने इस सीरीज का पहला मैच पांच विकेट से जीता था, जिसके बाद भारतीय टीम ने दूसरे मुकाबले को 336 रन से जीता। वहीं इंग्लैंड ने तीसरे टेस्ट को 22 रन के करीबी अंतर से जीतकर सीरीज में एक बार फिर 2-1 से बढ़त हासिल कर ली जबकि चौथा टेस्ट बराबरी पर रहा।

गंभीर ने कहा, पिछले पांच हफ्ते दोनो ही टीमों के लिए बेहद रोमांचक रहे। मेरा मानना है कि जिस तरह का क्रिकेट खेला गया, उसने हर क्रिकेट प्रेमी खुश है। दोनों टीमों ने जबरदस्त खेल दिखाया। अब भारत के पास अंतिम टेस्ट जीतकर ये सीरीज 2-2 से बराबरी पर समाप्त करने का अंतिम अवसर है। साथ ही कहा कि अंतिम टेस्ट को लेकर टीम को मिलकर प्रयास करना होगा। साथ ही कहा कि हमारे पास एक सप्ताह का समय है जिसमें हम बराबरी हासिल कर देश का गौरव बढ़ा सकते हैं।

गंभीर पिच की स्थिति को लेकर असहमत दिखें

गंभीर पिच को लेकर नाराज दिखे और उन्होंने मैदान पर पहुंचकर सीधे क्यूरेटर से बातचीत की। दोनों के बीच पिच की स्थिति और व्यवहार को लेकर असहमति देखी गई। सूत्रों के मुताबिक, गंभीर को यह कहते हुए सुना गया, आप यहां सिर्फ ग्राउंड्स मैन हैं। यह बहस नेट्स में हुई, जब खिलाड़ी अपने रन-अप एरिया पर निशान लगा रहे थे। बाद में बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक आए और क्यूरेटर को अपने साथ ले गए और उनसे बात की, जबकि गंभीर अभी भी दूर से क्यूरेटर से बहस कर रहे थे।

ओवल में मिल सकता है अभिमन्यु को अवसर

इंग्लैंड (ईएमएस)। बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन को इंग्लैंड दौरे पर अब तक एक भी मैच में अवसर नहीं मिला है। अभिमन्यु पिछले चार साल से टीम के साथ हैं पर उन्हें अब तक डेब्यू का मौका नहीं मिला है जबकि उनका घरेलू क्रिकेट का रिकार्ड अच्छा है। इंग्लैंड लायंस के खिलाफ भी अभिमन्यु ने भारत ए टीम की कप्तानी की थी। उसके सामने ही 15 खिलाड़ियों को डेब्यू का अवसर मिल है पर वह बैंच पर ही बैठा अपनी बारी का इंतजार करता रह गय है। इस दौरान तीन कोच और कप्तान तक बदले हैं पर किसी ने भी उसे अवसर नहीं दिया है।

वहीं अब 31 जुलाई से ओवल में होने वाले पांचवे व अंतिम टेस्ट में

अभिमन्यु को अवसर मिल सकता है। इस मैच में अगर करुण नायर बाहर रहे तो अभिमन्यु को उनकी जगह मिल सकती है।

इस बल्लेबाज ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 27 शतक दर्ज हैं और 7,841 रन बनाये हैं। वहीं 31 अर्धशतक भी उनके नाम हैं। अभिमन्यु ईश्वरन के रिकॉर्ड को देखें तो वह इस सीरीज में डेब्यू करने वाले साई सुदर्शन के घरेलू रिकॉर्ड से कहीं आगे हैं। सुदर्शन ने अभी तक कुल 30 फर्स्ट क्लास मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 36 की औसत से खेलते हुए 1987 रन बनाए हैं। वहीं, अभिमन्यु का बैटिंग औसत 103 मैच खेलने के बावजूद 54 का है। 51 पारियों में सुदर्शन सिर्फ 7 शतक और 5 अर्धशतक ही लगा सके हैं। अनुभव से लेकर बल्लेबाज रिकॉर्ड तक में अभिमन्यु सुदर्शन से कहीं ज्यादा आगे हैं। वहीं पूर्व क्रिकेटर सबा करीम का ये मानना है कि सुदर्शन सिर्फ इसलिए लाइमलाइट में आ गए, क्योंकि आईपीएल 2025 में उनका प्रदर्शन जोरदार रहा था अब कोई टीम अभिमन्यु को आईपीएल में नहीं लेती तो इसका मतलब ये नहीं कि वो बल्लेबाज खराब है। अभिमन्यु ईश्वरन पिछले लगभग 4 साल से स्क्वॉड में आते हैं और पानी पिलाकर घर लौट जाते हैं। ड्रेसिंग रूम में अभिमन्यु ने समय तो बहुत बिता लिया है, लेकिन टीम इंडिया की जर्सी में खेलने का सपना अब तक साकार नहीं हुआ है। इस क्रिकेटर के सामने ही यशस्वी जायस्वाल रजत पाटीदार, ईशान किशन जैसे युवा बल्लेबाज बल्लेबाजों ने डेब्यू किया है।

क्यूटो में महिलाओं के कोपा अमेरिका फुटबॉल में भाग लेती हुई अर्जेंटीना और कोलंबिया की खिलाड़ी।

मांट्रियल में कनाडा की कैमीला रेखीमोवा रिटर्न शॉट लगाती हुई।

विमेंस ओडीआई रैंकिंग- इंग्लिश कप्तान स्किवर ब्रंट टॉप पर पहुंची: स्मृति मंधाना को पीछे छोड़ा; हरमनप्रीत को 10 स्थान का फायदा

इंग्लैंड . इंग्लैंड की कप्तान नेटली स्किवर-ब्रंट ICC विमेंस रैंकिंग में टॉप पर पहुंच गई हैं। उन्होंने भारत की स्मृति मंधाना को पछाड़कर पहला स्थान हासिल किया है। स्किवर-ब्रंट के अब 731 रेटिंग पॉइंट्स हो गए हैं, जबकि मंधाना के 728 अंक हैं। यह दूसरी बार है जब स्किवर-ब्रंट वनडे रैंकिंग में टॉप पर पहुंची हैं, इससे पहले 2023 में भी वह नंबर-1 पर थीं। स्किवर-ब्रंट ने डरहम में भारत के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के आखिरी मुकाबले में 98 रन बनाकर यह उपलब्धि हासिल की है। इस ऑलराउंडर ने सलामी बल्लेबाजों के जल्दी आउट होने के बाद पारी को संभाला, हालांकि इंग्लैंड 13 रनों से हार गया और भारत ने सीरीज 2-1 से जीत ली।

इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी वनडे में

भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने शानदार और मैच जिताने वाली शतकीय पारी खेली थी। उन्होंने 84 गेंदों में 102 रन बनाए थे। हरमनप्रीत भी बल्लेबाजों की लिस्ट में 10 स्थान ऊपर चढ़कर 11वें स्थान पर पहुंच गई हैं। जेमिमा रोड्रिग्स दो स्थान ऊपर 13वें स्थान पर पहुंचीं, जबकि रिचा घोष नौ स्थान की छलांग लगाकर 39वें स्थान पर पहुंचीं और 516 अंकों के साथ करियर की बेस्ट रेटिंग हासिल की। बॉलर्स में सोफी एक्लेस्टन टॉप पर वनडे की बॉलर्स रैंकिंग में इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टन टॉप पर हैं। उन्होंने 3 वनडे में 5 विकेट झटके, जिनमें दूसरे मैच में 3/27 के आंकड़े शामिल हैं। उनकी रेटिंग बढ़कर 795 हो गई और उन्होंने टॉप स्थान और मजबूत कर लिया। इसी सीरीज में भारत की क्रांति गौड़ ने सबसे ज्यादा 9 विकेट लिए। इंग्लैंड की चार्ली डीन ने 4 विकेट लिए।

ऑस्ट्रेलिया ने 5-0 से क्लीन स्वीप किया:वेस्टइंडीज को पांचवें टी-20 में 3 विकेट से हराया; ग्रीन-डेविड-ओवेन की तिकड़ी ने दिलाई जीत

ऑस्ट्रेलिया ने पांचवें टी-20 में वेस्टइंडीज को 3 विकेट से हराकर सीरीज में 5-0 से क्लीन स्वीप किया। बासेटेरे में खेले गए पांचवें और अंतिम मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने टिम डेविड, मिशेल ओवेन और कैमरन ग्रीन की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत जीत हासिल की। वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.4 ओवर में 170 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 16 ओवर में 7 विकेट खोकर 173 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। वेस्टइंडीज की खराब शुरुआत टॉस हारकर बल्लेबाजी

करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत खराब रही। 14 रन पर सलामी बल्लेबाज शाई होप आउट हो गए। इसके बाद दूसरे सलामी बल्लेबाज ब्रैंडन किंग 22 रन पर पवेलियन लौटे। पावरप्ले में वेस्टइंडीज ने 3 विकेट खोकर 49 रन बनाए। 10 ओवर (ड्रिंक्स) तक स्कोर 4 विकेट पर 84 रन था। हेटमायर की साझेदारियों ने स्कोर को 150 के पार पहुंचाया शिमरन हेटमायर ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए तीन महत्वपूर्ण साझेदारियां कीं। उन्होंने पहले शेरफेन रदरफोर्ड के साथ चौथे विकेट के लिए 18 गेंदों में 32 रन जोड़े। इसके बाद जेसन होल्डर के साथ पांचवें विकेट के लिए 30 गेंदों में 47 रन और सातवें विकेट के लिए 15 गेंदों में 32 रन की साझेदारी की। इन साझेदारियों की बदौलत वेस्टइंडीज का स्कोर 170 तक पहुंचा। हेटमायर ने 31 गेंदों में 52 रन, रदरफोर्ड ने 18 गेंदों में 35 रन और होल्डर ने 15 गेंदों में 20 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से बेन ड्वारशुइस ने 4 ओवर में 41 रन देकर 3 विकेट और नाथन एलिस ने 3.2 ओवर में 32 रन देकर 2 विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत भी रही खराब 171 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। 12 रन पर सलामी बल्लेबाज ग्लेन मैक्सवेल आउट हुए। जोश इंग्लिस 23 रन पर और मिशेल मार्श 25 रन पर पवेलियन लौटे। पावरप्ले में ऑस्ट्रेलिया ने 4 विकेट खोकर 67 रन बनाए। कैमरन ग्रीन ने संभाली पारी कैमरन ग्रीन ने ऑस्ट्रेलियाई पारी को संभाला और टीम को जीत की दहलीज तक पहुंचाया। उन्होंने टिम डेविड के साथ चौथे विकेट के लिए 14 गेंदों में 35 रन और मिशेल ओवेन के साथ पांचवें विकेट के लिए 29 गेंदों में 63 रन की साझेदारी की। ग्रीन ने 18 गेंदों में 32 रन, डेविड ने 12 गेंदों में 30 रन और ओवेन ने 17 गेंदों में 37 रन बनाए।

सुंदर के पिता का आरोप, मेरे बेटे से भेदभाव करते हैं

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय टीम के ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर के पिता ने चयनसमिति पर निशाना साधा है। सुंदर के पिता का आरोप है कि उनके बेटे के साथ भेदभाव किया जा रहा है। साथ ही कहा कि जहां अन्य खिलाड़ियों को लगातार अवसर मिलते हैं। वहीं सुंदर को अच्छे प्रदर्शन के बाद भी बाहर कर दिया जाता है। सुंदर के पिता ने मैनचेस्टर में उसके शतक के बाद कहा कि उसे लगातार खेलने का अवसर नहीं दिया जाता। लोग उसके प्रदर्शन को नजरअंदाज कर देते हैं जबकि अन्य खिलाड़ियों को लगातार अवसर मिलते हैं, केवल सुंदर कोनहीं मिलते। उसे पांचवें नंबर पर ही बल्लेबाजी करनी चाहिए जैसे उसने चौथे टेस्ट की दूसरी पारी में किया था। उसे पांच से दस सीधे अवसर मिलने चाहिए। मेरे बेटे को इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए शामिल नहीं किया गया था। चयनकर्ताओं को उसके प्रदर्शन को देखना चाहिए फिर ही कोई फैसला करना चाहिये।" इस क्रिकेटर के पिता ने कहा "मेरे बेटे को केवल एक या दो मैचों में विफल होने पर भी बाहर कर दिया जाता है जबकि यह सही नहीं है। इस क्रिकेटर ने साल 2021 में चेन्नई में इंग्लैंड के खिलाफ एक कठिन पिच पर नाबाद 85 रन बनाए थे और उसी साल अहमदाबाद में 96रन बनाए थे। अगर वह इन दोनो पारियां में शतक लगाता तो भी उसे बाहर कर दिया जाता।इस प्रकार का रवैया अन्य क्रिकेटरों के लिए नहीं अपनाया जाता।"

श्रेयस का हेलीकॉप्टर वाला वीडियो छाया

नई दिल्ली (ईएमएस)। क्रिकेटर श्रेयस अय्यर सोशल मीडिया में भी काफी सक्रिय रहते हैं। श्रेयस का एक वीडियो आजकल सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है जिसमें वह प्रभावशाली नजर आ रहे हैं। श्रेयस के माथे पर लाल रंग का गोल टीका लगा हुआ है जबकि ब्लैक शर्ट में सामने के कुछ बटन खुले हुए हैं। सफेद पैंट पहने श्रेयस ने हेलीकॉप्टर से जिस तरह से प्रवेश किया सभी उन्हें देखते रह गये। इस दौरान फैंस उनकी तुलना चीफ मिनिस्टर से कर रहे हैं। श्रेयस का ये वीडियो पालघर जिले के विरार वेस्ट में स्थित न्यू विवा कॉलेज का है। जहां क्षितिज उत्सव दही हांडी प्रीमियर लीग का आयोजन हुआ था। श्रेयस इस उत्सव में मुख्य अतिथि बनकर पहुंचे थे। श्रेयस के पहुंचते ही कॉलेज का माहौल बदल जाता है। इस इवेंट में वह हेलीकॉप्टर से पहुंचे। श्रेयस को हेलीकॉप्टर से उतरता देखकर लोग उनकी तुलना चीफ मिनिस्टर से करने लगते हैं। वहीं कोई उन्हें मुंबई का नया राजा कह रहा है। उनके गले में एक मोटी चेन नजर आ रही थी जिससे उनका लुक और भी प्रभावी हो गया। श्रेयस की दीवानगी कॉलेज के छात्र छात्राओं में इतनी थी कि उनके साथ तस्वीर खिंचाने को सभी उमड़ पड़े। श्रेयस भी तस्वीर खिचंवाने और ऑटो ग्राफ देने में व्यस्त दिखे। इस वीडियो को लेकर प्रशंसकों ने भी काफी प्रतिक्रियाएं दी हैं। एक यूजर ने लिखा, ' श्रेयस अय्यर हमारे सरपंच साहब.'दूसरे यूजर ने लिखा, ' श्रेयस अय्यर की दीवानगी। ' वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा कि एकदम मुख्यमंत्री वाला माहौल।

मैनचेस्टर में पाक की जर्सी पहुंचे, जांच होगी

मैनचेस्टर (ईएमएस)। यहां के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर भारत ओर इंग्लैंड के बीच हुए चौथे टेस्ट मैच में अंतिम दिन एक अजीब वाकया हुआ। जब भारतीय खिलाड़ी मैच बचाने में लगे थे तो एक व्यक्ति पाकिस्तानी जर्सी पहुंचकर स्टेडियम में पहुंच गया। इस व्यक्ति को सुरक्षाकर्मियों ने अपनी टी-शर्ट ढकने को कहा। इस वायरल वीडियो में वह व्यक्ति कहते हुए नजर आया, 'भारतीय प्रशंसकों को कोई परेशानी नहीं, तो आपको क्या परेशानी है?'हालांकि, मैच से पहले जारी गाइडलाइन में साफ लिखा गया था कि केवल भारत और इंग्लैंड टीमों से जुड़े झंडे, बैनर और कपड़े ही स्टेडियम में प्रवेश के अधिकारी होंगे। वहीं लंकाशायर काउंटी क्लब ने कहा है कि इस मामले की जांच की जाएगी। क्लब प्रवक्ता ने कहा, 'हम इस घटना की जानकारी रखते हैं और पूरी स्थिति की गहराई से जांच कर रहे हैं। हम देखेंगे कि कैसे कोई पाक जर्सी में आ गया। इस मामले के दोषी पर कार्रवाई की जाएगी।'

बीसीसीआई स्टोर से लाखों रुपये की आईपीएल जर्सी चोरी हुईं, सुरक्षा प्रबंधक निकला आरोपी

मुंबई (ईएमएस)। मुंबई में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक मर्चेंडाइज स्टोर से 6.52 लाख रुपए की 261 आईपीएल जर्सी चोरी होने का मामला सामने आया है। इस मामले में सबसे चिन्ताजनक बात ये है कि स्टोर के सुरक्षा प्रबंधक फारुख असलम खान के खिलाफ ही चोरी का आरोप लगा है। बीसीसीआई कर्मचारी हेमंग भारत कुमार अमीन ने जर्सी चोरी होने की शिकायत पुलिस में दर्ज करायी है। अमीन ने आरोप लगाया था कि फारुख ने दिल्ली कैपिटल्स, मुंबई इंडियंस, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर, कोलकाता नाइट राइडर्स, पंजाब किंग्स और चेन्नई सुपर किंग्स जैसी आईपीएल टीमों की जर्सी चोरी की हैं। पुलिस ने अमीन की शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि फारुख पर चोरी का आरोप गंभीर है और जांच में सभी पहलुओं को ध्यान में रखा जा रहा है। इस घटना के बाद वानखेड़े स्टेडियम की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। बीसीसीआई का मर्चेंडाइज स्टोर दूसरी मंजिल पर स्थित है और यह प्रशंसकों के बीच काफी लोकप्रिय है। गौरतलब है कि वानखेड़े स्टेडियम मुंबई में स्थित एक ऐतिहासिक क्रिकेट स्टेडियम है। 1974 में स्थापित यह भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) का मुख्यालय और मुंबई इंडियंस का घरेलू मैदान है।

अनजान से गेंदबाज ने बनाया सबसे तेजी से पांच विकेट लेने का रिकार्ड

मुम्बई (ईएमएस)। फिनलैंड की ओर से खेलने वाले भारतीय मूल के महेश तांबे ने एस्टोनिया के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय में तेजी से पांच विकेट लेकर एक नया विश्व रिकार्ड बनाया है। तांबे ने केवल आठ गेंदों में पांच विकेट लेकर सभी को हैरान कर दिया। इससे पहले सबसे तेजी से 5 विकेट लेने का विश्व रिकॉर्ड बहरीन के जुनैद अजीज के नाम था। अजीज ने साल 2022 में जर्मनी के खिलाफ केवल 10 गेंद में ही पांच विकेट लिए थे। फिनलैंड और एस्टोनिया के बीच खेले गये तीसरे टी20 मैच में एस्टोनियाई टीम 19.4 ओवर में 141 रन ही बना पायी। एस्टोनिया ने इस मैच की शुरुआत में 2 विकेट पर 104 रन बना लिए थे और वह अच्छे स्कोर की ओर बढ़ रहा था पर महेश ने पांच विकेट लेकर उसकी पारी को समेट दिया। महेश ने एस्टोनिया के मध्यक्रम को ध्वस्त कर दिया। उसने स्टेफन गूच, साहिल चौहान, मुहम्मद उस्मान, रुपम बरुआ और प्रणय गीवाला को आउट किया। महेश ने दो ओवरों में 19 रन देकर पांच विकेट लिए। फिनलैंड ने इसके बाद अच्छी बल्लेबाजी कतरे हुए 18.1 ओवर में 5 विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया। उसकी ओर से अरविंद मोहन ने सबसे ज्यादा रन बनाए। अरविंद ने 60 गेंद में 67 रन बनाये। अरविंद के आउट होने के बा फराज मेहती अब्बास ने 19 और जॉर्डन ओ'ब्रायन ने 18 रन बनाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। फिनलैंड ने इस जीत के साथ ही टी20 सीरीज 2-1 से जीत ली है।

हांगकांग की टीम के कोच बने श्रीलंका के कौशल सिल्वा

कोलंबो (ईएमएस)। श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर कौशल सिल्वा अब हांगकांग की पुरुष क्रिकेट टीम के नया मुख्य कोच की भूमिका में नजर आयेंगे। हांगकांग क्रिकेट बोर्ड ने एशिया कप 2025 को देखते हुए सिल्वा को कोच की जिम्मेदारी दी है। सिल्वा ओपनर और विकेटकीपर रहे हैं। अब वह एशिया कप से पहले हांगकांग की टीम को बेहतर प्रदर्शन के लिए टिप्स देंगे। एशिया कप 2025 में हांगकांग को ग्रुप बी में श्रीलंका, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के साथ जगह मिली है। ऐसे में सिल्वा की जिम्मेदारी टीम को इन मुकाबलों के लिए तैयार करना रहेगा। सिल्वा के करियर की बात करें तो उन्होंने 2011 में पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था। वे 7 साल तक श्रीलंका की टेस्ट टीम का हिस्सा रहे। इस दौरान उन्होंने कुल 39 टेस्ट मैच खेले और 74 पारियों में 28.36 की औसत से 2099 रन बनाए। उनके नाम टेस्ट क्रिकेट में 3 शतक और 12 अर्धशतक दर्ज हैं। 2019 में क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद वह कोच बन गये। उनके पासा श्रीलंका, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में घरेलू टीमों की कोचिंग का अनुभव लिया हालांकि वह पहली बार किसी अंतरराष्ट्रीय टीम को कोचिंग देते नजर आएंगे। हांगकांग की टीम ने अब तक चार बार एशिया कप में भाग लिया है। हालांकि अब तक वह कोई विशेष प्रदर्शन नहीं कर पायी है। हाल ही में टीम ने एशिया पैसिफिक क्रिकेट चैंपियंस ट्रॉफी में हिस्सा लिया था। उस टूर्नामेंट के फाइनल में हांगकांग को मलेशिया से हार का सामना करना पड़ा था।

एपल पहली बार चीन में रिटेल स्टोर बंद करेगा: वहां कंपनी के कुल 56 स्टोर्स; अब भारत-यूएई के बाजारों में नए स्टोर खोलने की प्लानिंग

बीजिंग: टेक कंपनी एपल ने चीन में रिटेल स्टोर को बंद करने का ऐलान किया है। कंपनी 9 अगस्त को डालियान शहर के पार्कलैंड मॉल में स्थित अपने स्टोर को बंद कर देगी। यह पहली बार है जब एपल ने 2008 में चीन में पहला स्टोर खोलने के बाद कोई आउटलेट बंद किया है। हालांकि, कंपनी ने कहा कि वह चीन में बाजार हिस्सेदारी बनाए रखने और भारत, सऊदी अरब, और यूएई जैसे मार्केट में नए स्टोर खोलने पर फोकस कर रही है।

मॉल की रिब्रांडिंग की वजह से स्टोर बंद करेगी कंपनी

कंपनी ने इसका कारण मॉल में बदलते कारोबारी माहौल को बताया। दरअसल पार्कलैंड मॉल को हाल ही में इनटाइम सिटी के रूप में रीब्रांड किया गया था। इसके मैनेजमेंट में बदलाव के बाद कई बड़े ब्रांड्स ने अपने स्टोर बंद कर दिए। एपल ने कहा, पार्कलैंड मॉल से कई रिटेलर्स के जाने के कारण हमने अपना स्टोर बंद करने का फैसला किया। कंपनी ने बताया कि डालियान में एपल का दूसरा स्टोर ओलिंपिया 66 मॉल में खुला रहेगा, जो पार्कलैंड से 10 मिनट की दूरी पर है।

एपल के चीन में 56 स्टोर

एपल की चीन में रणनीति और नए स्टोर चीन में स्टोर बंद करने के बावजूद एपल ने साफ किया कि वह इस बाजार से पीछे नहीं हट रही। कंपनी के ग्रेटर चाइना में 56 स्टोर हैं, जो उसके 530 से ज्यादा वैश्विक स्टोर्स का 10% से अधिक हिस्सा हैं। चीन के अलावा, एपल भारत, सऊदी अरब, यूएई, और डेट्रॉयट में नए स्टोर खोलने की योजना बना रही है। एपल चीन से हटकर भारत में आईफोन का प्रोडक्शन पर फोकस कर रहा है। अमेरिका में बिकने वाले 78% आईफोन भारत में बन रहे हैं। मार्केट रिसर्चर कैनालिस के मुताबिक 2025 में जनवरी से जून के बीच भारत में 23.9 मिलियन (2 करोड़ 39 लाख) आईफोन बने, जो पिछले साल की तुलना में 53% ज्यादा है। वहीं रिसर्च फर्म साइबरमीडिया रिसर्च के अनुसार भारत से आईफोन का निर्यात (भारत से विदेश भेजे गए आईफोन) भी बढ़कर 22.88 मिलियन (2 करोड़ 28 लाख) यूनिट तक पहुंच गया है। पिछले साल समान अवधि में ये भारत में आईफोन मैन्युफैक्चरिंग का आंकड़ा 15.05 मिलियन (1 करोड़ 50 लाख) था। यानी सालाना आधार पर इसमें 52% की बढ़ोतरी हुई है। कारोबार की बात करें तो 2025 की पहली छमाही में भारत से करीब 1.94 लाख करोड़ रुपए के आईफोन निर्यात किए गए। पिछले साल यही आंकड़ा 1.26 लाख करोड़ रुपए था।

अमेरिका में निर्यात के मामले में चीन को पीछे छोड़ा

2025 के अप्रैल महीने में भारत से अमेरिका को 33 लाख आईफोन्स भेजे गए। वहीं चीन से भेजे मोबाइल की संख्या 9 लाख रही। जिन आईफोन का निर्माण भारत में हुआ, उनमें से 78% अमेरिका में भेजे गए। पिछले साल यह आंकड़ा 53% था।

अडाणी पावर का पहला कॉरपोरेट एक्शन! 1 अगस्त को हो सकता है ऐतिहासिक फैसला

गौतम अदाणी की कंपनी अडाणी पावर ने पहली बार स्टॉक स्प्लिट करने की तैयारी कर ली है। कंपनी ने इस बारे में जानकारी स्टॉक एक्सचेंज को एक फाइलिंग के ज़रिए दी है। अडाणी पावर ने बताया कि 1 अगस्त 2025, शुक्रवार को बोर्ड की एक मीटिंग होने जा रही है, जिसमें स्टॉक स्प्लिट का प्रस्ताव रखा जाएगा और उस पर मंजूरी दी जा सकती है। अगर यह प्रस्ताव पास होता है, तो यह कंपनी का पहला कॉरपोरेट एक्शन होगा। फाइलिंग में कहा गया है, "हम आपको सूचित करना चाहते हैं कि कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की मीटिंग 1 अगस्त 2025 को होगी, जिसमें 10 फेस वैल्यू वाले शेयरों को विभाजित (split) करने का प्रस्ताव रखा जाएगा।" स्टॉक स्प्लिट के लिए कंपनी के शेयरहोल्डर्स की मंजूरी और जरूरी नियामकीय मंजूरी भी जरूरी होंगी।

क्या होता है स्टॉक स्प्लिट?

स्टॉक स्प्लिट में कंपनी अपने शेयरों के फेस वैल्यू को कम कर देती है, जिससे एक शेयर की कीमत घट जाती है और शेयर बाजार में उसकी लिक्विडिटी (खरीद-फरोख्त की सुविधा) बढ़ जाती है। इससे छोटे निवेशक भी शेयर खरीद सकते हैं। अडाणी पावर के स्टॉक में इस खबर के बाद जोरदार तेजी देखी गई। शुक्रवार दोपहर 2:43 बजे के आसपास शेयर 3% से ज्यादा चढ़कर 589.90 पर ट्रेड कर रहा था। BSE वेबसाइट के मुताबिक, अडाणी पावर ने अब तक अपने निवेशकों के लिए कोई भी डिविडेंड या अन्य कॉरपोरेट एक्शन की घोषणा नहीं की है।

क्या करती है अडाणी पावर?

अडाणी पावर देश की प्रमुख पावर कंपनियों में से एक है, जो थर्मल और सोलर पावर प्लांट्स के ज़रिए बिजली उत्पादन का काम करती है। कंपनी की मार्केट वैल्यू 2.27 लाख करोड़ से भी ज्यादा है।

सेंसेक्स 81,338 पर बंद:दिन के निचले स्तर से 850 अंक संभला बाजार ; एनएसई के सभी इंडेक्स में उछाल

मुंबई: हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार (29 जुलाई) को सेंसेक्स 447 अंक चढ़कर 81,338 के स्तर पर बंद हुआ। डे-लो से यह करीब 850 अंक संभला है। निफ्टी में भी 140 अंक की तेजी रही, ये 24,821 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 21 में तेजी और 9 में गिरावट रही। रिलायंस और L&T 2.3% गिरे। कुल 9 शेयर्स 1% तक चढ़कर बंद हुए। एक्सिस बैंक और टीसीएस के शेयर नीचे बंद हुए। निफ्टी के 50 में से 36 शेयरों में तेजी और 14 में गिरावट रही। शुरुआती गिरावट के बाद एनएसई के सभी इंडेक्स चढ़कर बंद हुए। मेटल, फार्मा, रियल्टी और हेल्थकेयर 1% से ज्यादा चढ़कर बंद हुए। वहीं, ऑटो, मीडिया और बैंकिंग इंडेक्स 1% तक चढ़े।

ग्लोबल मार्केट में मिलाजुला कारोबार

- एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 0.79% नीचे 40,675 के स्तर पर और कोरिया का कोस्पी 0.66% ऊपर 3,231 पर बंद हुए।
- हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 0.15% नीचे 25,524.45 पर और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.33% चढ़कर 3,609.71 पर बंद हुए।
- 28 जुलाई को अमेरिका का डाउ जोन्स 0.14% गिरकर 44,838 पर बंद हुआ। वहीं, नैस्डेक कंपोजिट 0.24% ऊपर 21,179 पर और S&P 500 0.018% ऊपर 6,390 पर बंद हुए।

28 जुलाई को एफआईआई ने 6,082 करोड़ रुपए के शेयर्स बेचे

- 28 जुलाई को विदेशी निवेशकों ने कैश सेगमेंट में 6,082.47 करोड़ रुपए के शेयर्स बेचे। वहीं, घरेलू निवेशकों ने 6,764.55 करोड़ रुपए की नेट खरीदारी की।
- जुलाई महीने में अब तक विदेशी निवेशकों ने 36,591.13 करोड़ रुपए के शेयर्स बेचे हैं। वहीं, घरेलू निवेशकों ने इस दौरान 46,590.52 करोड़ रुपए की नेट खरीदारी की है।
- जून महीने में विदेशी निवेशकों की नेट खरीदारी 7,488.98 करोड़ रुपए रही। वहीं, घरेलू निवेशकों ने भी महीनेभर में 72,673.91 करोड़ की नेट खरीदारी की थी।

ई-कॉमर्स और 3पीएल कंपनियों से वेयरहाउसिंग सेक्टर में जोरदार उछाल

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के आठ प्रमुख शहरों में 2025 की पहली छमाही में औद्योगिक स्थानों और गोदामों की मांग में जबरदस्त बढ़ोतरी देखी गई है। रियल एस्टेट सेवा प्रदाता सीबीआरई की रिपोर्ट के अनुसार इस अवधि में औद्योगिक और वेयरहाउसिंग क्षेत्र में लीजिंग (पट्टे पर लेना) 63 प्रतिशत बढ़कर 27.1 मिलियन वर्ग फुट तक पहुंच गई। इस वृद्धि का प्रमुख कारण ई-कॉमर्स और थर्ड पार्टी लॉजिस्टिक्स (3पीएल) कंपनियों की मजबूत मांग रही। जनवरी-जून 2025 के दौरान लीज पर दी गई कुल जगह में से 32 प्रतिशत हिस्सेदारी 3पीएल कंपनियों की रही, जबकि ई-कॉमर्स कंपनियों की हिस्सेदारी बढ़कर 25 प्रतिशत हो गई। सीबीआरई के एक अधिकारी ने कहा कि 3पीएल और ई-कॉमर्स कंपनियों का प्रभुत्व यह दर्शाता है कि तेजी से बदलती उपभोक्ता अपेक्षाएं और आपूर्ति श्रृंखला में तकनीकी अनुकूलन इस सेक्टर को नई दिशा दे रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इसी अवधि में 1.67 करोड़ वर्ग फुट नई आपूर्ति दर्ज की गई, जिसमें बेंगलुरु, चेन्नई और मुंबई का कुल 57 प्रतिशत योगदान रहा। सीबीआरई को उम्मीद है कि 2025 की दूसरी छमाही में भी इसी तरह की मजबूत मांग बनी रहेगी। आने वाले समय में प्रीमियम, टिकाऊ और तकनीक-समर्थित वेयरहाउसिंग सुविधाओं की मांग और अधिक बढ़ने की संभावना है।

शैलेश जेजुरिकर बने पीएंडजी के प्रेसिडेंट एंड सीईओ, इस पद पर पहुंचने वाले पहले भारतीय

शैलेश जेजुरिकर 1 जनवरी से प्रॉक्टर एंड गैम्बल के नए प्रेसिडेंट और चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर बनेंगे। वे इस कंज्यूमर गुड्स सेक्टर की दिग्गज कंपनी के पहले भारतीय प्रमुख होंगे। 58 वर्षीय जेजुरिकर 1989 में कंपनी से जुड़े थे। वे जॉन मोएलर की जगह लेंगे, जिन्हें लगभग चार साल पहले यह जिम्मेदारी दी गई थी। कंपनी के बयान के अनुसार, मोएलर अब पीएंडजी के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन की भूमिका निभाएंगे।

पीएंडजी की 187 साल के इतिहास में पहले भारतीय सीईओ

कंपनी ने कहा है कि जेजुरिकर को अक्टूबर में होने वाली वार्षिक शेयरधारकों की बैठक में निदेशक के रूप में चुनाव के लिए नॉमिनेट किया गया है। पीएंडजी की 187 साल की इतिहास में कंपनी का नेतृत्व करने वाले वे पहले भारतीय होंगे। कंपनी की ओर से जारी बयान में जेजुरिकर ने कहा, "पीएंडजी के सीईओ के रूप में सेवा देना मेरे लिए सम्मान की बात है। पीएंडजी के लोग, हमारे ब्रांड और इनोवेशन व संचालन दक्षता में हमारी क्षमताएं मुझे निरंतर विकास और मूल्य सृजन

के भविष्य को लेकर आश्वस्त करती हैं।"

36 वर्षों के करियर में जेजुरिकर का शानदार ट्रैक रिकॉर्ड

बयान में कहा गया है कि पीएंडजी में अपने 36 वर्षों के करियर में जेजुरिकर ने एक शानदार ट्रैक रिकॉर्ड स्थापित किया है और बीते 12 वर्षों से वे लीडरशिप टीम का अभिन्न हिस्सा रहे हैं। "अपने करियर के दौरान, शैलेश ने पीएंडजी इंडिया से हमेशा संबंध बनाए रखे – चाहे वह कंपनी के सबसे बड़े व्यवसाय ग्लोबल फैब्रिक और होम केयर के सीईओ के रूप में हो, या फिर हाल ही में चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर (सीओओ) के रूप में, जिसमें वे पीएंडजी के ग्लोबल एंटरप्राइज मार्केट्स की P&L जिम्मेदारी संभाल रहे थे, जिसमें भारत भी शामिल है।

अभी कंपनी के सीओओ हैं जेजुरिकर

फिलहाल जेजुरिकर कंपनी के सीओओ हैं और पीएंडजी के एंटरप्राइज मार्केट्स (लैटिन अमेरिका, भारत, मिडिल ईस्ट, अफ्रीका, साउथईस्ट एशिया और ईस्टर्न यूरोप) के लिए मुनाफा-नुकसान की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। वे सूचना प्रौद्योगिकी, ग्लोबल बिजनेस सर्विसेज, सेल्स, मार्केट ऑपरेशंस, परचेजिंग, मैन्युफैक्चरिंग, डिस्ट्रीब्यूशन और नए कारोबारों का नेतृत्व कर रहे हैं। कंपनी ने यह भी कहा कि जेजुरिकर ने हर बाजार और व्यवसाय में लगातार मजबूत व्यावसायिक नतीजे दिए हैं। वे पहले पीएंडजी के सबसे बड़े व्यवसाय, फैब्रिक और होम केयर डिवीजन के सीईओ थे, जिसमें टाइड, एरियल, डाउनी, गेइन, फेब्रीज़, स्विफर जैसे ब्रांड्स शामिल हैं और जो कंपनी की कुल बिक्री और शुद्ध लाभ का लगभग एक-तिहाई हिस्सा है। 2016 से 2021 के बीच, पीएंडजी में उन्होंने अपने करियर की शुरुआत भारत में एक असिस्टेंट ब्रांड मैनेजर के रूप में की थी, जहां वे पर्सनल हेल्थ केयर (विक्स) और स्किन केयर का कार्यभार संभालते थे।

दैनिक पंचांग

30 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

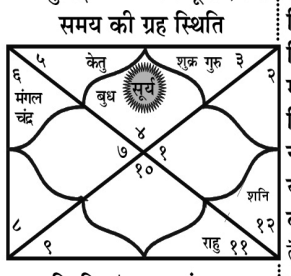

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.51 बजे से
चंद्र	कन्या में	कन्या	09.03 बजे से
मंगल	कन्या में	तुला	11.13 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	13.28 ब.से
गुरु	मिथुन में	धनु	15.44 बजे से
शुक्र	मिथुन में	मकर	17.49 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	19.36 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	21.09 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	22.39 बजे से
राहुकाल		वृष	00.19 बजे से
12.00 से 1.30		मिथुन	02.17 बजे से
बजे तक		कर्क	04.31 बजे से

बुधवार 2025 वर्ष का 211 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास श्रावण **पक्ष** शुक्ला
तिथि षष्ठी 02.42 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र हस्त 21.53 बजे को समाप्त।
योग सिद्ध 03.40 बजे रात्र को समाप्त।
करण कौलव 13.41 बजे तदनन्तर तैतिल 02.42 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 05.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 18° 30'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872421
जूलियन दिन 2460886.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सफर
तारीख 04
विशेष कल्कि जयंती, स्कंद षष्ठी।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 7362

बाएँ से दाएँ

1. लालसा, मांग-3
3. मोटरगाड़ी-4
6. दरवाजे पर दी गई थाप-3
7. मां की माता-2
8. पार्थिव देह-2
10. संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, माधुरी की फिल्म-5
12. स्वदेश, जन्मभूमि-3
15. पाबंदी, रोक-3
17. आश्चर्यचकित होना-5
20. नासिका-2
22. आनेवाला दिन-2
23. समतल-3
24. शमशीर, कृपाण -4
25. फिजूल, व्यर्थ-3

ऊपर से नीचे

2. दुर्जन, बेइमान-5
3. जिसके सिर पर बल न हो, गंजा-3
4. साहूकार, व्यापारी-4
5. जांच, परीक्षण-3
7. मां के पिता-2
9. लाश-2
11. तरुणी, किशोरी-3
13. कार्यविधि-3
14. बेइज्जत होना-2-3
15. हाथी साधने वाला -4
16. मेहंदी-2
18. ताकत, जोर-2
19. अभिनेत्री-3
21. कमी-3

शब्द पहेली -7361 का हल

प	र	व	र	दि	गा	र	■	■
■	च	■	ह	■	ड़ी	■	अ	■
आ	ना	■	मा	ल	वा	■	दा	म
रा	■	म	न	■	न	ल	■	न
म	ही	न	■	■	■	ल	की	र
दे	■	न	स	■	ह	क	■	ख
ह	त्या	■	र	न	र	■	का	ना
■	ग	■	ह	■	द	■	फि	■
■	■	ब	द	ना	म	क	र	ना

Jagrutidaur.com, Bangalore

अंकजाल - 6903

■	25	23	9	■	37	29	17	12	■
18		6		■		8		3	24
16	5		5	■	4		2		22
13		8	■	7		3		2	25
29	7		4		6		■	■	■
■	■	■		3		2		7	33
31	2		7		9	■	2		5
26		5		7	■	3		4	13
18	5		5		■		4		14
8	15	12	31	33	■	6	17	21	■

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

अंकजाल 6902 का हल

■	12	23	22	28	■	10	18	25	■
22	8	9	2	3	■	5	4	9	18
22	2	7	5	8	■	5	3	8	16
22	2	7	3	4	6	7	9	3	12
■	■	■	7	2	5	7	2	5	28
36	7	8	5	6	7	3	■	■	■
10	6	4	■	5	2	5	6	3	21
19	4	7	8	■	8	5	8	6	27
18	4	6	8	■	7	5	6	7	25
2	21	25	16	■	35	25	20	16	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 5847

7			4		3	
4	36	2	34		26	1
		6		7		4
6	34		33		30	5
3		7		2		
	27		35	4	36	7
1		3			7	4

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5846 का हल

1	2	3	7	5	6	4
3	24	6	37	2	32	1
6	1	2	5	7	4	3
5	33	1	29	4	30	6
7	6	5	4	1	3	2
2	38	4	31	3	29	7
4	3	7	1	6	2	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

आज का इतिहास

1810 ब्रिटिश फौजों ने मारीशस पर कब्जा किया.
1871 फ्रांसिसी लेखक मार्शल प्राउस्ट का जन्म हुआ.
1896 फ्रांसिसी सैनिकों ने फशोदा (सूडान) पर कब्जा किया.
1911 मोरक्को संकट के दौरान फ्रांस का समर्थन करने पर जर्मनी को रूस ने चेतावनी दी.
1943 मित्र राष्ट्रों के सैनिक द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान सिसलो (इटली) पहुंचे.
1953 सोवियत संघ के आंतरिक मामलों के मंत्री एल.पी.बेरिया बर्खास्त किए गए.
1964 मोइसे शोम्बे कांगो के प्रधानमंत्री बने.
1965 महिलाओं के लिए ग्वालियर में एन.सी.सी कॉलेज का उद्घाटन किया गया.
1990 मिखाइल गोर्बाच्योव कम्युनिस्ट पार्टी के नेता पुन: चुने गए.
1991 अमरीका ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लगाए गए प्रतिबंधों को

गणित पहेली - 5207

39		50		39		2	=	25
	■		■		■		■	
26		2		13		13	=	39
	■		■		■		■	
25		3		50		1	=	25
	■		■		■		■	
10		5		20		10	=	15
=	■	=	■	=	■	=	■	=
28		27		22		17	=	24 / 6

Jagrutidaur.com, Bangalore

संकेत

खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (x) व (÷) के निशान लगाने हैं जिनका उत्तर (=) पूर्णतः मेल खाता हो.

गणित पहेली - 5206

50	+	2	-	5	+	5	=	52
+	■	+	■	+	■	x	■	-
52	+	80	-	78	-	10	=	44
-	■	-	■	-	■	÷	■	+
97	-	58	-	25	+	2	=	16
+	■	-	■	-	■	+	■	-
20	x	3	-	20	÷	2	=	20
=	■	=	■	=	■	=	■	=
25	-	21	+	38	-	27	=	4 / 15

शब्दजाल -6894

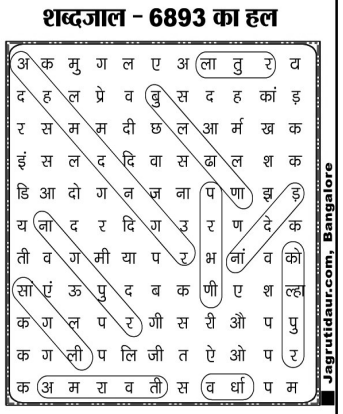

गु	मी	रा	कु	मा	र	अ	फा	न	प	रा
न	ला	क	प	इं	डो	र्जु	शि	या	ड़	म
अ	दा	म	ला	र	ग	न	द	द	प	वि
प्र	ग	ल	न	ब	दू	सिं	प	या	लि	ला
त	ण	अ	सौ	बी	जा	ह	कि	नि	ला	स
आ	इ	व	मो	व	आ	व	त	धि	लू	पा
ग	जी	ल	मु	व	प	जा	न	मा	प्र	स
र	रि	भा	र	ख	प	स	द	र	सा	वा
क	म	ल	ना	थ	र्जी	ज	जी	न	द	न
न	ट	व	र	सिं	ह	ब्रा	रु	अ	प	श
ब	शि	वा	जी	पा	टि	ल	त्ता	प	क	र

शब्द जाल में मनमोहन सरकार में शामिल मंत्रियों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

प्रणव मुखर्जी, अर्जुन सिंह, रामविलास पासवान, गुलाम नबी आजाद, शिवाजी पाटिल, नटवर सिंह, कमलनाथ, मीरा कुमार, लालू प्रसाद, दयानिधी मारन

शब्दजाल - 6893 का हल

अ	क	मु	ग	ल	ए	अ	ला	तु	र	य
द	ह	ल	प्रे	व	बु	स	द	ह	कां	इ
र	स	म	म	दी	छ	ल	आ	र्म	ख	क
इं	स	ल	द	दि	वा	स	ढा	ल	श	क
डि	आ	दो	ग	न	ज	ना	प	णा	झ	ड़
य	ना	द	र	दि	ग	उ	र	ण	दे	क
ती	व	ग	मी	या	प	र	भ	नां	व	को
सा	एं	ऊ	पु	द	ब	क	णी	ए	श	ल्हा
क	ग	ल	प	र	गी	स	री	औ	प	पु
क	ग	ली	प	लि	जी	त	ऐ	ओ	प	र
क	अ	म	रा	व	ती	स	व	र्धा	प	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त खबरें

राज्य में जीएसटी चोरी पर होगी कार्रवाई : वित्त मंत्री

पलामूः नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय और उससे संबद्ध कॉलेजों में करोड़ों रुपये की वित्तीय अनियमितताओं और जीएसटी चोरी के गंभीर आरोपों को लेकर राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने विश्वविद्यालय और इसके अंगिभूत महाविद्यालयों में भ्रष्टाचार, शैक्षणिक व्यवस्था की गिरावट, प्राइवेट कॉलेज में परीक्षा सेंटर बनाने, पीएचडी इंट्रेस परीक्षा में गड़बड़ी और जीएसटी उल्लंघन को लेकर बिंदुवार शिकायत सौंपी। मंत्री ने शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए कहा कि राज्य में किसी भी प्रकार का वित्तीय भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी और उच्च स्तरीय जांच करवाई जाएगी। प्रदेश उपाध्यक्ष अमरनाथ तिवारी ने कहा कि विश्वविद्यालय में डिजिटल बोर्ड की खरीद के नाम पर करोड़ों की लूट हुई है। छात्रों के नाम पर बजट स्वीकृत होता है और उसका बंदरबांट अधिकारियों और ठेकेदारों के बीच होता है। उन्होंने कहा कि इस मामले में इडी और डीजीजीआई जैसी एजेंसियां भी हस्तक्षेप करें और दोषियों को जेल भेजा जाए। सामाजिक कार्यकर्ता राहुल कुमार दुबे ने कहा कि एक ओर सरकार डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा दे रही है, वहीं दूसरी ओर विश्वविद्यालय प्रशासन डिजिटल बोर्ड के नाम पर जीएसटी चोरी और सरकारी धन की बर्बादी कर रहा है। उन्होंने कहा कि जिस वस्तु की की ऑनलाइन कीमत 1.75 लाख है उसे 3.91 लाख रुपए में खरीदा गया। यह खुला भ्रष्टाचार है। यदि सरकार ने कार्रवाई नहीं की, तो हम अदालत और जनता दोनों का दरवाजा खटखटाएंगे। सभी ने वित्त मंत्री से जल्द से जल्द निष्पक्ष जांच की मांग की। प्रतिनिधिमंडल में जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश त्रिपाठी, जीएलए कॉलेज छात्रसंघ अध्यक्ष रिषु दुबे सहित कई छात्र नेता उपस्थित थे।

गर्त में डूबी स्वास्थ्य विभाग को आईसीयू से निकाला बाहर : मंत्री इरफान अंसारी

रांचीः झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी द्वारा स्वास्थ्य व्यवस्था पर की गई टिप्पणी पर पलटवार किया है। स्वास्थ्य मंत्री ने पूर्व की भाजपा सरकार पर स्वास्थ्य विभाग को गर्त में डालने का आरोप लगाया। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने मंगलवार को प्रेस रिलीज जारी कर कहा कि झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था को भाजपा के दौर में जिस गर्त में डाला गया था, उसे मौजूदा सरकार ने आईसीयू से खींचकर बाहर निकाला और सुधार की राह पर ला खड़ा कर दिया है। अंसारी ने कहा कि वर्तमान सरकार ने न केवल एम्बुलेंस कर्मियों की समस्याओं को गंभीरता से लिया है, बल्कि वेतन, स्थायीत्व और पारदर्शिता की दिशा में ठोस पहल की है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग न केवल अच्छे कार्य कर रहा है, बल्कि वर्षों की उपेक्षा की भरपाई भी कर रहा है। आज रांची का सदर अस्पताल देश में अव्वल स्थान पर है। मंत्री ने आगे कहा कि सरकार का ध्यान समाधान पर है, न कि सस्ती राजनीति पर। जनता अब समझ चुकी है कि कौन विकास के साथ है और कौन सिर्फ बयानबाजी करता है?

देवघर के बाबा बैद्यनाथ धाम में अबतक 33.11 लाख श्रद्धालुओं ने किया जलार्पण

देवघरः सावन माह में देवघर के विश्व प्रसिद्ध बाबा बैद्यनाथ धाम में लगातार श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ रहा है। तीसरे सोमवार को सुबह 04:09 से मंदिर का पट खुलते ही जलार्पण शुरू हो गया। बाबा बैद्यनाथ की नगरी देवघर में शिवभक्तों की गूंज से पूरा रूट लाइन गुंजायमान रहा। सभी कांवरिया कतारबद्ध होकर बाबा का जयघोष करते हुए जलार्पण कर रहे थे। कांवरिया सुल्तानगंज से जल लेकर 105 किलोमीटर की पैदल यात्रा कर देवघर के बाबा बैद्यनाथ धाम पहुंचकर जलार्पण करते हैं। जिला प्रशासन के अनुसार सावन मेला में अब तक कुल 33 लाख 11 हजार 291 श्रद्धालुओं ने बाबा बैद्यनाथ पर जर्लापण किया है। जलार्पण शुरू होते ही पूरा मंदिर परिसर बोल-बम के नारों से रात तक गुंजयमान रहा। देश के हर कोने और विदेश से भी भक्त भोलेनाथ को जलार्पण कर रहे हैं। उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा की उपस्थिति में शिवलोक परिसर में तीसरी सोमवारी को एक बार फिर शिव गाथा थीम पर ड्रोन शो का आयोजन किया गया। साथ ही बाबा मंदिर की परिधि से पांच किलोमीटर तक के दायरे में ये अद्भुत नजारा श्रद्धालुओं को शाम 08 बजे के बाद आकाश में देखने को मिला, जिसकी सभी ने जमकर तारीफ की। इसके अलावा ड्रोन शो के माध्यम से बाबा बैद्यनाथ मंदिर से जुड़ी विभिन्न पौराणिक महत्व, मेला एवं ज्योतिर्लिंग से जुड़ी जानकारी को प्रदर्शित किया गया। साथ ही शिवलोक परिसर में करीब 20 से 25 मिनट का ड्रोन शो का आयोजन किया गया।

हाथियों ने महिला को पटक कर मार डाला

पलामूः जिले के सतबरवा थाना क्षेत्र अंतर्गत मनिका वन क्षेत्र में रबदा पंचायत के सलैया गांव में हाथियों के झुंड ने मंगलवार को बकरी चरा रही एक अधेड़ विधवा महिला को पटक पटक कर मार डाला। एक अन्य महिला ने किसी तरह मौके से भाग कर अपनी जान बचायी। मृतक महिला की पहचान समुद्री कुंवर (52) के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलने पर मनिका वन विभाग के रेंजर ठाकुर पासवान ने मृतका के पुत्र को दाह संस्कार के लिए 50 हजार रुपए की आर्थिक मदद दी। रेंजर ने बताया कि आवश्यक कार्रवाई पूरी करने के बाद साढ़े तीन लाख रुपये और मुआवजा दिया जाएगा। जानकारी के अनुसार समुद्री कुंवर और वार्ड सदस्य बबलू परहिया की मां पानो कुंवर अपने घर के पास में ही बकरी चरा रही थी। अचानक वहां दो बड़े हाथी और एक बच्चा पहुंचा एवं समुद्री कुंवर को घेर लिया। महिला जान बचाने के लिए पानी के एक नाले में कूद गई, लेकिन हाथियों ने पानी में घुसकर उसे पटक पटक कर मार डाला। हाथियों के हमले को देखकर साथ में बकरी चरा रही पानो कुंवर चिल्लाने लगी और जान बचाकर मौक से भागी। महिला ने घटना की जानकारी ग्रामीणों को दी। ग्रामीण एकजुट होकर मौके पर पहुंचे। इसी क्रम में हल्ला सुनकर हाथी औरंगा नदी पार करके जंगल में चले गए। सूचना के बाद वन विभाग की टीम एवं सतबरवा थाना पुलिस ने महिला के शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

रिश्वत लेते रोजगार सेवक रंगे हाथ गिरफ्तार

लातेहारः भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी)पलामू की टीम ने मंगलवार को लातेहार जिले के मनिका प्रखंड के बरवैया पंचायत में कार्यरत रोजगार सेवक चंदन कुमार को पांच हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार एक लाभुक को सूअर शेड की योजना स्वीकृत हुई थी। सूअर शेड निर्माण पूरा हो गया था। पैसे निकासी के लिए रोजगार सेवक की ओर से पांच हजार रुपये घूस मांगा जा रहा था। परेशान होकर लाभुक ने इसकी सूचना एसीबी टीम को दी। इसके बाद एसीबी की टीम ने लाभुक के जरिये लगाए गए आरोप का सत्यापन किया। जब आरोप पूरी तरह सत्य पाया गया तो एसीबी की टीम ने लाभुक को पैसे देकर रोजगार सेवक के पास भेजा। रोजगार सेवक ने जैसे ही रिश्वत के पैसे लिए वैसे ही एसीबी की टीम वहां पहुंची और उसे रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

पलामू का पोलपोल बनेगा विस्थापितों के लिए मॉडल गांव

नक्सलियों के गढ़ से निकले बच्चों के लिए शुरू किया गया स्मार्ट क्लास

पलामूः जिले का पोलपोल गांव झारखंड के विस्थापितों के लिए मॉडल बनेगा. दअरसल, पलामू टाइगर रिजर्व से विस्थापित होने वाले गांव के लोगों को पलामू के पोलपोल में बसाया जा रहा है. जबकि लातेहार के गारू के जयगिर की पूरी आबादी और कुजरूम लाटू की आधी आबादी विस्थापित हो चुकी है.

विस्थापित बच्चों के लिए शुरू हुआ स्मार्ट क्लासः ग्लोबल टाइगर डे पर झारखंड सरकार के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर, पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू समेत कई टॉप अधिकारी बेतला नेशनल पार्क और पोलपोल के इलाके में पहुंचे थे. इस दौरान पोलपोल में विस्थापित होने वाले परिवार के बच्चों के लिए स्मार्ट क्लास शुरू हुआ. जिन बच्चों के लिए स्मार्ट क्लास शुरू हुआ है वो अतिनक्सल प्रभावित इलाके के हैं.

कई योजनाओं का किया गया शुभारंभः वित्तमंत्री राधाकृष्ण किशोर

और पर्यटन मंत्री ने बेतला नेशनल पार्क को लेकर कई योजना शुरू की. इस दौरान पीटीआर में बाघों की मॉनिटरिंग के लिए सीसीएल से एक एमओयू भी किया गया. सीसीएल बाघों के संरक्षण के लिए पीटीआर की मदद करेगी. ग्लोबल टाइगर डे के मौके पर डाक विभाग की तरफ से भी विशेष एनवेलप जारी किया गया. इस दौरान मनिका विधायक रामचंद्र सिंह, पीसीसीएफ अशोल कुमार, परितोष उपाध्याय, डीआईजी नौशाद आलम, मुख्य वन संरक्षक वाईके दास, निदेशक पीटीआर एसआर नटेश समेत कई अधिकारी मौजूद थे.

उजाड़ने की धारणा बदलेगी- पर्यटन मंत्रीः पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि पोलपोल की विस्थापित आबादी पूरे झारखंड के लिए रोल मॉडल बनेगी. गांव में कई सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी. यह भावना बनी रहती है कि सरकारें सिर्फ उजाड़ती हैं, लेकिन झारखंड की सरकार इस धारणा को बदल रही है. सरकार यह बताना चाहती है कि जंगल में तमाम सुविधाओं से महरूम ग्रामीणों को सुविधा दी जा रही है. पीटीआर एक मात्र झारखंड का टाइगर रिजर्व है. जल्द ही इस इलाके में जू सफारी की शुरुआत होगी. बाघ को बचाना जरूरी है, बाघ बचा तो जंगल और पानी बचेंगे. पानी बचा तो मनुष्य बचेगा.

उत्तर कोयल नहर परियोजना मंडल को भी होगा फायदाः झारखंड सरकार के वित्तमंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि पोलपोल गांव उत्तर कोयल नहर परियोजना के लिए भी मॉडल बनेगा. मंडल डैम के विस्थापितों को भी कई सुविधा दी जानी है. उन्होंने कहा कि झारखंड की हेमंत सरकार दृढ़ संकल्प के साथ ग्रामीणों की मदद और उनकी समस्याओं का समाधान कर रही है.

लातेहार पुलिस ने राजस्थान से किया साइबर क्रिमिनल को गिरफ्तार

लातेहारः पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए साइबर क्रिमिनल को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अपराधी सुरेंद्र खोजा राजस्थान का रहने वाला है, उसे उसके घर से ही गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार साइबर अपराधी ने लातेहार के एक व्यक्ति से तीन लाख 90 हजार रुपए ठग लिया था। इसी मामले में उसे गिरफ्तार किया गया।

मंगलवार को प्रेस वार्ता करते हुए मुख्यालय डीएसपी संजीव मिश्रा ने बताया कि जिले के टोरी रेलवे विभाग में कार्यरत रवि शंकर केसरी ने साइबर थाना में आवेदन देकर आरोप लगाया था कि एक व्यक्ति ने उनसे फर्जी सीबीआई ऑफिसर के नाम पर डरा धमका कर तीन लाख 90 हजार रुपए की ठगी कर ली है। आवेदन के आधार पर साइबर सेल ने पूरे मामले की छानबीन शुरू की। छानबीन में पता चला कि अपराधी ने एक लाख रुपए अपने निजी खाते में भी ट्रांसफर की थी। इस आधार पर पुलिस ने छानबीन करते हुए आरोपी का पता लगाया और एक टीम गठित कर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापामारी की गई। राजस्थान पुलिस की मदद से चलाए गए इस छापामारी अभियान के दौरान अपराधी सुरेंद्र खोजा को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अपराधी ने अपने अपराध भी स्वीकार किया। डीएसपी ने बताया कि छापामारी दल में शामिल जवानों को पुरस्कृत किया जाएगा। छापामारी दल में सब इंस्पेक्टर पिंटू कुमार, सहायक अवर निरीक्षक जितेंद्र कुमार, आरक्षी वीरेंद्र पासवान सहित अन्य लोग शामिल थे।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने गढ़वा के पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय भवन का ऑनलाइन किया उद्घाटन

गढ़वाः केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मंगलवार को गढ़वा जिला मुख्यालय में लगभग 10 करोड़ रुपये की लागत से बनकर तैयार पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय भवन का ऑनलाइन उद्घाटन किया।इस अवसर पर गढ़वा में कार्यक्रम स्थल पर जिला उपायुक्त (डीसी), केंद्रीय विद्यालय के कई अधिकारी, शिक्षक और बच्चे मौजूद रहे। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री ने विद्यालय के भवन की खूब प्रशंसा भी की। उन्होंने भवन के जल्द बनने पर खुशी जाहिर करते हुए इसे उच्च क्वालिटी के शिक्षा के लिए उपयोगी बताया। उन्होंने उम्मीद जताई कि इससे इस इलाके के छात्रों को बेहतर शैक्षणिक माहौल मिलेगा। दरअसल,यह विद्यालय अबतक एक छोटे से भवन में चलाया जाता था, जहां बच्चों को काफी असुविधाओं के बीच पढ़ाई करनी पड़ती थी। बच्चों की समूचित ढंग से पढ़ाई नहीं हो पाती थी। मूलभूत सुविधाओं का भी घोर अभाव था। लेकिन इस विद्यालय भवन के मिलने से बच्चों से लेकर शिक्षक तक सभी में काफी खुशी देखने को मिल रही है। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के बच्चों ने अपने भक्ति

एवं राष्ट्रभक्ति गीतों के साथ-साथ नृत्यों से आगंतुकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने कहा कि यह हमारे लिए खुशी की बात है कि केंद्रीय मंत्री ने इस विद्यालय का ऑनलाइन उद्घाटन किया और कहा कि बच्चों की शिक्षा में गुणवत्तापूर्ण सुधार होगा। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में दिनेश यादव, उपायुक्त गढ़वा, कौशर रजा, डीईओ गढ़वा, बलेंद्र कुमार, सहायक आयुक्त रांची संभाग, केंद्रीय विद्यालय संगठन के पदाधिकारी, प्रमोद चौबे सांसद प्रतिनिधि, पलामू और विवेकानंद तिवारी विधायक प्रतिनिधि, गढ़वा उपस्थित थे।

झारखंड के सात जिलों में 30 को भारी बारिश की आशंका

रांचीः झारखंड के सात जिलों में बुधवार को कहीं-कहीं भारी बारिश होने की आशंका मौसम विभाग ने जताई है। इसे लेकर मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। राज्य के जिन जिलों में भारी बारिश होने की आशंका व्यक्त की गई है। उनमें देवघर, दुमका, गोड्डा, जामताड़ा, साहिबगंज, पाकुड़ और गिरिडीह शामिल है। वहीं, राज्य के तीन जिलों को छोड़कर शेष हिस्सों में भारी बारिश हो रही है। दक्षिणी-पश्चिमी मानसून के राज्य में 17 जून को प्रवेश करने के पूर्व से ही राज्य में भारी बारिश हो रही है। एक जून से 28 जुलाई तक राज्य में सामान्य से 53 प्रतिशत अधिक बारिश रिकॉर्ड की गई है। झारखंड में इस दौरान 478.3 की तुलना में 732.7 मिलीमीटर बारिश रिकार्ड की गई है। मंगलवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से बादल छाए रहे और तापमान में कमी दर्ज की गई। इससे हल्की ठंड का एहसास हुआ। रांची में अधिकतम तापमान 27.6 डिग्री, जमशेदपुर में 30.4, डाल्टेनगंज में 30.2, बोकारो में 30. 1 और चाईबासा में तापमान 29.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

थर्मल पावर प्लांट में अब एफजीडी लगाना अनिवार्य नहीं, पर्यावरण पर पड़ेगा असर

रांची. केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने कोयला आधारित बिजली घरों (थर्मल पावर प्लांट) में फ्यूल गैस डिसल्फराइजेशन (एफजीडी) तकनीक लगाने की अनिवार्यता समाप्त कर दी है. इससे पर्यावरण के बिगड़ने का खतरा बढ़ गया है. एफडीजी तकनीक से सल्फर डाइऑक्साइड (एसओ-2), महीन धूलकण (पीएम 2.5) और पारे जैसी खतरनाक गैसों को कम किया जाता है. इससे सीमेंट उद्योग में काम आने वाला जिप्सम भी तैयार किया जा सकता है. इससे झारखंड को ज्यादा नुकसान हो सकता है. झारखंड में करीब एक दर्जन से अधिक थर्मल पावर प्लांट संचालित हैं. भारत दुनिया में सल्फर डाइऑक्साइड का सबसे बड़ा उत्सर्जक देश है. विश्व में मानव जनित सल्फर डाइऑक्साइड उत्सर्जन का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा भारत से आता है. इसमें भी कोयला आधारित पावर प्लांट्स की हिस्सेदारी 60 प्रतिशत है. देश में जलाये जाने वाले कुल कोयले का 70 प्रतिशत हिस्सा इन्हीं संयंत्रों में उपयोग होता है.

वर्ष 2025 में किया गया था अनिवार्य

सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर के विश्लेषक मनोज कुमार ने बताया कि वर्ष 2015 में जारी उत्सर्जन मानकों के तहत पावर प्लांट्स में सल्फर डाइऑक्साइड उत्सर्जन को कम करने के लिए एफडीजी तकनीक को अनिवार्य किया गया था. जुलाई 2025 की अधिसूचना के जरिये अब इन नियमों को कमजोर कर दिया गया है. वन एवं पर्यावरण विभाग के ताजा निर्णय के अनुसार, श्रेणी सी के पावर प्लांट्स को अब उत्सर्जन नियंत्रण उपकरण लगाने से पूरी तरह छूट मिल गयी है. झारखंड के सभी पावर प्लांट इसी श्रेणी में आते हैं.

झारखंड के पावर प्लांट्स को बड़े पैमाने पर छूट

राज्य में कुल 13 थर्मल पावर यूनिट्स हैं, जिनकी कुल क्षमता 4,250 मेगावाट है. 13 पावर प्लांट यूनिट्स में से केवल दो यूनिट्स (जो केंद्र सरकार के स्वामित्व में है) में एफजीडी तकनीक लगायी गयी है. राज्य सरकार के स्वामित्व वाले किसी भी पावर प्लांट में अभी तक एफजीडी तकनीक लागू नहीं की गयी है.

खराब दौर से गुजर रही है झारखंड में वायु गुणवत्ता

आइआइटी दिल्ली ने भारत के सभी वायुमंडलीय क्षेत्रों (एयरशेड्स) में पावर प्लांट्स के प्रभाव का आकलन किया है. इसमें पाया गया कि झारखंड के एयरशेड्स में कुल प्रदूषण का तीन से आठ प्रतिशत योगदान पावर प्लांट्स का है. आइआइटी बॉम्बे ने शहर स्तर पर विश्लेषण करते हुए पाया कि रांची, जमशेदपुर और धनबाद जैसे शहरों में पीएम 2.5 प्रदूषण का चार से 24 प्रतिशत हिस्सा पावर सेक्टर से आता है.

राज्यपाल से अमेरिकी महावाणिज्य दूतावास, कोलकाता की दूत कैथी जाइल्स ने की मुलाकात

रांचीः झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मंगलवार को अमेरिकी महावाणिज्य दूतावास, कोलकाता की महावाणिज्य दूत कैथी जाइल्स-डियाज़ ने राज भवन में शिष्टाचार भेंट की। भेंट के दौरान दोनों के मध्य विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कैथी जाइल्स-डियाज़ को झारखंड की सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक विशेषताओं से अवगत कराया।उन्होंने कहा कि यह राज्य प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण है और यहां प्रचुर मात्रा में खनिज संपदा उपलब्ध है। भेंट के दौरान उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि झारखंड में अनेक विश्वप्रसिद्ध धार्मिक स्थल स्थित हैं, जो राज्य

की आध्यात्मिक समृद्धि के प्रतीक हैं। राज्यपाल ने कैथी जाइल्स-डियाज़ को बताया कि वर्तमान में सावन के पावन महीने में देश के कोने-कोने से लाखों श्रद्धालु श्रद्धा और भक्ति के साथ कांवर यात्रा कर देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम और दुमका स्थित बासुकीनाथ मंदिर पहुंच रहे हैं और श्रद्धापूर्वक जलार्पण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्षभर देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु इन धार्मिक स्थलों पर दर्शन के लिए आते हैं।

मुख्य सचिव के साथ अमेरिकी काउंसलेट जेनरल की बैठक

रांचीः झारखंड के विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग और निवेश को लेकर मंगलवार को मुख्य सचिव अलका तिवारी के साथ अमेरिकी काउंसलेट जेनरल की विस्तृत चर्चा हुई। इस दौरान खनन, पर्यटन, कृषि, ऊच्च शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संतुलन, श्रम शक्ति इत्यादि क्षेत्रों में सहयोग और निवेश की संभावनाएं तलाशी गईं। मुख्य सचिव अलका तिवारी ने कहा कि झारखंड के कई क्षेत्रों में निवेश और सहयोग की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने राज्य की प्राकृतिक संसाधनों को विस्तार से बताया। साथ ही यहां की श्रम शक्ति को हुनरमंद बनाकर कैसे योजनाओं के माध्यम से वृहद आर्थिक गतिविधियों से जोड़ा जा रहा है, उस पर प्रकाश डाला। महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण में आये

बड़े बदलाव को रेखांकित किया। उन्होंने विस्तार से बताया कि कैसे मुख्यमंत्री की पहल से मईयां सम्मान योजना से महिलाओं का आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण से लेकर श्रम का पलायन रोक कर झारखंड की आर्थिक-सामाजिक परिदृश्य को बदला जा रहा है। उन्होंने ऊच्च शिक्षा के क्षेत्र में अमेरिकी विश्वविद्यालयों के साथ संभावनाओं पर भी चर्चा की। अमेरिकी काउंसलेट जेनरल कैली जाइल डियाज ने चर्चा के दौरान चिह्नित क्षेत्रों में आगे बढ़ने की प्रक्रिया शुरू करने पर बल दिया।

खान निदेशक राहुल कुमार सिन्हा ने अमेरिकी काउंसलेट जेनरल को बताया कि खनन के क्षेत्र में कोयला समेत विभिन्न खनिजों के खनन, खनन उपकरण कारखाना स्थापना में ज्वायंट वेंचर की अपार संभावनाएं हैं। वहीं लिथियम, ग्रेफाइट और टेटानियम के प्रसंस्करण में भी आपसी सहयोग से आगे बढ़ा जा सकता है। टास्क फोर्स-सस्टनेबल जस्ट ट्रांजिशन के चेयरमैन एके रस्तोगी ने पर्यावरण संरक्षण में सहयोग पर विस्तार से प्रकाश डाला। बताया कि झारखंड पूरे भारत में सर्वाधिक 33 प्रतिशत वन क्षेत्र वाला राज्य है। उन्होंने कहा कि कार्बन क्रेडिट के क्षेत्र में आपसी सहयोग की बड़ी संभावना है। इसके अतिरिक्त झारखंड के पर्यटन स्थलों का उल्लेख करते हुए बताया कि इस क्षेत्र में भी निवेश और सहयोग की प्रचुर संभावना है। राज्य में लगभग 70 प्रतिशत लोग कृषि कार्य से जुड़े हैं, यह क्षेत्र भी सहयोग और निवेश के लिए आकर्षक क्षेत्र है। अमेरिकी काउंसलेट जेनरल के साथ बैठक के दौरान मुख्य सचिव के अतिरिक्त टास्क फोर्स-सस्टनेबल जस्ट ट्रांजिशन के चेयरमैन श्री एके रस्तोगी और अमेरिकी काउंसलेट जेनरल की सहयोगी संगीता डे चंदा उपस्थित थे।

आदिवासी महोत्सव 2025 की जन जागरूकता रथ रवाना

आईपीआरडी के विशेष सचिव राजीव बक्शी ने हरी झंडी दिखा कर किया रवाना

रांचीः विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आगामी 9, 10 एवं 11 अगस्त 2025 को आयोजित होने वाले "आदिवासी महोत्सव 2025" को लेकर तैयारियां अपने चरम पर है ।इसी क्रम में महोत्सव से जुड़ी जानकारी, महत्व और संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से जागरूकता रथ का शुभारंभ किया गया। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के विशेष सचिव राजीव लोचन बक्शी ने हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रथ को रवाना किया। उन्होंने कहा कि जागरूकता रथ इस आयोजन की भूमिका को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बनेगा।

राजीव लोचन बक्शी ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के मार्गदर्शन में

आदिवासी महोत्सव 2025 एक समावेशी और गौरवशाली आयोजन के रूप में उभरने जा रहा है। यह महोत्सव केवल सांस्कृतिक प्रस्तुति नहीं, बल्कि एक पहचान, एक संघर्ष, एक गर्व का उत्सव है, जिसमें पारंपरिक आदिवासी संस्कृति के साथ-साथ आधुनिकता का भी समावेश देखने को मिलेगा। आदिवासी महोत्सव 2025 के माध्यम से हम आदिवासी संस्कृति, अस्मिता, अधिकार और योगदान से रू ब रू हो सकेंगे। इस महोत्सव के माध्यम से राज्य और देश ही नहीं, बल्कि विश्वभर में फैले आदिवासी समाज की संस्कृति, परंपरा, लोककला, भाषा, वेशभूषा, और खान-पान को प्रदर्शित कर एक सशक्त सांस्कृतिक संवाद स्थापित करेंगे।

जागरूकता रथ की विशेषताएँः राजधानी रांची के प्रमुख चौराहों, बाजारों, स्कूल-कॉलेजों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में यह रथ घूमेगा। रथ पर पोस्टर, फ्लैक्स के माध्यम से आदिवासी कलाकृतियाँ, तथा सांस्कृतिक संदेश प्रदर्शित किए जाएंगे,जिससे जनता को आदिवासी समुदाय की ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विशेषताओं से परिचित होने का अवसर मिले। रथ यात्रा के माध्यम से लोगों को महोत्सव की तारीख, स्थान, विशेष आकर्षण, आमंत्रित कलाकार, और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की जानकारी दी जाएगी। केवल रांची ही नहीं, राज्य के अन्य जिलों में भी यह जागरूकता रथ भ्रमण करेगा, ताकि अधिक से अधिक लोग इस आयोजन से जुड़ सकें और इसकी गरिमा में वृद्धि हो।

इस अवसर पर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के उप निदेशक श्री आनंद सहित विभाग के अन्य पदाधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटुआ, रांची से मुद्रित एवं फर्स्ट फ्लोर, 105, नायल कॉम्प्लेक्स, कांटाटोली, रांची-834001 (झारखण्ड) से प्रकाशित, आर.एन.आई. नं. JHAHIN/50549 फोन नं. 8084372014, Email : koylanchalsamvad@gmai.com & koylanchal.hindi@gmail.com *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट तहत जिम्मेदार।